THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 29 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.14 2083 गुरुवार, 30 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

दिल्ली हाईकोर्ट ने ईडी की अर्जी पर केजरीवाल को नया नोटिस जारी किया

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को आप चीफ अरविंद केजरीवाल को ईडी की अर्जी पर नया नोटिस जारी किया। ईडी ने एक्साइज पॉलिसी मामले में समन जारी होने के बावजूद एजेंसी के सामने पेश न होने के लिए केजरीवाल के खिलाफ दर्ज दो अलग-अलग मामलों में उन्हें बरी किए जाने को चुनौती दी है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कहा कि रजिस्ट्री के अनुसार,केजरीवाल को जारी किया गया पिछला नोटिस सर्व नहीं किया गया था। जांच एजेंसी के वकील ने कहा कि केजरीवाल को 1 अप्रैल को नोटिस जारी किया गया था, लेकिन उनकी तरफ से किसी ने भी पेश होने के लिए एंट्री नहीं दी है।

मोदी ने यूपी के सबसे लंबे एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया

'बंगाल जैसी बंपर वोटिंग नहीं देखी'

मोदी ने काशी विश्वनाथ में पूजा की, त्रिशूल लहराया

* 108 बटुकों ने शंखनाद किया * 14 किमी के रोड शो में फूल बरसाए

वाराणसी, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। काशी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। उन्होंने गर्भगृह में 20 मिनट तक पूजा-अर्चना की। पांच पंडितों ने उन्हें पूजा कराई, माला पहनाई और त्रिपुंड लगाया। पीएम मंदिर से बाहर निकले तो भाजपा नेताओं ने उन्हें त्रिशूल और डमरू भेंट किया।

इसके बाद प्रधानमंत्री ने त्रिशूल उठाकर लहराया। पीएम 14 किलोमीटर लंबा रोड शो करते हुए विश्वनाथ मंदिर पहुंचे थे। गेट पर 108 बटुकों ने शंखनाद के साथ उनका स्वागत किया। मंदिर में पीएम बच्चों से भी मिले और उनसे बातचीत की। इससे पहले, पीएम के रोड शो के दौरान भाजपा कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों पर डांस करते नजर आए। प्रधानमंत्री का जगह-जगह स्वागत किया गया। काफिले पर फूल बरसाए गए। पीएम ने हाथ हिलाकर अभिवादन किया। हालांकि, वह कहीं रुके नहीं। काशी से पीएम हरदोई के लिए रवाना हो गए हैं। वहां गंगा एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन करेंगे। 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस-वे मेरठ को प्रयागराज से जोड़ेगा। प्रधानमंत्री का 11 साल में यह 54वां काशी दौरा है। हालांकि, यह 2026 का पहला दौरा है। इससे पहले, पीएम नवंबर 2025 में काशी आए थे।

हरदोई, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को यूपी के हरदोई में प्रदेश के सबसे लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया।

जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम ने ऐलान किया कि एक्सप्रेस-वे को हरिद्वार से भी जोड़ा जाएगा। पीएम ने सपा और कांग्रेस पर कहा- सपा विकास और नारी विरोधी है। बीते दिनों एक बार फिर देश ने इनका नारी विरोधी चेहरा देखा है। इन लोगों ने नारी शक्ति वंदन संशोधन के खिलाफ वोट किया। पीएम ने पश्चिम बंगाल में चल रही दूसरे चरण की वोटिंग का जिक्र किया। कहा-जो खबरें आ रही हैं, उनसे पता चलता है कि बंगाल में भारी मतदान हो रहा है। ऐसी वोटिंग दशकों में नहीं देखी। इससे पहले पीएम ने एक्सप्रेस-वे के किनारे पेड़ लगाया। सीएम योगी के साथ एक्सप्रेस-वे पर पैदल भी चले। >14

बंगाल में खिल सकता है कमल

कोलकाता/गुवाहाटी/चेन्नै, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण की वोटिंग खत्म होने के बाद पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों को लेकर एक्जिट पोल के नतीजे आ गए हैं। जिन पांच राज्यों में चुनाव हुआ है। उनमें पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी शामिल है।

तमिलनाडु में फिर से डीएमके

तमिलनाडु के लिए मैटराइज का एग्जिट पोल सामने आया है। इसमें डीएमके के गठबंधन को 122 से 132 सीटें और एआईएडीएमके को 87 से 100 सीटें मिलने का अनुमान व्यक्त किया गया है। अन्य के खाते में 10 से 18 सीटें जाने का अनुमन है। मैटराइज के अनुमान अगर सच होते हैं तो सीएम एम के स्टालिन की कुर्सी बरकरार रह सकती है।

बंगाल में बीजेपी 200 पार

प्रजा एक्जिट पोल ने पश्चिम बंगाल में बीजेपी के 200 से अधिक सीटों जीतने का अनुमान लगाया है। पोल ने कहा गया है कि बीजेपी को 178 से 208 और टीएमसी को 85 से 110 सीटें मिल सकती हैं। एक्जिट पोल में अनुमान लगाया गया है कि अन्य को पांच सीटें तक मिल सकती हैं।

बीजेपी की वापसी का अनुमान

एक्सिस माय इंडिया ने असम के अपने एक्जिट पोल फिर से बीजेपी सरकार का अनुमान व्यक्त किया है। बीजेपी को 88 से 100 सीटें मिलने का अनुमान व्यक्त किया है जब कांग्रेस को 24 से 36 सीटें मिल सकती हैं।

बंगाल के लिए मैटराइज का एग्जिट पोल सामने आया है। इसमें बीजेपी को >14

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव / एग्जिट पोल 2026 / सीटें:294 / बहुमत:148

	टीएमसी+	भाजपा	कांग्रेस	अन्य
मैट्रिज	125-140	146-161	-	6-10
पोल डायरी	125-140	146-161	-	6-10
चाणक्य	130-140	150-160	-	6-10
प्रजा पोल	85-110	178-208	-	0-0
पीपल्स पल्स	177-187	95-110	-	1-4
पीमारक्यू	118-138	150-175	-	2-6

हेट स्पीच पर नई गाइडलाइंस जारी करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

> मौजूदा कानून इससे निपटने के लिए पर्याप्त

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। देश की शीर्ष अदालत ने बुधवार को हेट स्पीच (नफरत फैलाने वाले भाषणों) पर रोक लगाने के लिए कोई भी अतिरिक्त निर्देश जारी करने या नए दिशानिर्देश बनाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि मौजूदा कानून ढांचा ऐसे अपराधों से निपटने के लिए पर्याप्त है।

जस्टिस विक्रमनाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने बुधवार को उन सभी याचिकाओं को खारिज किया, जिनमें सांप्रदायिक हेट स्पीच के खिलाफ और अधिक न्यायिक दखल की मांग की गई थी। इन याचिकाओं में 'कोरोना जिहाद',

'यूपीएसएस जिहाद' और अलग-अलग धार्मिक सभाओं में दिए गए भड़काऊ भाषणों जैसी घटनाओं से जुड़े मामले शामिल थे। जस्टिस विक्रमनाथ की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि आपराधिक मामलों और उनके लिए सजा तय करना पूरी तरह से विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। संवैधानिक अदालतें संसद या राज्य विधानसभाओं को नए कानून बनाने के लिए मजबूर नहीं कर सकतीं। शीर्ष अदालत ने कहा, हालांकि संवैधानिक अदालतें कानून की व्याख्या कर सकती हैं और मौलिक अधिकारों को लागू करवाने के लिए निर्देश जारी कर सकती हैं, लेकिन वे खुद कानून नहीं बना सकतीं और न ही कानून बनाने के लिए मजबूर कर सकती हैं। कोर्ट ने आगे कहा कि अदालतें सुधार की जरूरत की ओर ध्यान दिला सकती हैं, जबकि कानून बनाने का फैसला संसद और राज्य विधानसभाओं के पास ही रहता है। अदालत ने उस दलील को भी खारिज किया, जिसमें दावा किया गया कि मौजूदा कानूनों के तहत हेट स्पीच से ठीक से नहीं निपटा जा रहा है। कोर्ट ने कहा कि चिंता कानून में किसी कमी की नहीं, बल्कि उसके प्रभावी ढंग से लागू न होने की है।

बंगाल में 92% तक बंपर वोटिंग

नॉर्थ 24 परगना में हिंसा; दावा-हावड़ा में सीआरपीएफ की पिटाई से बुजुर्ग की मौत

कोलकाता, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में सेकेंड फेज की 142 सीटों पर वोटिंग खत्म हो गई है। शाम 5 बजे तक 92% वोटिंग हुई। यह आकंड़ा और बढ़ सकता है। वोटिंग के दौरान कई जगहों पर हिंसा, झड़प, लाठीचार्ज और ईवीएम से छेड़छाड़ की घटनाएं सामने आईं। नॉर्थ 24 परगना के अरविंद रैली में टीएमसी और भाजपा कार्यकर्ताओं में हिंसक झड़प हुई। दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को दौड़ा-दौड़ाकर मुक्के, लाठियों से हमले किए।

भारी संख्या में सुरक्षाबलों की मौजूदगी के बावजूद हालात बेकाबू दिखे। सीएम ममता ने सीआरपीएफ पर टीएमसी समर्थकों और वोटरों से मारपीट का आरोप लगाया। ममता ने कहा कि सीआरपीएफ ने हमारे कई लोगों को गिरफ्तार किया है। वोटरों और सेंट्रल ऑब्सर्वर लोगों को मार रहे हैं। महिलाओं और बच्चों को भी नहीं छोड़ा। टीएमसी ने आरोप लगाया कि सीआरपीएफ के हमले से हावड़ा के उदयनारायणपुर में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। महासचिव अभिषेक बनर्जी ने दावा किया कि बुजुर्ग अपने बेटे के साथ वोट डालने गए थे। केंद्रीय बलों ने उन्हें धक्का दिया और मारपीट की। बुजुर्ग को अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। जिन 142 सीटों पर वोटिंग हुई है, उनमें से 123 सीटों पर टीएमसी ने 2021 के विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की थी। पहले फेज की 152 सीटों पर 23 अप्रैल को रिकॉर्ड 93% मतदान हुआ था। 4 मई को रिजल्ट आएंगे।

टीडीपी में बड़ा बदलाव : सीएम नायडू के बेटे लोकेश बने कार्यकारी अध्यक्ष

अमरावती, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने बुधवार को अपनी नई कार्यकारिणी समितियों का गठन किया। पार्टी प्रमुख और मुख्यमंत्री एन चेंद्रबाबू नायडू ने इन नई टीमों को शपथ दिलाई। इस दौरान उनके बेटे और आईटी मंत्री नारा लोकेश को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया, जो संगठन को मजबूत करने की बड़ी जिम्मेदारी संभालेंगे। इस दौरान नायडू ने कहा कि नई समितियों में अनुभवी नेताओं और नए चेहरों का संतुलन रखा गया है। पार्टी ने जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं को भी अहम पद दिए हैं, जिससे संगठन को नीचे से मजबूत किया जा सके। इतना ही नहीं उन्होंने कैडर ही नेता है के सिद्धांत पर जोर दिया।

पार्टी के अनुसार, इन समितियों का गठन कई चरणों में विचार-विमर्श के बाद किया गया है, जिसमें पुराने नेताओं का सम्मान और नए लोगों को मौका दोनों को ध्यान में रखा गया। 44 साल पुरानी पार्टी को नई ऊर्जा देने के लिए यह बदलाव किया गया है। सरकार के कामकाज पर बात करते हुए नायडू ने कहा कि उनकी सरकार कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है और विकास कार्यों को तेज कर रही है। उन्होंने बताया कि सिंचाई परियोजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है, ताकि किसानों को पानी मिल सके। साथ ही पोलावरम और अमरावती जैसे बड़े प्रोजेक्ट भी आगे बढ़ाए जा रहे हैं।

कई और नेताओं को मिली अहम जिम्मेदारी

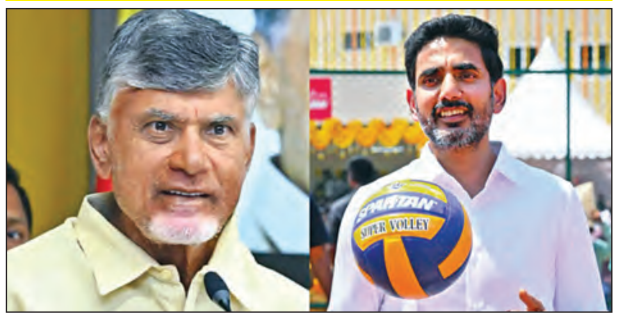

विशाखापत्तनम स्टील प्लांट के लिए खास योजना

इस दौरान सीएम नायडू ने विशाखापत्तनम स्टील प्लांट के लिए भी राज्य सरकार की योजना पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विशाखापत्तनम स्टील प्लांट को फिर से फायदे में लाने की दिशा में काम हुआ है और राज्य की साख को मजबूत किया गया है। बिजली क्षेत्र में सुधार करते हुए लोगों पर अतिरिक्त बोझ नहीं डाला जा रहा और बिजली दरों को कम करने की कोशिश जारी है। इसके साथ ही नायडू ने विपक्षी पार्टी वाईएसआर कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाया कि वह साजिश और गलत जानकारी फैलाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि टीडीपी विकास और सुशासन की राजनीति करती है, जबकि विपक्ष बाधाएं खड़ी कर रहा है।

पार्टी के नेताओं को अनुशासन में रहने की सलाह

नायडू ने अपने बयान में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से अनुशासन में रहने, लोगों से जुड़े रहने और विवादों से दूर रहने की अपील की। नायडू ने कहा कि नेताओं को घमंड से बचना चाहिए और आपसी मतभेदों को खत्म कर मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी को आने वाले स्थानीय चुनावों के लिए तैयार रहना चाहिए और विकास कार्यों के आधार पर जनता का भरोसा जीतना चाहिए। नायडू ने भरोसा जताया कि आने वाले चुनावों में टीडीपी और उसके सहयोगी दलों को फायदा होगा।

भारत ने संकट में फंसे छोटे पड़ोसी के लिए बढ़ाया मदद का हाथ

मालदीव को झटके में मिलेंगे 3,000 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया युद्ध की वजह से भारत का छोटा सा पड़ोसी देश मालदीव भयंकर आर्थिक तंगी से गुजर रहा है। लेकिन, पहले की तरह भारत ने फिर से अपनी नेबरहूड फर्स्ट पॉलिसी के तहत उसे उस योजना का लाभ पहुंचाया है, जो करीब 12 वर्षों से ठंडे बस्ते में पड़ा हुआ है। भारत ने दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ (एसएएआरसी) फ्रेमवर्क के करेंसी स्वैपिंग तहत तत्काल 3,000 करोड़ रुपये निकासी को मंजूर दे दी है। अधिकारियों का कहना है कि सार्क करेंसी स्वैप व्यवस्था के तहत मालदीव को लिक्विडिटी संकट के समय विदेश मुद्रा जुटाने में सहायता मिलेगी, ताकि उसे सिर्फ बाजार दरों पर लोन के भरोसे ही नहीं रहना पड़े। बता दें कि सार्क अब पहले की तरह सक्रिय संगठन नहीं है। हमारे सहयोगी अखबार ईटी की एक रिपोर्ट के अनुसार इससे भुगतान संतुलन का दबाव कम करने और आर्थिक स्थिरता स्थापित करने में उसे मदद मिलेगी।

भारत आ रहे वियतनाम के राष्ट्रपति

5,800 करोड़ रुपये की होगी ब्रह्मोस डील!

> मित्र रूस ने भी हामी भरी

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम अगले हफ्ते भारत यात्रा पर आ सकते हैं। उनकी इस यात्रा का मकसद भारत के साथ सामरिक और सैन्य साझेदारी को और आगे बढ़ाना है। लेकिन, उनकी इस यात्रा का सबसे बड़ा लक्ष्य करीब 5,800 करोड़ रुपये ($700 मिलियन डॉलर) की ब्रह्मोस मिसाइल की प्रस्तावित डील है। इस मामले की जानकारी रखने वालों के हवाले से यह बातें सामने आई हैं।

वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम की भारत यात्रा के दौरान वह ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने के अलावा भी कई और तरह के हथियार और रक्षा उपकरणों को खरीदने की बात को आगे बढ़ा सकते हैं।

हमारे सहयोगी अखबार की एक रिपोर्ट के अनुसार प्रस्तावित डील में ब्रह्मोस के एंटी-शिप वर्जन शामिल हो सकते हैं, जिससे वियतनाम को अपनी समुद्री सुरक्षा क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

भारत और वियतनाम की रणनीतिक साझेदारी

यह देखना भी महत्वपूर्ण है कि राष्ट्रपति बनने के बाद वह चीन गए और उसके तुरंत बाद भारत आ रहे हैं। भारत और वियतनाम के संबंधों में तब और मजबूती आनी शुरू हुई, जब 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वियतनाम यात्रा पर पहुंचे। यहीं से दोनों में व्यापक रणनीतिक साझेदारी (सीएसपी) की शुरुआत हुई। तो लाम व्यापक रणनीतिक साझेदारी के एक दशक पूरे होने पर भारत आने वाले हैं। भारत और वियतनाम के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग व्यापक रणनीतिक साझेदारी के मुख्य आधार है। यह साझेदारी 2009 के रक्षा सहयोग पर मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग और 2015 के रक्षा सहयोग के संयुक्त दृष्टिकोण पर आधारित है।

जून 2022 में दोनों देश एक 'ज्वाइंट विजन स्टेटमेंट ऑन इंडिया-वियतनाम डिफेंस पार्टनर्शिप टुवर्ड 2030' के लिए भी सहमत हुए थे और म्यूचुअल लॉजिस्टिक सपोर्ट पर एक एमओयू भी साइन किया था।

तेल-गैस के लिए जल्द मिले सुरक्षित समुद्री मार्ग

होर्मुज बंद होने से भारत की बढ़ी चिंता, यूएनएससी में उठाई आवाज

न्यूयॉर्क, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत ने वैश्विक व्यापार के लिहाज से होर्मुज में सुरक्षित और निर्बाध समुद्री आवाजाही जल्द बहाल करने की अपील की है। भारत ने यह भी स्पष्ट किया कि इस महत्वपूर्ण जलमार्ग के किसी भी तरह के अवरोध का सीधा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 'समुद्री क्षेत्र में जलमार्गों की सुरक्षा और संरक्षण' विषय पर आयोजित ओपन डिबेट को संबोधित करते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की प्रभारी योजना पटेल ने यह बयान दिया। राजदूत योजना पटेल ने ने भारत का पक्ष रखते हुए कहा कि होर्मुज से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाना न केवल निंदनीय है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानून के भी खिलाफ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में व्यापारिक जहाजों और निर्दोष नागरिक चालक दल को सैन्य हमलों का लक्ष्य नहीं बनाया जाना चाहिए। पटेल ने कहा कि भारत के लिए यह जलमार्ग ऊर्जा और आर्थिक सुरक्षा के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने चिंता जताई कि मौजूदा संघर्ष के दौरान भारतीय नाविकों की जान भी गई है, जो बेहद गंभीर विषय है। भारत ने दोहराया कि समुद्री मार्गों की सुरक्षा और स्वतंत्र नौवहन वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए अनिवार्य है। भारत ने यह भी रेखांकित किया कि होर्मुज दुनिया के सबसे व्यस्त तेल और गैस परिवहन मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ऐसे में यहां किसी भी प्रकार की अस्थिरता अंतरराष्ट्रीय बाजारों, सप्लाई चेन और खाद्य सुरक्षा तक को प्रभावित कर सकती है।

एस.जयशंकर ने इक्वाडोर की विदेश मंत्री से की मुलाकात, व्यापार-कृषि पर जोर

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री डॉ.एस. जयशंकर ने बुधवार को इक्वाडोर की अपनी समकक्ष गैब्रिएला सोमरफेल्ड से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, कृषि और कैपेसिटी बिल्डिंग जैसे खास क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। इसके अलावा विदेश मंत्री सोमरफेल्ड ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि भी दी।

भारत के अपने पहले दौरे सोमरफेल्ड

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, 'इक्वाडोर की विदेश मंत्री गैब्रिएला सोमरफेल्ड रोसेरो का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है, जो भारत के अपने पहले दौरे पर हैं। हमने व्यापार, स्वास्थ्य, कृषि, डिजिटल और

कैपेसिटी बिल्डिंग सहित सहयोग को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। बहुपक्षीय फोरम में मिलकर सहयोग करेंगे।' उन्होंने भारत के नेतृत्व वाले इसरो सोलर अलायंस और इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस (आईबीसीए) में शामिल होने की प्रक्रिया शुरू करने के इक्वाडोर के फैसले का स्वागत किया।

फंडिंग को लेकर एक समझौता

उन्होंने बताया कि इक्वाडोर पहले से ही कोएलिशन फॉर डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर का सदस्य है। विदेश मंत्री ने यह भी घोषणा की कि क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स को लागू करने के लिए फंडिंग को लेकर एक समझौता हो गया है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, 'क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स को लागू करने के लिए फंडिंग को लेकर समझौता हमारी विकास साझेदारी को और गहरा करने की दिशा में एक कदम है।'

यह प्रोजेक्ट नहीं, प्रकृति के खिलाफ सबसे बड़ा अपराध : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि ग्रेट निकोबार परियोजना आदिवासी विरासत के खिलाफ गंभीर अपराध तथा सबसे बड़ा घोटाला है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने मंगलवार को निकोबार का दौरा किया था और स्थानीय लोगों से मुलाकात की थी। कांग्रेस नेता ने बुधवार को 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट किया कि मैंने ग्रेट निकोबार की यात्रा की। मैंने अपने जीवन में ऐसे असाधारण जंगल नहीं देखे हैं। यहां बहुत पुराने पेड़ हैं, इस जंगल को विकसित होने में पीढ़ियां लग गईं। उन्होंने कहा कि इस द्वीप के लोग शानदार हैं लेकिन उनसे वह छीना जा रहा है जिन पर उनका असली हक है।

'राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को क्लीन चिट दी'

कांग्रेस ने रक्षा मंत्री के बयान को क्यों बताया देश-विरोधी?

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर क्लीन चिट दे दी और उनके बयान राष्ट्रविरोधी करार दिया। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि पाकिस्तान को लेकर यह नया रुख प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका के प्रति तुष्टिकरण और चीन के प्रति संतुलित समर्पण की नीति का हिस्सा है।

जयराम रमेश ने बिश्केक में राजनाथ सिंह के भाषण का एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा था, 'हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आतंकवाद की कोई राष्ट्रीयता या धर्म नहीं होता।' रमेश ने एक्स पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर निशाना साधते हुए कहा, 'कल रक्षा मंत्री ने, बिश्केक में बोलते हुए पाकिस्तान को शर्मनाक तरीके से आतंकवाद के मुद्दे पर क्लीन चिट दे दी, जो साफ तौर पर प्रधानमंत्री की मंजूरी और निर्देश पर दी गई।'

कांग्रेस ने सवाल किया, 'क्या पाकिस्तान आतंकवाद का केंद्र नहीं है? क्या वहां भारत को निशाना बनाने वाले आतंकी शिविर नहीं हैं? क्या पाकिस्तान में भारत विरोधी विचारधारा का प्रचार नहीं होता? क्या मुंबई और पहलगाम आतंकी हमलों की साजिश पाकिस्तान से जुड़े आतंकियों ने नहीं की थी?' जयराम रमेश ने कहा, 'साफ तौर पर पाकिस्तान के प्रति यह नया रुख प्रधानमंत्री की अमेरिका के प्रति तुष्टिकरण और चीन के प्रति संतुलित समर्पण की नीति का हिस्सा है।'

'तलाक का मामला शुरू होते ही बेरोजगार हो गए

50 लाख रुपये एलिमनी दो', पत्नी ने कर ली दूसरी शादी फिर भी एससी ने क्यों पति को दिया ऐसा आदेश?

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने तलाक के एक मामले की सुनवाई करते हुए पति को आदेश दिया है कि वह पत्नी को 50 लाख रुपये की एलिमनी दे। सुनवाई के दौरान पति ने बताया कि वह इस वक्त फ्रीलांस काम कर रहा है और उसकी पत्नी ने भी इतनी रकम की मांग नहीं की है। इस पर जज ने कहा कि यह उनका आदेश है कि वह पत्नी को यह राशि दे। सुप्रीम कोर्ट पति की याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जबकि पत्नी हाईकोर्ट और निचली अदालत की ओर से तलाक की अनुमति दिए जाने के बाद दूसरी शादी भी कर चुकी है और पहले पति से उनका एक बच्चा भी है।

पति ने कोर्ट में दलील दी कि वह तलाक नहीं लेना चाहते हैं। तब कोर्ट ने कहा कि तलाक के लिए तो आपकी पत्नी ने अपील की थी और किस आधार पर उन्होंने तलाक

मांगा। पति ने कोर्ट को बताया कि क्रूरता और परित्याग के आधार पर तलाक लिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा, 'आपने पत्नी पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के झूठे आरोप लगाए हैं, जिन्हें आप साबित भी नहीं कर सके। तो यह खुद ही तलाक का आधार है। आपकी पत्नी ने एलिमनी की मांग नहीं की है?' तो पति ने कहा कि पत्नी की तरफ एलिमनी की मांग नहीं की गई है, जिस पर कोर्ट ने कहा कि तब तो याचिकाकर्ता को खुश होना चाहिए।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार कोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा कि क्या वह सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं, जिस पर पति ने कहा कि अब वह फ्रीलांसर हैं। तो जज ने कहा, 'जैसे ही तलाक का मामला शुरू होता है हर कोई बेरोजगार हो जाता है। पत्नी भी रिजाइन कर चुकी हैं, फिर पति कहेगा कि मैंने नौकरी छोड़ दी, पत्नी की शिकायत पर उसको घर से निकाल दिया गया, या और कुछ और अब आप फ्रीलांसर बन गए हैं।' पत्नी ने कोर्ट को बताया कि निचली अदालत ने तलाक की अनुमति दे दी थी और हाईकोर्ट ने भी इस फैसले को बरकरार रखा, जिसके बाद उन्होंने दूसरी शादी कर ली।

कोर्ट ने पति को आदेश दिया कि वह पत्नी को एकमुश्त के तौर पर 50 लाख रुपये एलिमनी दे, जिस पर पति ने कहा कि पत्नी ने तो ऐसी कोई डिमांड की ही नहीं है। कोर्ट ने उनसे कहा कि एलिमनी देने का आदेश कोर्ट उन्हें दे रहा है। इसके बाद पति ने बच्चे की कस्टडी का मुद्दा उठाया और कहा कि मध्यस्ता के जरिए बच्चे की कस्टडी का रास्ता निकाला जा सकता है। हालांकि, कोर्ट ने उनकी यह मांग खारिज कर दी।

छह लोगों की मौत

साबरकांठा में बस और वैन की भिड़ंत से हुआ सड़क हादसा

अहमदाबाद, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के साबरकांठा जिला की सड़कों पर बुधवार को तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। जहां एक दर्दनाक सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई और 4 लोग घायल हो गए। यह हादसा साबरकांठा जिला के एक हाईवे पर हुआ। पुलिस के अनुसार, एक निजी बस ने पीछे से एक वैन को जोरदार टक्कर मार दी। वैन में यात्री सवार थे और वह शामलाजी से हिम्मतनगर जा रही थी। इस मामले में गंभोई पुलिस के इंस्पेक्टर ने बताया कि हादसे में वैन में बैठे 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 4 अन्य लोग घायल हो गए।

हादसे के बाद सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है कि तेज रफ्तार बस ने वैन को पीछे से क्यों टक्कर मारी।

युवक ने घर में ही उगाई गांजे की फसल, 41 पौधे बरामद

पुणे, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। पुणे के लोहेगांव से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति ने अपने बंगले के अंदर ही गांजे की खेती करना शुरू कर दी। बंगले के अंदर गांजे के 41 पौधे मिले हैं। युवक बंगले से ही गांजे की खेती कर रहा था और उसे बेच रहा था। पुलिस ने सूचना के आधार पर लोहेगांव के बंगले पर छापा मारा। इस दौरान 6 लाख रुपये की कीमत का प्रतिबंधित सामान मिला। जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। वहीं पुलिस ने गांजा बेचने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे 9 मोबाइल फोन भी कब्जे में लिए हैं।

मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान हर्ष भरतकुमार पांचाल (उम्र 30) के रूप में हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, लोहेगांव पुलिस स्टेशन के पुलिस कांस्टेबल आकाश मोरे और अमोल एडलिंग को एक गुप्त सूचना मिली कि पथारे वस्ती इलाके में एक बंगले के अंदर गांजे की खेती की जा रही है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने बंगले पर छापा मारा।

महुआ मोइत्रा के खिलाफ दिल्ली में एफआईआर

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। कोलकाता बंगाल में चुनावी माहौल में फिर से पॉलिटिकल टेंशन बढ़ गई है। दिल्ली के मंदिर मार्ग साइबर पुलिस स्टेशन में तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है।

शिकायत में दावा किया गया है कि सोशल मीडिया पर 'फेक एआई वीडियो' फैलाकर जनता के मन में कन्फ्यूजन पैदा करने की कोशिश की गई है। जो शिकायत सामने आई है, उसके मुताबिक आरोप है कि वायरल वीडियो में आईपीएस ऑफिसर अजय पाल शर्मा की इमेज खराब करने की कोशिश की गई है। आवेदक का दावा है कि वीडियो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके बनाया गया हो सकता है।

इसका मकसद कन्फ्यूजन पैदा करने और चुनावी माहौल को प्रभावित करने के लिए गलत जानकारी फैलाना था। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के चुनाव से पहले गरमागरम राजनीतिक माहौल में एक और हलचल तब मच गई, जब आईपीएस अधिकारी और एनकाउंटर स्पेशलिस्ट अजय पाल शर्मा का तृणमूल उम्मीदवार को चेतावनी देते हुए एक वीडियो वायरल हो गया है।

वीडियो में शर्मा जहांगीर खान और अन्य उपद्रवियों को चेतावनी देते हुए नजर आ रहे हैं कि अगर किसी ने भी चुनाव प्रक्रिया में बाधा डालने की कोशिश की तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गिर सोमनाथ, देवभूमि द्वारका और डांग में बनाए जाएंगे टूरिस्ट फ्रेंडली पुलिस स्टेशन

गांधीनगर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा, सुविधा और सुखद अनुभव में वृद्धि करने के उद्देश्य के लिए एक बड़ा फैसला लिया गया है। गिर सोमनाथ, देवभूमि द्वारका और डांग में 'टूरिस्ट फ्रेंडली पुलिस स्टेशन' शुरू किए जाएंगे। इसके अलावा, एक 'टूरिस्ट पुलिस ऐप' के साथ हेल्प डेस्क और कियोस्क भी बनाए जाएंगे। यह फैसला गुजरात के पुलिस महानिदेशक केएलएन राव की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया। डीजीपी कार्यालय के अनुसार, पुलिस महानिदेशक केएलएन राव की अध्यक्षता में मंगलवार को एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित हुई।

इस बैठक में पुलिस महानिरीक्षक (प्रशासन) सहित गिर सोमनाथ, द्वारका और डांग जिलों के पुलिस अधीक्षक उपस्थित रहे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य पुलिस महानिदेशक (डीजी) और पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) कॉन्फ्रेंस की सिफारिशों के अनुसार राज्य के महत्वपूर्ण पर्यटन जिलों में समर्पित 'टूरिस्ट पुलिस स्टेशन' कार्यरत करना है।

अधिकारियों ने बताया कि उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी के मार्गदर्शन में पहले चरण में गिर सोमनाथ, देवभूमि द्वारका और डांग जैसे प्रमुख पर्यटन जिलों में टूरिस्ट-फ्रेंड्ली वातावरण सुनिश्चित करने के लिए विशेष टूरिस्ट पुलिस थाने स्थापित किए जाएंगे। जिन पर्यटन स्थलों पर पहले से जो पुलिस चौकियाँ कार्यरत हैं, वहां उपलब्ध संसाधनों का श्रेष्ठ उपयोग कर उन्हें अत्याधुनिक टूरिस्ट पुलिस थाने के रूप में अपग्रेड किया जाएगा।

397 करोड़ रुपये के घोटाले में सीबीआई जांच के आदेश

पूर्व मंत्री बालाजी की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

चेन्नई, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। मद्रास हाईकोर्ट ने 397 करोड़ रुपये के ट्रांसफॉर्मर घोटाले की सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। उच्च न्यायालय के इस आदेश से तमिलनाडु के पूर्व ऊर्जा मंत्री सेंथिल बालाजी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

दरअसल जब सेंथिल बालाजी तमिलनाडु के ऊर्जा मंत्री थे, उसी दौरान साल 2021 से लेकर 2023 के बीच ट्रांसफॉर्मर खरीद में कथित तौर पर 397 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ।

मुख्य न्यायाधीश एस ए धर्माधिकारी और जस्टिस जी अरुल मुरुगन की पीठ ने तमिलनाडु डायरेक्टोरेट ऑफ विजिलेंस एंड एंटी करप्शन यूनिट को आदेश दिया है कि वे मामले से जुड़े सभी दस्तावेज सीबीआई को सौंप दें। अदालत ने कहा कि सीबीआई की जांच टीम आदेश के दो सप्ताह के भीतर नियुक्त हो जानी चाहिए।

मद्रास उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया कि राज्य सरकार, एंटी करप्शन यूनिट, जांच में सीबीआई का सहयोग करें और मामले की जांच से जुड़े सभी दस्तावेज सीबीआई को सौंप दें।

'सुधार के नाम पर धर्म की मूल भावना से छेड़छाड़ नहीं कर सकते'

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल के सबरीमाला मंदिर समेत विभिन्न धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के प्रवेश से जुड़े मामलों पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान अहम टिप्पणियां सामने आईं। अदालत ने स्पष्ट किया कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म की मूल संरचना को कमजोर नहीं किया जा सकता। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने कहा कि भारत की सभ्यता और धार्मिक इतिहास को नजरअंदाज करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 भी इसी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से विकसित हुए हैं।

अदालत के मुताबिक, वर्तमान को समझने के लिए अतीत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने दलील दी कि सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश को लेकर सुप्रीम कोर्ट का पूर्व फैसला अब भी प्रभावी है और उस पर कोई रोक नहीं

लगी है। इसके बावजूद महिलाओं को मंदिर में प्रवेश नहीं मिल पा रहा,

जिसका कारण राज्य सरकार का पर्याप्त सहयोग न होना बताया गया। उन्होंने यह भी कहा कि अदालत धर्म की परिभाषा तय नहीं करती, बल्कि यह तय करना धार्मिक परंपराओं और मान्यताओं का विषय है। सुनवाई के दौरान यह भी चर्चा हुई कि क्या संविधान को पूरी तरह नए दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए या फिर ऐतिहासिक संदर्भों को ध्यान में रखते हुए इसकी व्याख्या की जानी चाहिए। इस पर दोनों पक्षों के बीच गहन बहस हुई।

डोडा में पाकिस्तान समर्थक पोस्टर लगाने का वीडियो वायरल, एफआईआर दर्ज

जम्मू, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के डोडा में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिफ मुनीर समर्थन में कथित तौर पर पोस्टर लगाने का वीडियो वायरल होने से स्थिति तनावपूर्ण हो गई। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि एक व्यक्ति गणपत ब्रिज के पास निर्माणाधीन नेपली फ्लाईओवर पर पोस्टर लगा रहा है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आरोपियों की पहचान करने और जनव्यवस्था बनाए रखने के प्रयास जारी हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, सोशल मीडिया पर एक छोटा सा वीडियो वायरल हुआ है। इसमें पोस्टर चिपकाया जा रहा था। इसमें जियोटैगिंग भी चालू थी। पोस्टर में सबसे ऊपर शहबाज और आसिफ मुनीर की तस्वीर छपी है। इसमें कुछ और लोग भी नजर आ रहे हैं।

बंगाल चुनावः पूर्व सांसद नुसरत ने डाला वोट

कोलकाता, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 142 सीटों पर मतदान चल रहा है। टीएमसी की पूर्व सांसद और लोकप्रिय अभिनेत्री नुसरत जहां ने कोलकाता के डायमंड सिटी साउथ अपार्टमेंट स्थित मतदान केंद्र पर वोट डाला। आईएएनएस से बातचीत में नुसरत जहां ने कहा कि सभी नागरिकों को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र की खूबसूरती है कि जनता बढ़-चढ़कर इस बार मतदान कर रही है। चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो रहा है और कहीं से कोई अप्रिय घटना की खबर नहीं आ रही है। जो लोग अभी तक घर से नहीं निकले हैं, उनसे मेरा अनुरोध है कि वे अपने मताधिकार का इस्तेमाल जरूर करें।

दूसरी ओर,रासबिहारी विधानसभा क्षेत्र से टीएमसी उम्मीदवार देबाशीष कुमार ने विधानसभा चुनावों के दूसरे चरण में अपने परिवार के साथ मतदान किया। टीएमसी उम्मीदवार देबाशीष कुमार ने कहा कि बंगाल के मतदाता शांतिपूर्ण ढंग से मतदान कर रहे हैं। रासबिहारी में ऐसा है या नहीं, मेरे पास पूरी जानकारी नहीं है, इसलिए मैं सुबह 6:30 बजे से ही सड़क पर हूं और विभिन्न बूथों का दौरा कर रहा हूं।

केंद्रीय सुरक्षा बलों को लेकर टीएमसी उम्मीदवार सुजीत बोस ने कहा कि यह सही नहीं है। कई जगहों पर केंद्रीय बलों की भूमिका अच्छी नहीं है, जो स्वीकार्य नहीं है। हर कोई इसी समस्या का सामना कर रहा है। हम निश्चित रूप से इस मुद्दे को उठाएंगे। फिलहाल, चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होगा, और हम देखेंगे कि आगे क्या होता है।

कांग्रेस मंत्री ने 'महिला मित्रों' के नाम पर जारी 20 लाख ग्रांट अपने घर पर खर्च की, सुखबीर कटारिया समेत 5 पर भ्रष्टाचार का केस दर्ज

गुरुग्राम, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व मंत्री सुखबीर कटारिया पर भ्रष्टाचार के मामले में केस दर्ज किया गया है। उन्होंने अपनी महिला मित्रों के नाम पर सरकारी ग्रांट जारी करवाई और फिर उसका इस्तेमाल अपने घर पर किया। दरअसल, गुरुग्राम की एक अदालत के आदेश पर पुलिस ने सरकारी अनुदान के गलत इस्तेमाल के आरोप में पूर्व मंत्री सुखबीर कटारिया और चार अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार-रोधी कानून के तहत केस दर्ज किया है।

अधिकारियों ने बताया कि एक साल पहले सेक्टर-12 के ओम प्रकाश कटारिया ने याचिका दायर की थी जिसमें कहा गया था कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने मंत्री रहते अपने घर की मरम्मत के लिए करीब 20 लाख रुपये का अनुदान लिया। शिकायतकर्ता के मुताबिक, यह अनुदान अनंत सिंह, शर्मिला देवी और बसंती देवी के नाम पर दिखाया गया, जबकि मकान असल में पूर्व मंत्री का था।

163 नाबालिग बच्चों की मानव तस्करी के मामले ने पकड़ी तूल

कटनी, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के कटनी में नाबालिग 163 बच्चों से जुड़े कथित मानव तस्करी के मामले ने अब तूल पकड़ ली है। इस पूरे मामले को लेकर बिहार के जन जागरण शक्ति संगठन ने गंभीर आरोप लगाए हैं। साथ ही संगठन ने निष्पक्ष जांच की मांग भी उठाई है। कटनी में बिहार के अररिया जिले से महाराष्ट्र के लातूर सहित अन्य क्षेत्रों में मदरसों में शिक्षा के लिए जा रहे 163 बच्चों को रोककर बालगृह में रखा गया था। साथ ही मदरसा शिक्षकों पर मानव तस्करी का मामला दर्ज किया गया, जिसके बाद यह विवाद गहराता चला गया।

बिहार में आयोजित पत्रकारवार्ता में जन जागरण शक्ति संगठन ने आरोप लगाते हुए कहा कि बच्चों को उनकी अभिभावकों की सहमति से भेजा जा रहा था। संगठन ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई और बच्चों व शिक्षकों को मुआवजा दिए जाने की मांग की है। अभिभावकों का कहना है कि उनके बच्चों के पास वैध टिकट, जरूरी दस्तावेज और सहमति पत्र मौजूद थे। इसके बावजूद उन्हें कटनी में रोक लिया गया। कई दिनों की प्रक्रिया के बाद 25 अप्रैल को बच्चों को परिजनों को सौंपा गया।

अभिभावकों का कहना है कि हमारे बच्चों को पढ़ाई के लिए भेजा गया था, लेकिन उन्हें रोक लिया गया, जिससे उनकी शिक्षा प्रभावित हुई है। वहीं बाल कल्याण समिति कटनी ने इस मामले में विधि उल्लंघन की आशंका जताई है। समिति का कहना है कि बच्चों के पास पर्याप्त वैध दस्तावेज नहीं थे और उनकी सुरक्षा को देखते हुए कार्रवाई की गई।

ड्रग नेटवर्क से बनाई गई संपत्तियों पर चला बुलडोजर

जम्मू, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। कश्मीर में अनंतनाग पुलिस ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर, नेशनल हाईवे-44 के किनारे नशीले पदार्थों के तस्करों की करोड़ों रुपये की अवैध संपत्तियों को बुलडोजर चलाकर ढहा दिया। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम ड्रग नेटवर्क के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत उठाया गया, जिसका उद्देश्य अवैध नशीले पदार्थों के व्यापार से अर्जित संपत्तियों को निशाना बनाना है। ढहाई गई इमारतों की पहचान ऐसी संपत्तियों के रूप में की गई थी, जिन्हें ड्रग नेटवर्क की तस्करी से होने वाली कमाई से बनाया गया था। एक अधिकारी के मुताबिक, पुलिस और अधिकारियों की तरफ से यह संयुक्त अभियान उचित कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए चलाया गया; इसका मकसद जिले में नशीले पदार्थों के तस्करों के वित्तीय नेटवर्क की कमर तोड़ना है।

पुलिस ने जनता से मदद करने और लोगों से जानकारी शेयर करने की अपील की है, ताकि समाज से इस ड्रग नेटवर्क और इसके फैलने के खतरे को पूरी तरह से खत्म करने में मदद मिल सके। अनंतनाग से आए वीडियो में साफ दिख रहा है कि अवैध बिल्डिंग और दुकानों पर पीला पंजा गरजा। जो प्रॉपर्टी अवैध तरीके से ड्रग नेटवर्क के पैसे से बनाई गई थी, उन्हें बुलडोजर की मदद से ढहा दिया गया।

ओला-उबर ड्राइवरों ने झगड़ा किया, गाली दी

बेंगलुरु में महिला पत्रकार से बीच सड़क पर बदतमीजी

बेंगलुरु, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। बेंगलुरु की एक महिला पत्रकार ने राइड बुकिंग विवाद के बाद दो ऑटो चालकों पर उत्पीड़न और धमकी का आरोप लगाया है। महिला का दावा है कि उबर ड्राइवर ने उनके पिकअप पॉइंट पर आने से इनकार किया। इतना ही नहीं बार-बार उनकी राइड रिक्वेस्ट स्वीकार करने की वजह से अन्य ड्राइवरों को बुकिंग लेने से रोका और उनको गाली भी दी। जिसकी वजह से वह असुरक्षित महसूस कर रही थीं। महिला पत्रकार ने कहा कि जब उन्होंने दूसरे प्लेटफॉर्म से ओला ऑटो बुक किया, तो उस ड्राइवर ने उनको भी राइड लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद दोनों ड्राइवरों ने कथित तौर पर उनसे और उनके साथी से झगड़ा किया और उन्हें गाली दी।

इतना ही नहीं ड्राइवरों ने उनसे कन्नड़ भाषा के बारे में सवाल पूछा और अपमानजनक टिप्पणियां करते हुए कहा कि वे यहां की नहीं हैं। इतना ही नहीं उनसे हिंदी में भी अपशब्द कहे। महिला का दावा है कि दोनों ड्राइवरों की मिलीभगत थी। उन्होंने उनको मौखिक रूप से धमकाया। जब महिला ने उनको पुलिस कार्रवाई की धमकी दी तो उसको भी नजरअंदाज कर दिया।

महिला का आरोप है कि इस दौरान आसपास मौजूद लोगों ने कुछ भी नहीं किया। वे लोग ये सब देखते रहे। बाद में तीन अन्य ऑटो चालक मौके पर इकट्ठा हो गए और उनमें से एक ने कथित तौर पर बिना सहमति के उनका वीडियो बनाना शुरू कर दिया, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई। महिला ने इस घटना को उत्पीड़न, धमकी और राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म के दुरुपयोग का मामला बताया है।

'जल संकट से निपटने में नाकाम रही सिद्धारमैया सरकार'

भाजपा का आरोप- 20 फीसदी गन्ने की फसल बर्बाद

बंगलूरू, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर। अशोक ने बुधवार को कर्नाटक सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने राज्य में भीषण लू और पानी की कमी के बीच किसानों की पूरी तरह अनदेखी करने का आरोप लगाया। आर अशोक ने कहा कि राज्य के कई हिस्सों में भीषण गर्मी के कारण फसलें बर्बाद हो रही हैं। वहीं, लोगों को पीने का पानी भी नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने सरकार की किसान समर्थक नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि हालात बेहद चिंताजनक हैं।

आर अशोक के मुताबिक, बेलगावी जिले के चिक्कोडी और निप्पाणी क्षेत्रों में गन्ने की करीब 20 प्रतिशत फसल तेज गर्मी के कारण खराब हो चुकी है। वहीं, गडग जिले के 76 से अधिक गांवों में लोग गंभीर पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जब किसान जीवन के लिए संघर्ष कर रहे हैं, तब कांग्रेस सरकार सत्ता को लेकर आंतरिक राजनीति में व्यस्त है। आर अशोक ने सरकार की कथित विफलताओं को गिनाते हुए कहा कि काबिनी, कृष्णा और मलप्रभा जैसे जलाशयों में पानी उपलब्ध होने के बावजूद बिजली की कमी के कारण किसान अपने पंप सेट नहीं चला पा रहे हैं। उन्होंने इसे एक विरोधाभासी स्थिति बताते हुए कहा कि कहीं पानी है लेकिन बिजली नहीं, तो कहीं बिजली है लेकिन पानी नहीं।

आर अशोक के अनुसार, यह पूरी तरह प्रशासनिक विफलता है। उन्होंने आगे कहा कि गर्मी और बिजली कटौती के कारण खेतों में गन्ने की फसल सूख रही है। आर अशोक ने सरकार से सवाल किया कि किसानों की इस परेशानी को दूर करने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं।पेयजल संकट पर भी उन्होंने चिंता जताई और कहा कि गडग सहित कई जिलों में हालात बेहद खराब हैं, जहां इंसान और पशु दोनों पानी के लिए जूझ रहे हैं।

अशोका ने आरोप लगाया कि सरकार अप्रत्यक्ष रूप से टैंकर माफिया को बढ़ावा दे रही है। मुख्यमंत्री सिद्दारमैया पर निशाना साधते हुए अशोका ने कहा कि वे राजनीतिक खींचतान छोड़कर उत्तर कर्नाटक के किसानों की समस्याओं पर ध्यान दें।

मतगणना से पहले पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द

आदेश 2 मई से अगले आदेश तक रहेगा प्रभावी

चेन्नई, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने पुलिस कर्मियों की छुट्टियां रद्द करने का आदेश दिया है। 4 मई को विधानसभा चुनावों के नतीजे आएंगे। इसकी कारण से डीजीपी ने 2 मई से अगले आदेश तक पुलिस कर्मियों की छुट्टियां रद्द करने का निर्णय लिया है। यह निर्देश कांस्टेबल से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक है। सभी रैंकों के अधिकारियों पर लागू होता है। इसका उद्देश्य मतगणना प्रक्रिया के दौरान कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए बलों की अधिकतम तैनाती सुनिश्चित करना है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मतगणना केंद्रों पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। राज्य भर में संवेदनशील और असुरक्षित स्थानों पर अतिरिक्त कर्मियों को तैनात किया जाएगा।

आदेश के अनुसार मतगणना प्रक्रिया के महत्व और कड़ी निगरानी की आवश्यकता को देखते हुए, इस अवधि के दौरान किसी भी पुलिसकर्मी को छुट्टी पर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वैध और अपरिहार्य कारणों से छुट्टी पर गए लोगों, जैसे कि चिकित्सा आपात स्थिति, मातृत्व अवकाश, बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारी या शैक्षणिक प्रतिबद्धताओं,को इस निर्देश से छूट दी जाएगी। यह कदम राज्य प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है कि मतों की गिनती सुचारू रूप से और बिना किसी बाधा के संपन्न हो।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 30 अप्रैल, 2026 3

सुविचार: कभी कभी इंसान की ज्यादा समझदारी जिंदगी को बेरंग कर देती है!

कर्मचारियों के स्वास्थ्य सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता नहीं : उपमुख्यमंत्री

कर्मचारियों के बकाया भुगतान के लिए 1000 करोड़ रुपए जारी

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने कर्मचारियों की लंबित समस्याओं के समाधान की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 1000 करोड़ रुपए की राशि जारी की है। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का के स्पष्ट निर्देशों पर बुधवार को यह राशि जारी की गई। वित्त विभाग के प्रमुख सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया ने इसके लिए आधिकारिक आदेश जारी किए। इसके साथ ही उपमुख्यमंत्री ने विधानसभा में दिया गया अपना आश्वासन पूरा कर दिया है। गत वर्ष कर्मचारी संघों के साथ हुई चर्चाओं के दौरान सरकार ने प्रति माह 700 करोड़ जारी करने का वादा किया था।

इस वादे के अनुरूप मार्च 2026 तक नियमित रूप से भुगतान किया गया। हालांकि, कर्मचारियों की वित्तीय आवश्यकताओं और कठिनाइयों को देखते हुए उपमुख्यमंत्री ने चालू वित्त वर्ष से मासिक आवंटन को बढ़ाकर 1000 करोड़ करने का निर्णय लिया।

इसी क्रम में अप्रैल माह के लिए 1000 करोड़ की राशि त्वरित रूप से जारी की गई है। सरकार ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के प्रति भी सकारात्मक रुख अपनाया है। इन निधियों के माध्यम से अक्टूबर 2025 तक के सभी लंबित जीपीएफ (जनरल प्रोविडेंट फंड) भुगतान पूरी तरह से कर दिए गए हैं, जिससे हजारों वरिष्ठ नागरिकों को राहत मिली है। कर्मचारियों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सरकार ने निर्देश दिए हैं कि चिकित्सा बिलों का भुगतान बिना किसी देरी के प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। वर्तमान में चिकित्सा बिलों के साथ-साथ छात्रवृत्ति भुगतान भी तेजी से निपटाए जा रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और इस दिशा में निरंतर कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारी शासन के भागीदार हैं, उनकी समस्याओं का समाधान करना हमारी जिम्मेदारी है। इस बड़े पैमाने पर धनराशि जारी किए जाने पर कर्मचारी संघों ने खुशी व्यक्त की है।

संदेह के चलते पत्नी की हत्या

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मीरपेट क्षेत्र में बुधवार तड़के एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक व्यक्ति ने कथित तौर पर संदेह के आधार पर अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी नरसिम्हा (60) ने मीरपेट थाना क्षेत्र के बीएन रेड्डी नगर के पास अपने घर में अपनी पत्नी वसंत (52) पर चाकू से हमला किया और उसकी हत्या कर दी। दोनों मूल रूप से नालगोंडा जिले के शिवन्नागुडेम के रहने वाले थे और आजीविका के लिए मीरपेट में रह रहे थे। बताया जा रहा है कि घटना तड़के हुई, जिसमें नरसिम्हा ने पत्नी पर हमला कर उसकी हत्या कर दी। इस वारदात के बाद इलाके में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हत्या के पीछे के कारणों की जांच की जा रही है। आरोपी नरसिम्हा की तलाश जारी है।

तुम्मिडीहट्टी-येल्लमपल्ली लिंक के लिए चार वैकल्पिक मार्गों पर विचार : उत्तम रेड्डी

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया कि राज्य सरकार तुम्मिडीहट्टी से येल्लमपल्ली को जोड़ने के लिए चार वैकल्पिक एलाइनमेंट्स पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि यह पहल गोदावरी नदी से जल उपयोग को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की प्रस्तावित समीक्षा बैठक से पहले अधिकारियों के साथ हुई तैयारी बैठक में मंत्री ने बताया कि आरवी एसोसिएट्स और आईआईटी हैदराबाद को इन विकल्पों के अध्ययन का कार्य सौंपा गया था। दोनों संस्थाओं ने अपनी संयुक्त सिफारिशें प्रस्तुत कर दी हैं, जिनका अब व्यवहार्यता, लागत और दक्षता के आधार पर परीक्षण किया जा रहा है।

मंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार अपने चुनावी वादे के अनुरूप प्राणहिता-चेवेल्ला परियोजना के निर्माण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इसके लिए विस्तृत प्रस्ताव तैयार किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य तुम्मिडीहट्टी से येल्लमपल्ली तक पानी पहुंचाकर लाखों एकड़ भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रस्ताव का लागत, लाभ और कमियों के आधार पर गहन विश्लेषण किया जा रहा है और मुख्यमंत्री के साथ समीक्षा बैठक के बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा। इसके अलावा मंत्री ने मेदिगड्डा, सुंदिल्ला और अन्नाराम बैराजों की मरम्मत कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मानसून से पहले सभी आवश्यक परीक्षण पूरे कर लिए जाएं।

मंत्री ने निर्देश दिया कि स्टैंडर्ड पेनिट्रेशन टेस्ट (एसपीटी) हर 1.5 मीटर पर तथा पारगम्यता (परमीएबिलिटी) परीक्षण हर 3 मीटर पर किया जाए। यदि बोर ड्रिलिंग के दौरान चट्टान भी मिले तो कम से कम 5 मीटर तक ड्रिलिंग अनिवार्य रूप से की जाए। उन्होंने समन्वय समिति को तत्काल स्थलों का दौरा कर स्पष्ट समयसीमा तय करने के निर्देश दिए और सीडब्ल्यूपीआरएस के निदेशक को फील्ड स्तर पर उपलब्ध रहने को कहा, ताकि मरम्मत कार्य शीघ्र पूरे हो सकें। मंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि कार्यों की नियमित और विस्तृत प्रगति रिपोर्ट राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) को भेजी जाए।

वाहन चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, तीन दोपहिया बरामद

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। चारमीनार पुलिस स्टेशन की क्राइम टीम ने वाहन चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से तीन दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद नईम खान उर्फ मोहम्मद सलमान (26) के रूप में हुई है, जो पेशे से रैपिडो चालक है और किंग कोठी क्षेत्र का निवासी है। पुलिस ने आरोपी के पास से तीन वाहन बरामद किए हैं। जांच में सामने आया कि आरोपी शहर के विभिन्न इलाकों में दोपहिया वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। क्राइम टीम ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिरों की सूचना के आधार पर आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखी। साथ ही उसके सोशल मीडिया अकाउंट्स की भी जांच की गई। 28 अप्रैल 2026 को मदीना एक्स रोड के पास आरोपी को पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने चारमीनार और नारायणगुड़ा थाना क्षेत्रों से तीन वाहन चोरी करने की बात स्वीकार की यह कार्रवाई चारमीनार जोन के एसीपी पी. चंद्रशेखर के मार्गदर्शन में इंस्पेक्टर टी. रामबाबू, डिटेक्टिव इंस्पेक्टर के. नरसिंग राठौड़, डिटेक्टिव सब-इंस्पेक्टर जी. सतीश रेड्डी और क्राइम टीम ने संयुक्त रूप से की।

कृष्णा कांत पार्क के जलाशय सूखे, पार्क की हरियाली पर संकट

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के प्रमुख पार्कों में शामिल यूसुफगुडा स्थित कृष्णा कांत पार्क के तीन जल निकाय महज छह महीने के भीतर पूरी तरह सूख गए हैं, जिससे रोजाना सैर करने वाले लोग परेशान हैं। सूखे स्थानों को अब खेल के मैदान के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, जहां बच्चे क्रिकेट और युवा वॉलीबॉल खेलते नजर आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, जहां पहले पानी भरा रहता था, वहां अब स्थानीय युवक वॉलीबॉल खेल रहे हैं, जबकि अन्य दो सूखे जलाशयों में कई टीमें क्रिकेट खेल रही हैं। पिछले मानसून में ये तीनों जलाशय पानी से लबालब भरे हुए थे, लेकिन जलकुंभी और शैवाल के कारण उनकी सही देखभाल नहीं हो सकी और वे धीरे-धीरे सूख गए।

जीएचएमसी के शहरी जैव विविधता निदेशक वी वेंकटेश्वर राव के अनुसार, भूजल स्तर में गिरावट के कारण जलाशय सूख गए हैं। वहीं, हाइड्रा के अधिकारियों ने हाल ही में पार्क का निरीक्षण कर 27.35 एकड़ में फैले इन जल निकायों को पुनरुद्धार के लिए चिन्हित किया है। जल स्रोत सूखने से पार्क में आने वाले लोगों को काफी परेशानी हो रही है। पहले जहां पानी भरा रहता था, अब वह जगह बंजर दिखाई दे रही है। सैर करने वालों का कहना है कि बरसात में ये जलाशय आकर्षण का केंद्र होते थे, लेकिन अब इनके सूखने से पार्क की खूबसूरती फीकी पड़ गई है। भीषण गर्मी के चलते पार्क की हरियाली पर भी खतरा मंडरा रहा है। रोजाना करीब 20 हजार लोग इस पार्क में आते हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते हरियाली बचाने के उपाय नहीं किए गए, तो पार्क अपना प्राकृतिक स्वरूप खो सकता है।

एटीएम केंद्रों पर ध्यान भटकाकर चोरी करने वाला अंतरराज्यीय अपराधी गिरफ्तार

पहले भी विभिन्न थानों द्वारा गिरफ्तार किया जा चुका है आरोपी

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद जोन के सुल्तान बाजार पुलिस की विशेष टीम ने एटीएम केंद्रों पर लोगों का ध्यान भटकाकर नकदी चोरी करने वाले एक अंतरराज्यीय अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान इंटीपल्ली रामाराव उर्फ श्रीराम उर्फ रामू (31) के रूप में हुई है, जो वर्तमान में सिकंदराबाद के जुबली बस स्टेशन स्थित डॉर्मिटरी में रह रहा था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं, जिनका उपयोग वह अपराध में करता था, वहीं उसके बैंक खाते में मौजूद 2.40 लाख रुपये की राशि फ्रीज कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार आरोपी एटीएम केंद्रों, विशेषकर एसबीआई के कैश डिपॉजिट मशीनों पर आने वाले लोगों को निशाना बनाता था। वह पीड़ितों से दोस्ताना व्यवहार कर उनका विश्वास जीतता और एनईएफटी के जरिए रकम ट्रांसफर करने का झांसा देता था। इसके बाद वह फर्जी ट्रांजेक्शन मैसेज दिखाकर पीड़ितों से नकदी लेकर मौके से फरार हो जाता था। डीसीपी खैरताबाद जोन के. शिल्पावल्ली ने बताया कि

मामले का विवरण इस संबंध में सुल्तान बाजार थाना में अपराध संख्या 127/2026 दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता सुनीता ने बताया कि 22 अप्रैल 2026 को वह एक लाख रुपये जमा करने एसबीआई एटीएम गई थीं, लेकिन तकनीकी समस्या के कारण राशि जमा नहीं हो सकी। इसी दौरान आरोपी ने उनसे संपर्क कर एनईएफटी के माध्यम से पैसे भेजने का झांसा दिया और नकदी लेकर फरार हो गया। डीसीपी खैरताबाद जोन के निर्देश पर एसीपी सुल्तान बाजार के पर्यवेक्षण में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर 28 अप्रैल 2026 की शाम नारायणगुड़ा फ्लाईओवर के पास इंडियन बैंक एटीएम के निकट आरोपी को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में आरोपी ने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में कई मामलों को अंजाम देने की बात कबूल की है। उसने वर्ष 2018 से 2025 के बीच 70 से अधिक ध्यान भटकाने वाले अपराध करने की बात स्वीकार की है। आरोपी को पहले भी 2019, 2022 और 2024 में विभिन्न थानों द्वारा गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि एटीएम के अंदर या आसपास किसी अज्ञात व्यक्ति को नकदी न दें और किसी के द्वारा पैसे ट्रांसफर करने के प्रस्ताव पर भरोसा न करें।

सड़क हादसे में भाई की मौत होने वाली दुल्हन के दोनों पैर टूटे

मेदक, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। चंदूर गांव के पास मंगलवार रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी बहन, जो होने वाली दुल्हन थी, गंभीर रूप से घायल हो गई।

जानकारी के अनुसार, चिलिपचेड गांव निवासी 25 वर्षीय सथारी रेणुका और उसका 23 वर्षीय भाई परशुराम चंदूर में एक रिश्तेदार के घर से साइकिल पर लौट रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात कार ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में परशुराम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि रेणुका गंभीर रूप से घायल हो गईं और उनके दोनों पैर टूट गए। परिवार में एक सप्ताह बाद रेणुका की शादी होनी थी, जिसकी तैयारियां चल रही थीं। हादसे के बाद बुधवार को परशुराम का अंतिम संस्कार किया गया। घायल रेणुका को पहले जोगीपेट सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें हैदराबाद के उस्मानिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कैदियों को समाज की मुख्यधारा में शामिल करना आवश्यक : डीजीपी

दिल्ली जेल कर्मियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने कहा कि जेल विभाग का कार्य केवल कैदियों को बंद रखना नहीं, बल्कि उनमें सुधार लाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल करना भी है। बुधवार को चंचलगुड़ा स्थित स्टेट इंस्टीट्यट ऑफ करेक्शनल एडमिनिस्ट्रेशन (सिका) में दिल्ली जेल विभाग के कर्मचारियों के लिए नौ माह के प्रारंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए उन्होंने यह बात कही। डीजीपी ने कहा कि जेल प्रबंधन अत्यंत जटिल जिम्मेदारी है और प्रशिक्षणार्थियों को पेशेवर कौशल, अनुशासन तथा मानवीय दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि निष्पक्ष व्यवहार और कैदियों के प्रति सम्मान की भावना से ही अपेक्षित सुधार संभव है।

कार्यक्रम में जेल विभाग की महानिदेशक डॉ. सौम्या मिश्रा ने कहा कि अंतरराज्यीय सहयोग से सुधारात्मक व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि दिल्ली जेल विभाग द्वारा बड़ी संख्या में कर्मियों को प्रशिक्षण के लिए भेजना सिका पर विश्वास का प्रतीक है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत कुल 381 कर्मियों को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण दिया जाएगा। पहले बैच में 62 प्रशिक्षु शामिल हैं, जिनमें असिस्टेंट सुपरिंटेंडेंट और महिला वार्डर शामिल हैं। प्रशिक्षण में क्रिमिनोलॉजी, साइकोलॉजी, मानवाधिकार और जेल प्रशासन में तकनीक से जुड़े विषय शामिल किए गए हैं इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को आवश्यक किट भी वितरित की गई। कार्यक्रम में आईजी एन. मुरली बाबू, डीआईजी डॉ. डी. श्रीनिवास, एम. संपत, सिका प्राचार्य एस. श्रीनिवास रेड्डी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

किसानों के मुद्दों पर सरकार को घेरा, बीआरएस ने आंदोलन की चेतावनी दी

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक दल के उपनेता टी. हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर किसानों से किए गए चुनावी वादों को पूरा न करने का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को लिखे एक खुले पत्र में उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव के दौरान किसानों से बड़े वादे किए थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद वे पूरे नहीं किए गए। हरीश राव ने धान की खरीद में देरी और उत्तम धान पर घोषित 500 रुपये प्रति क्विंटल बोनस को तुरंत जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बड़ी मात्रा में धान खरीद केंद्रों तक पहुंच चुका है, लेकिन खरीद प्रक्रिया धीमी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि चावल मिलों में किसानों से प्रति बोरी 1 से 2 किलो तक की कटौती की जा रही है, जिससे किसानों को नुकसान हो रहा है। सूरजमुखी, चना और मक्का जैसी फसलों के मामलों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि किसानों को एमएसपी से काफी कम दाम पर अपनी उपज बेचने को मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से बिना शर्त सभी फसलों की तुरंत खरीद सुनिश्चित करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि सरकार ने कार्रवाई नहीं की, तो बीआरएस किसानों के समर्थन में आंदोलन तेज करेगी।

भीषण गर्मी में पशु-पक्षियों की सुरक्षा को लेकर सलाह

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बढ़ती गर्मी को देखते हुए ह्यूमेन वर्ल्ड फॉर एनिमल्स इंडिया ने नागरिकों से पालतू और आवारा पशुओं, पक्षियों तथा शहरी वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए जरूरी सावधानियां बरतने की अपील की है। संस्था के अनुसार, अत्यधिक गर्मी के कारण जानवरों में तनाव, बीमारी और मृत्यु का खतरा बढ़ रहा है। विशेषज्ञों ने लोगों से कहा है कि वे अपने आसपास साफ और ठंडा पानी उपलब्ध कराएं, ताकि जानवर निर्जलीकरण से बच सकें।

सलाह में यह भी कहा गया है कि गर्मी के दौरान आवारा जानवर अक्सर वाहनों के नीचे बैठ जाते हैं, इसलिए वाहन चालू करने से पहले जांच करना जरूरी है। पालतू जानवरों को यथासंभव घर के अंदर रखें और उन्हें कभी भी बंद गाड़ी में न छोड़ें, क्योंकि इससे उनकी जान को खतरा हो सकता है। पक्षियों के लिए भी विशेष ध्यान देने की जरूरत बताई गई है। यदि कोई पक्षी कमजोर या घायल दिखे तो उस पर हल्का पानी छिड़ककर मदद करें, लेकिन उसे पानी में डुबोने से बचें। विशेषज्ञों ने बताया कि खीरे जैसे फल और ठंडे खाद्य पदार्थ जानवरों को राहत दे सकते हैं। वहीं लू से प्रभावित जानवरों को तुरंत छायादार या ठंडी जगह पर ले जाकर प्राथमिक उपचार देना चाहिए।

लापरवाही से धूम्रपान बना आग की घटनाओं का बड़ा कारण, 2026 में 1,915 मामले

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में आग लगने की घटनाओं का सबसे बड़ा कारण लापरवाही से धूम्रपान और सिगरेट के टुकड़े फेंकना सामने आया है। वर्ष 2026 में अब तक ऐसे 1,915 मामले दर्ज किए गए हैं। अग्नि आपदा प्रतिक्रिया आपातकालीन सेवा विभाग के अनुसार, 28 अप्रैल तक राज्य में कुल 3,858 घटनाओं पर कार्रवाई की गई। इनमें 3,447 छोटी, 106 मध्यम, 27 गंभीर और 14 बड़ी आग की घटनाएं शामिल हैं। इसके अलावा 228 बचाव अभियान और 36 अन्य आपातकालीन कॉल भी प्राप्त हुईं।

आंकड़ों के मुताबिक, बिजली की खराबी से 871, अज्ञात कारणों से 375 और अन्य कारणों से 307 आग की घटनाएं हुईं। वहीं आगजनी के 60, कचरा जलाने के 21, गैस से जुड़े 69, यांत्रिक चिंगारियों के 89 और स्वतः दहन के 35 मामले सामने आए। इन घटनाओं में करीब 276.887 करोड़ रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ, जबकि समय पर कार्रवाई से 535.460 करोड़ रुपये की संपत्ति को बचाया गया। आग की घटनाओं में 14 लोगों की मौत हुई, जबकि 67 लोगों को बचाया गया। वहीं अन्य गैर-अग्नि घटनाओं में 161 लोगों की जान गई और 49 लोगों को सुरक्षित निकाला गया। सबसे ज्यादा आग की घटनाएं आवासीय परिसरों में 987 दर्ज की गईं। इसके अलावा विविध श्रेणियों में 539, कृषि भूमि में 534, घरेलू मामलों में 400 और रेल व सड़क वाहनों से जुड़े 207 मामले सामने आए। दुकानों, कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और औद्योगिक इकाइयों में भी आग की घटनाएं हुईं। दमकल अधिकारियों के अनुसार, अधिकांश घटनाएं मानवीय लापरवाही के कारण हुईं, जिनमें धूम्रपान और बिजली संबंधी समस्याएं प्रमुख हैं। राज्य में सबसे अधिक फायर कॉल हैदराबाद से 573 और सबसे कम कुमारम भीम आसिफाबाद से 22 दर्ज की गईं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Sameena Sultana Begum W/o. Mohammed Elyas R/o. H.No. 26-64/1, Qutubullapur, Medchal Malkajgiri, T.G. Changed My Name as Sameena Sultana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

एक्सप्रेसवे सिर्फ दूरी कम करने का माध्यम नहीं, बल्कि विकास का 'ग्रोथ कॉरिडोर' : सीएम योगी

हरदोई, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हरदोई में 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे के लोकार्पण के मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को विकास की आधारशिला बताते हुए कहा कि यह परियोजना न सिर्फ आवागमन को आसान बनाएगी, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

उन्होंने कहा कि एक्सप्रेसवे सिर्फ दूरी कम करने का माध्यम नहीं, बल्कि विकास के 'ग्रोथ कॉरिडोर' हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दिसंबर 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखी गई गंगा एक्सप्रेसवे की आधारशिला आज उनके ही करकमलों से लोकार्पित होकर 'विजन से हकीकत' में बदल गई है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 जैसी वैश्विक चुनौती के बावजूद इस परियोजना को तय समयसीमा में पूरा करना केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने हरदोई की ऐतिहासिक और धार्मिक महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भूमि भक्त प्रह्लाद और भगवान नरसिंह की आस्था से जुड़ी रही है, और ऐसे पावन अवसर पर प्रधानमंत्री का स्वागत प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 'नए भारत' की

परिकल्पना अब 'नए उत्तर प्रदेश' के आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। एक्सप्रेसवे, हाईवे और ग्रामीण सड़कों के व्यापक नेटवर्क ने प्रदेश में कनेक्टिविटी को अभूतपूर्व रूप से मजबूत किया है, जिससे निवेश, रोजगार और औद्योगिक विकास को गति मिली है। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में अराजकता, दंगों और माफिया राज के कारण विकास की कल्पना भी मुश्किल थी, लेकिन बीते वर्षों में 'डबल इंजन सरकार' के प्रयासों से उत्तर प्रदेश में चार लाख किलोमीटर से अधिक सड़कों का नेटवर्क तैयार हुआ है। हर जिला मुख्यालय को चार लेन और ब्लॉक-तहसील स्तर तक दो लेन सड़कों से जोड़ने का कार्य तेजी से पूरा किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक्सप्रेसवे सिर्फ दूरी कम करने का माध्यम नहीं, बल्कि विकास के 'ग्रौथ कॉरिडोर' हैं। इनके साथ डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर, लॉजिस्टिक हब और इंडस्ट्रियल क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं, जो किसानों, युवाओं और उद्योगों के लिए नए अवसर पैदा करेंगे। उन्होंने बताया कि गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण में लगभग 18,000 एकड़ भूमि किसानों से ली गई है, जबकि इंडस्ट्रियल क्लस्टर और लॉजिस्टिक हब के लिए करीब 7,000 एकड़ अतिरिक्त भूमि अधिग्रहित की जा रही है। इस परियोजना से जुड़े 12 जिलों के एक लाख से अधिक किसानों के योगदान की सराहना करते हुए उन्होंने उनका आभार व्यक्त किया।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा सरकार की कार्यशैली 'शिलान्यास से उद्घाटन' तक प्रतिबद्धता निभाने की रही है और गंगा एक्सप्रेसवे इसका सशक्त उदाहरण है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरदोई में इस 594 किलोमीटर लंबे, छह लेन (भविष्य में आठ लेन तक विस्तारित) एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर का उद्घाटन किया। एक्सप्रेसवे मेरठ से प्रयागराज तक कनेक्टिविटी को नई दिशा देगा और उत्तर प्रदेश को देश के प्रमुख आर्थिक केंद्रों में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाएगा।

महिला का सिर धड़ से अलग, 4 फीट दूर गिरा

सड़क हादसे में 6 की मौत-3 महिलाओं के टुकड़े हुए

उन्नाव, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। उन्नाव में 3 महिलाओं समेत 6 लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। एक महिला का सिर धड़ से अलग हो गया। जबकि दो अन्य महिलाओं के शरीर दो टुकड़ों में बंट गए। हादसे में 2 बच्चों सहित 5 लोग बुरी तरह से कुचल कर घायल हो गए।

दरअसल, तेज रफ्तार बोलेरो ओवरटेक करने के चक्कर में आगे चल रहे ट्रक को टक्कर मार दी। इसके बाद पीछे से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई। दोनों ट्रकों के बीच फंसकर बोलेरो बुरी तरह कुचल गई। इसके बाद बोलेरो और पीछे चल रहा ट्रक सड़क किनारे छह फीट गहरी खाई में पलट गए। बुधवार सुबह करीब 10.30 बजे हुआ यह हादसा जिला मुख्यालय से 60 किलोमीटर दूर उन्नाव-रायबरेली मार्ग पर बिहार थाना क्षेत्र में कीरतपुर गांव के पास का है।

किन्नर समुदाय को नेग मांगने का कानूनी अधिकार नहीं, ऐसा करना अपराधिक कृत्य

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

लखनऊ, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। लंबे समय से चली आ रही सामाजिक परंपराओं और आधुनिक कानूनी व्यवस्था के बीच संतुलन को लेकर एक अहम टिप्पणी करते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने किन्नर (ट्रांसजेंडर) समुदाय से जुड़े एक मामले में स्पष्ट रुख अपनाया है। अदालत ने कहा कि पारंपरिक रूप से बधाई या 'नेग' मांगना कोई कानूनी अधिकार नहीं है और इसे मौलिक अधिकार के रूप में भी मान्यता नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने यह भी माना कि यदि ऐसी प्रथाओं को वैध ठहराया गया, तो इससे अवैध वसूली और आपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सकता है। इसी के साथ अदालत ने क्षेत्र निर्धारण और सुरक्षा की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया।

नेग मांगना वैधानिक अधिकार नहीं

इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच के जस्टिस आलोक माथुर और जस्टिस अमिताभ कुमार राय की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की वसूली, चाहे वह टैक्स हो, शुल्क हो या बधाई के नाम पर धन, सिर्फ कानून के तहत ही ली जा सकती है। अदालत ने कहा कि 'जजमानी' या पारंपरिक बधाई के नाम पर धन लेना किसी भी कानून के तहत संरक्षित अधिकार नहीं है और इसे मौलिक अधिकार की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। बधाई या जजमानी के नाम पर धन वसूलने का कोई वैधानिक अधिकार नहीं है। इसे मौलिक अधिकार के रूप में संरक्षित नही किया जा सकता।

आपराधिक कृत्य की श्रेणी में आ सकता है

अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि यदि जबरन या दबाव बनाकर नेग वसूला जाता है, तो यह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत आपराधिक कृत्य माना जा सकता है। इसलिए ऐसी गतिविधियों को कानूनी संरक्षण देना न्यायसंगत नहीं होगा। कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा कि यदि क्षेत्र निर्धारण कर नेग वसूली को मान्यता दी जाती है, तो इससे अवैध वसूली को बढ़ावा मिलेगा और आपराधिक गतिविधियों के फैलने का खतरा भी बढ़ेगा। अदालत ने इस आधार पर याचिका को खारिज करते हुए स्पष्ट कर दिया कि कानून व्यवस्था के तहत ही किसी भी प्रकार की आर्थिक गतिविधि की अनुमति दी जा सकती है।

क्या था मामला

यह मामला गोंडा जिले के करनैलगंज क्षेत्र की रहने वाली किन्नर रेखा देवी की याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ता ने कोर्ट से मांग की थी कि उन्हें एक निश्चित क्षेत्र में नेग मांगने का अधिकार दिया जाए और अन्य क्षेत्रों के किन्नरों को उस इलाके में प्रवेश से रोका जाए। उनका कहना था कि वे वर्षों से एक तय क्षेत्र में बधाई मांगती आ रही हैं, लेकिन दूसरे समूहों के आने से विवाद की स्थिति बनती है, जो कई बार हिंसक भी हो जाती है।

शादी समारोह में घुसकर युवक ने किशोरी से किया दुष्कर्म

सीसीटीवी में कैद वारदात

संभल, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले के चंदौसी क्षेत्र में एक विवाह समारोह खुशियों के माहौल में अचानक दहशत में बदल गया। यहां शादी में शामिल होने आई एक 12 वर्षीय मासूम किशोरी के साथ धर्मशाला के एक कमरे में दुष्कर्म की जघन्य वारदात सामने आई है।

जानकारी के अनुसार, रात्रि के समय जब किशोरी अन्य लोगों के साथ कमरे में सो रही थी, तभी एक बाहरी युवक कमरे में घुस आया और उसने लड़की के साथ जबरदस्ती दुष्कर्म की कोशिश की। किशोरी की चीख-पुकार सुनकर आसपास सो रहे घराती और बराती जाग गए। लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर आरोपी युवक को रंगे हाथ दबोच लिया। गुस्साए लोगों ने आरोपी की जमकर पिटाई की। आरोपी ने मारपीट के बीच भागने की कोशिश की, लेकिन लोगों ने उसे फिर पकड़ लिया। अफरा-तफरी के दौरान घटना की सूचना पुलिस को दी गई और मौके पर पहुंची पुलिस को आरोपी को सौंप दिया गया।

सीसीटीवी फुटेज सामने आया

घटना के दौरान हुई मारपीट का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें आरोपी के कमरे में घुसने और उसके साथ लोगों द्वारा की गई मारपीट को साफ देखा जा सकता है। पुलिस ने पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया है। पूरे प्रकरण की गहन जांच शुरू कर दी गई है और आरोपी से पूछताछ जारी है।

पुलिस की प्रतिक्रिया

पुलिस ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि वह शादी समारोह में कैसे पहुंचा और उसकी असली पहचान क्या है। मामले में जल्द ही एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि दोषी के खिलाफ सख्त से सख्त एक्शन लिया जाएगा।

'उठाकर ले जाएंगे' मनचलों की छेड़खानी से तंग आकर लड़की ने छोड़ी पढ़ाई, परिवार दहशत में

गाजियाबाद, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक ओर जहां मिशन शक्ति 5.0 जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत कई बार इन दावों को कठघरे में खड़ा कर देती है। ताजा मामला गाजियाबाद के ट्रांस हिंडन क्षेत्र से सामने आया है, जहां छेड़छाड़, धमकी, पुरानी रंजिश और कानून-व्यवस्था की चुनौतियां एक साथ नजर आईं। मनचलों के लगातार उत्पीड़न और धमकियों से परेशान होकर 12वीं की एक छात्रा ने स्कूल जाना तक छोड़ दिया है, जबकि उसका पूरा परिवार दहशत के साए में जीने को मजबूर है।

रास्ते में रोककर छेड़छाड़ और धमकियों का आरोप

गाजियाबाद में थाना टीलामोड़ क्षेत्र के गरिमा गार्डन की रहने वाली छात्रा ने 26 अप्रैल को आरिफ, साकिब, इमरान, नफीस, आसिफ और जावेद के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। छात्रा का आरोप है कि जब वह रोजाना स्कूल जाती

(एआई फोटो)

और लौटती है, तो आरोपी उसे रास्ते में रोककर छेड़छाड़ करते हैं, अश्लील फब्तियां कसते हैं और अभद्र टिप्पणियां करते हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि अब उसका घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है।

छात्रा ने अपनी शिकायत में यह भी बताया कि 'आरोपियों ने उसे धमकी दी है कि वे उसे रास्ते से उठाकर ले जाएंगे और उसका ऐसा हाल करेंगे कि वह किसी को मुंह दिखाने लायक नहीं रहेगी।' इतना ही नहीं, आरोपियों ने पूरे परिवार को घर छोड़ने तक की धमकी दी है, जिससे परिवार में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है।

पुरानी रंजिश ने बढ़ाया विवाद

पुलिस के मुताबिक करीब एक महीने पहले छात्रा और आरोपियों के परिवार के बीच विवाद हुआ था। उस मामले में आरोपी पक्ष के दो लोगों को जेल भी भेजा गया था। माना जा रहा है कि इसी पुरानी रंजिश के चलते छात्रा को निशाना बनाया जा रहा है और उसे लगातार परेशान किया जा रहा है।

पुलिस का दावा और कार्रवाई

एसीपी शालीमार अतुल कुमार सिंह के अनुसार, छात्रा की शिकायत पर 26 अप्रैल को तत्काल केस दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का यह भी कहना है कि पहले हुए विवाद में एनसीआर दर्ज कर कार्रवाई की गई थी और अब नई शिकायत के आधार पर मामला आगे बढ़ाया जा रहा है।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठते सवाल

जिले में महिला सुरक्षा के लिए एंटी रोमियो टीम, मिशन शक्ति केंद्र, महिला हेल्प डेस्क, परिवार परामर्श केंद्र जैसी कई टीमें तैनात होने के दावे किए जाते हैं। अधिकारियों के अनुसार ये टीमें 24 घंटे सक्रिय रहती हैं और महिला संबंधित शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करती हैं। हालांकि, लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाएं इन व्यवस्थाओं की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करती हैं, खासकर तब जब छेड़छाड़ जैसी घटनाएं खुलेआम सड़कों पर हो रही हों।

उपसभापति का पति ही निकला कार्यपालक का हत्यारा

पुलिस एनकाउंटर में हुआ ढेर

भागलपुर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। भागलपुर जिले के सुल्तानगंज में जो हुआ, वह सिर्फ एक हत्या नहीं थी यह सिस्टम के भीतर पल रहे सड़े हुए गठजोड़ का खौफनाक चेहरा था। दिनदहाड़े नगर परिषद कार्यालय में घुसकर कार्यपालक पदाधिकारी कृष्ण भूषण कुमार की हत्या और सभापति पर जानलेवा हमला, यह साबित करता है कि अपराधियों के हौसले किस कदर बुलंद हो चुके थे। लेकिन इस कहानी का सबसे चौंकाने वाला मोड़ तब आया, जब जांच की परतें खुलीं और आरोपी कोई बाहरी नहीं, बल्कि सत्ता के बेहद करीब का आदमी निकला।

सीसीटीवी फुटेज ने सच्चाई को बेनकाब कर दिया। मुख्य आरोपी रामधनी यादव, जो उपसभापति का पति था, वही इस खूनी खेल का मास्टरमाइंड निकला। यह सिर्फ एक व्यक्ति का अपराध नहीं, बल्कि उस सोच का अपराध है जो कुर्सी के पीछे छुपकर कानून को चुनौती देती है। पत्नी नीलम देवी लोकपास से विधानसभा चुनाव भी लड़ चुकी हैं।

जब पुलिस उसे हथियार बरामदगी के लिए ले जा रही थी, तब उसने अपनी असली औकात दिखा दी। अज्ञात अपराधियों के साथ मिलकर पुलिस टीम पर ही गोलियां बरसा दीं। लेकिन इस बार जवाब भी उतना ही सख्त था, बिहार पुलिस ने आत्मरक्षा में कार्रवाई करते हुए उसे ढेर कर दिया। यह एनकाउंटर सिर्फ एक अपराधी का अंत नहीं, बल्कि कानून की ताकत का सीधा संदेश है।

शादी के 3 दिन बाद मिंशु ने जहर खाकर दे दी जान

दूल्हन की हाथ की मेहंदी छूटी नहीं और उजड़ गई मांग

गोरखपुर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में एक युवक ने शादी के तीसरे दिन की जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पल भर में खुशियों का माहौल मातम में बदल गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद से नवविवाहित पत्नी और परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

शाहपुर थाना क्षेत्र के पादरी बाजार निवासी और होटल व्यवसाई प्रेम जयसवाल के छोटे पुत्र रुद्रनाथ जायसवाल का विवाह महराजगंज की रहने वाली एक युवती से 25 अप्रैल को हुई। धूमधाम से विवाह संपन्न हुआ , 26 तारीख को दुल्हन अपने ससुराल आ गई। उसे क्या पता था कि ससुराल आने के तीसरे दिन ही उसका सुहाग उजड़ जाएगा।

मिली जानकारी के मुताबिक, 28 अप्रैल की रात उसके पति रुद्रनाथ उर्फ मिंशु ने जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर भागे, लेकिन डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। इलाज के दौरान 28 अप्रैल की रात ही रुद्रनाथ की मौत हो गई। यह मामला आत्महत्या का ही प्रतीत हो रहा है। हालांकि कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद, जांच पड़ताल जारी है। जल्द ही आत्महत्या के पीछे की गुत्थी को सुलझा लिया जाएगा।

अभी बाकी थीं विवाह के बाद की रस्में

घटना के बाद परिजनों के होश उड़ गए। खुशियों का माहौल एक पल में मातम में बदल गया क्योंकि अभी घर में विवाह की और रस्में बाकी थी। रिश्तेदार भी रुके हुए थे। अचानक से हुई घटना ने सभी को झकझोर का रख दिया है। पिता प्रेमनाथ का कहना है कि आखिर बेटे ने ऐसा क्यों किया ?सब कुछ तो ठीक-ठाक चल रहा था, किसी प्रकार की कोई समस्या भी नहीं थी। वहीं, मां और विवाहित पत्नी का रो-रो कर बुरा हाल है। इस घटना के बाद से मोहल्ले के लोग भी सदमे में हैं। तरह-तरह के चर्चाओं का बाजार गर्म है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हैऔर आत्महत्या के पीछे की गुत्थी सुलझाने में जुट गई है।

दो बाइकों की टक्कर में तीन युवकों की मौत

श्रीदत्तगंज, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। श्रीदत्तगंज क्षेत्र के गालिबपुर चौराहा के पास मंगलवार की रात उतरौला–बलरामपुर मुख्य मार्ग पर दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई। युवकों ने हेलमेट नहीं लगाया था। इमिलिया रज्जाक गांव निवासी वंशराज ने बताया कि मेरा पोता आकाश वर्मा (17) अपनी मौसी के घर धौरहरी गांव सामान देने जा रहा था। इसी दौरान गालिबपुर चौराहा के पास बलरामपुर की तरफ से आ रहे बाइक सवार आशीष सोनी (22) निवासी मोहल्ला बलुहा थाना कोतवाली नगर तथा सूरज कश्यप (20) निवासी मोहल्ला बड़ा पुल चौराहा खलवा नगर कोतवाली की टक्कर हो गई।

फर्जी आईएएस विप्रा ने खुद ही कर लिया अपना प्रमोशन

बरेली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। बरेली में फर्जी आईएएस विप्रा शर्मा खुद को अफसरों जैसा ढालने के साथ ही लोगों से ठगी करती रही। रुतबा बढ़ाने के चक्कर में प्रमोशन का ढिंढोरा पीटकर खुद ही एसडीएम से एडीएम बन बैठी। एएसपी पंकज श्रीवास्तव व बारादरी थाना प्रभारी विजेंद्र सिंह ने पूछताछ की तो विप्रा ने बताया कि उसके पिता कई साल पहले बरेली में सिंचाई विभाग के प्रशासनिक अधिकारी बनकर आए थे। गोल्डन ग्रीन पार्क में उन्होंने मकान बनाया। उसका बचपन यहीं बीता। विप्रा ने रुहेलखंड विश्वविद्यालय से इतिहास और अंग्रेजी में एमए किया। आगरा विश्वविद्यालय से इतिहास में पीएचडी करने का दावा भी किया, पर प्रमाण नहीं दे सकी।

विप्रा ने बताया कि पिता चाहते थे कि बेटी प्रशासनिक अफसर बने, इसलिए उसने भी मन से पढ़ाई की। वर्ष 2012 से 2020 तक चार बार परीक्षा दी। कामयाबी नहीं हुई तो उसने खुद को अधिकारी मान लिया। बड़ी बहन शिखा ने विप्रा को एसडीएम बताना शुरू कर दिया। विप्रा ने उन दिनों पुरानी काले रंग की कार खरीदी, जिस पर आगे एसडीएम लिखा था। उन दिनों उसने खुद को एसडीएम बताकर बेरोजगारों से ठगी की। विप्रा की ठगी की रकम तीनों बहनों के अलग-अलग खातों में जमा होती थी। विप्रा ने ठगी के रुपये से पहले पवन विहार में अपनी ममेरी बहन दीक्षा का आलीशान मकान तैयार कराया। इस मकान में ही तीनों बहनें फर्जी नियुक्ति पत्र छापती थीं। बहनों ने बेहद शातिराना तरीके से ठगी की। इनमें से ही कोई लखनऊ जाकर डाक के जरिये पत्र भेजती थी ताकि किसी को शक न हो। तीनों बहनों ने स्वीकार किया कि कुछ लोगों के खातों में उन्होंने कुछ महीने ऑनलाइन वेतन भी भेजा ताकि उनको सरकारी नौकरी का भरोसा हो जाए।

विप्रा ने बताया कि दोनों बहनों ने काफी धन जमा कर लिया। फिर ठगी के धंधे में अपनी ममेरी बहन दीक्षा पाठक को भी शामिल कर लिया। दीक्षा कुंवारी है और उसके माता-पिता नहीं हैं। दीक्षा और शिखा ने लोगों को बताना शुरू किया कि विप्रा का प्रमोशन अब एसडीएम से एडीएम वित्त राजस्व पद पर हो गया है। तैनाती स्थल वह कभी गजरौला तो कभी अमरोहा बता देती थीं। ठगी के रुपये से इन्होंने करीब 27 लाख की एसयूवी खरीदी।

मुंबई में धर्म पूछकर चाकू मारने का मामला

अयोध्या के साधु-संत आक्रोशित, जुबेर का एनकाउंटर करने की मांग

अयोध्या, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। अयोध्या के साधु-संतों ने मुंबई के मीरा रोड इलाके में कथित तौर पर धर्म पूछकर दो सुरक्षा गार्डों को चाकू मारे जाने की घटना पर आक्रोश जताया है। अयोध्या स्थित हनुमानगढ़ी मंदिर के महंत राजू दास ने मुंबई की घटना को 'पहलगाम-2' बताया है।

महंत राजू दास ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, मुंबई की घटना पहलगाम-2 है। जिस प्रकार पहलगाम में धर्म पूछकर गोली मारी गई, इसी प्रकार से जुबेर अंसारी की ओर से धर्म पूछकर सुरक्षा गार्डों पर हमला किया गया। यह सोच और मानसिकता दर्शाती है कि आतंकवाद का धर्म इस्लाम ही है। अगर आतंकवाद का धर्म इस्लाम नहीं होता है तो इस्लामी कट्टरपंथी नहीं होते और जिहाद नहीं होता। उन्होंने कहा, वह व्यक्ति धर्म पूछकर हमला करता है और धर्म पूछकर गोली मारता। एक बार धर्म के आधार पर देश का बंटवारा हो चुका है। दोबारा लगातार देश में ऐसी ही घटनाएं घट रही हैं, उसके बाद देश के तमाम मुसलमान बोलते हैं कि मेरे बाप का देश है।

होटल मालिक को नवादा में रंगदारी के लिए कर लिया किडनैप

> 12 घंटे में पीछे-पीछे पहुंच गई पुलिस

नवादा, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। भागलपुर में कार्यपालक पदाधिकारी की हत्या के बाद नवादा में भी अपराधियों ने बड़े कांड को अंजाम दिया। यहां मंगलवार को अपराधियों ने एक होटल कारोबारी को किडनैप कर लिया। इस वारदात को अपराधियों ने रंगदारी के लिए अंजाम दिया।

नवाद में होटल कारोबारी की किडनैपिंग

नवादा शहर में रंगदारी वसूली के लिए एक होटल संचालक का अपहरण की वारदात को अंजाम देकर अपराधियों ने सनसनी फैला दी। 63 साल के अखिलेश कुमार, जो कोर्ट के समीप स्थित टाउन ढाबा रेस्टोरेंट के संचालक हैं और राजेंद्र नगर के निवासी हैं, रात करीब 10:40 बजे अपने रेस्टोरेंट में बैठे थे। इसी दौरान स्कॉर्पियो पर सवार कुछ युवकों ने उनके होटल पर धावा बोल दिया। अपराधियों ने गाली-गलौच और मारपीट कर उनसे 80 हजार रुपये रंगदारी या उनकी गाड़ी देने की मांग की। मना करने पर उन्हें जबरन स्कॉर्पियो में अगवा कर गोनावां की ओर ले गए। अपराधियों ने पीड़ित को बाद में तीन नंबर बस स्टैंड क्षेत्र में ले जाकर बुरी तरह प्रताड़ित किया। आरोप है कि उन्होंने अखिलेश कुमार के नाखून तक निकाल दिए। रंगदारी और किडनैपिंग की इस वारदात के बाद इलाके में खौफ पसर गया। इसी बीच पीड़ित होटल मालिक अखिलेश कुमार के बेटे अमित कुमार ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद नगर थाने की टीम सक्रिय हुई। अपराधी होटल में घुसे और अखिलेश कुमार पर आरोप लगाया कि उनके किसी व्यक्ति ने स्कॉर्पियो को नुकसान पहुंचाया है। इसके बाद उन्हें अगवा कर लिया गया।

12 घंटे में पुलिस पहुंच गई किडनैपरों तक

वारदात को देखते हुए नगर थानाध्यक्ष उमाशंकर सिंह के नेतृत्व में एसआई राम इकबाल समेत नवादा पुलिस की टीम ने मात्र 12 घंटे के अंदर पीड़ित को राजेंद्र नगर इलाके से घायल हालत में बरामद कर लिया। पुलिस ने इस मामले में एक अपहर्ता कमलेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया और उसकी स्कॉर्पियो भी जब्त कर ली, जिसमें अपहरण किया गया था। पीड़ित को गंभीर घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पंचायत चुनाव टले तो बढ़ेगा प्रधानों का कार्यकाल

सीएम योगी के सामने रखेंगे बात : ओम प्रकाश राजभर

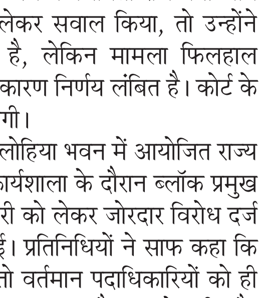

लखनऊ/मऊ, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर उत्तर प्रदेश में सियासी और प्रशासनिक सरगर्मी तेज हो गई है। चुनाव में हो रही देरी, पंचायत प्रतिनिधियों का खत्म होता कार्यकाल और जमीनी स्तर पर बढ़ती बेचैनी ने इस मुद्दे को और गंभीर बना दिया है। इसी बीच जब नवभारत टाइम्स की टीम ने पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर से चुनाव की तारीखों को लेकर सवाल किया, तो उन्होंने साफ कहा कि सरकार पूरी तरह तैयार है, लेकिन मामला फिलहाल इलाहाबाद हाई कोर्ट में विचाराधीन होने के कारण निर्णय लंबित है। कोर्ट के आदेश के बाद ही आगे की प्रक्रिया शुरू होगी।

लखनऊ स्थित पंचायती राज निदेशालय, लोहिया भवन में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला चर्चा का केंद्र बन गई। कार्यशाला के दौरान ब्लॉक प्रमुख संघ के पदाधिकारियों ने चुनाव में हो रही देरी को लेकर जोरदार विरोध दर्ज कराया और कार्यकाल बढ़ाने की मांग उठाई। प्रतिनिधियों ने साफ कहा कि यदि समय पर चुनाव नहीं कराए जाते हैं, तो वर्तमान पदाधिकारियों को ही प्रशासक बनाकर उनका कार्यकाल बढ़ाया जाए। इस दौरान नारेबाजी और हंगामे से माहौल कुछ देर के लिए तनावपूर्ण हो गया।

गोद ली हुई बेटी ने प्रेमी संग मिल करा दी मां की हत्या

बॉडी डीज फ्रीजर में रखी

रांची, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड की राजधानी रांची में हत्या का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने मां-बेटी के रिश्ते को कलंकित कर दिया है। बेटी को ब्वॉयफ्रेंड से मिलने और उसे पैसे देने से रोका, तो उसने मां की ही सुपारी दे डाली। रांची के डोरंडा थाना क्षेत्र स्थित मनीटोला में ये दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक गोद ली हुई बेटी ने अपने प्रेमी और उसके साथी के साथ मिलकर अपनी मां की हत्या कर दी।

इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है और लोगों के बीच गहरा आक्रोश देखा जा रहा है। पुलिस ने इस मामले में युवती समेत तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर रही है, जबकि अन्य आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस ने कब्रिस्तान पहुंचकर मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शव को बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया।

'पीढ़ियों बाद आने वाला अवसर'

भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बोले न्यूजीलैंड के पीएम लक्सन

वेलिंगटन, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) अंतिम रूप ले चुका है। दोनों देशों की सरकारों ने इसे द्विपक्षीय संबंधों में ऐतिहासिक और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में आर्थिक सहयोग के लिए गेम-चेंजर करार दिया है। यह समझौता ऐसे समय पर हुआ है जब भारत वैश्विक व्यापार नेटवर्क में अपनी पकड़ तेजी से मजबूत कर रहा है और न्यूजीलैंड नए बड़े बाजारों तक पहुंच बनाने की रणनीति पर काम कर रहा है।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि यह समझौता उनके देश के लिए पीढ़ी बाद मिलने वाला अवसर है। उन्होंने भारत को दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बताते हुए कहा कि करीब 1.5 अरब की आबादी तेजी से मध्यम वर्ग में बदल रही है और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों व सेवाओं की मांग बढ़ रही है। उनके मुताबिक, यह रुझान न्यूजीलैंड के कृषि, डेयरी, शिक्षा और सेवा क्षेत्रों के लिए बड़े अवसर पैदा करेगा। लक्सन ने यह भी रेखांकित किया कि भारत आने वाले वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। ऐसे में यह समझौता न्यूजीलैंड को भारत की आर्थिक वृद्धि के साथ जुड़ने और लंबे समय तक लाभ उठाने का मौका देगा। लक्सन ने यह भी

रेखांकित किया कि भारत आने वाले वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। ऐसे में यह समझौता न्यूजीलैंड को भारत की आर्थिक वृद्धि के साथ जुड़ने और लंबे समय तक लाभ उठाने का मौका देगा।

एफटीए के तहत न्यूजीलैंड के लगभग 95 प्रतिशत निर्यात में से 57 प्रतिशत उत्पादों को पहले ही दिन से टैरिफ से छूट मिल जाएगी। समझौते की अवधि के दौरान यह दायरा और बढ़ेगा, जिससे निर्यात लागत घटेगी और न्यूजीलैंड के उत्पाद भारतीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार संतुलन और निवेश प्रवाह में भी सुधार की उम्मीद है। भारत की ओर से वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि यह उनके कार्यकाल के पिछले साढ़े तीन वर्षों में सातवां मुक्त व्यापार समझौता है। उन्होंने न्यूजीलैंड के व्यापार एवं निवेश मंत्री टोड मैक्ले के साथ इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। सरकार का लक्ष्य है कि इसे इस साल के अंत तक लागू कर दिया जाए।

गोयल ने यह भी संकेत दिया कि भारत जल्द ही यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ भी बड़े व्यापार समझौते करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि भारत पहले ही संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम और ईएफटीए जैसे प्रमुख साझेदारों के साथ समझौते कर चुका है।

भगोड़े अपराधी प्रिंस खान का गुर्गा शैफी उर्फ मेजर तीन दिन की पुलिस रिमांड पर

धनबाद, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। भगोड़े अपराधी प्रिंस खान का करीबी गुर्गा शैफी उर्फ मेजर को दुबई के अजमान से पकड़े जाने के बाद उसे 19 अप्रैल को भारत लाया गया। ये धनबाद की इतिहास में पहली बार है जब किसी अपराधी को विदेश से गिरफ्तार कर यहां लाया गया है। शैफी उर्फ मेजर को धनबाद कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी मेजर उर्फ शैफी को 3 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। धनबाद पुलिस ने शैफी उर्फ उर्फ मेजर को पकड़ा था। दुबई के अजमान से पकड़े जाने के बाद उसे भारत लाया गया, जहां कोलकाता एयरपोर्ट पर उससे पूछताछ की गई।

शैफी प्रिंस खान के कहने पर लोगों को धमकी भरा आडियो और वीडियो भेजता था। ये धनबाद पुलिस की बहुत बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। लगातार पुलिस कार्रवाई से पहले ही कमजोर पड़ चुके प्रिंस खान गिरोह के लिए यह बड़ा झटका माना जा रहा है। माना जा रहा है कि जल्द ही प्रिंस खान भी पुलिस की गिरफ्त में होगा।

घर से बुलाकर व्यक्ति की गोली मारकर हत्या, गांव में फैली सनसनी

पलामू, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के पिपराटाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत अंबाबार पंचायत के कर्मा गांव में मंगलवार रात एक सनसनीखेज हत्या की वारदात सामने आई है। अपराधियों ने गांव के निवासी राजमुनि पाठक को सिर में गोली मारकर हत्या कर दी। घटना मंगलवार रात करीब नौ बजे की बताई जाती है। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मिली जानकारी के अनुसार, राजमुनि पाठक परिवार के साथ घर में थे। इसी दौरान अपराधी उनके घर में आकर दरवाजा खुलवाया। पत्नी से बोले कि कुछ लोग बाहर बुला रहे हैं। 10 मिनट के बाद लौट आएंगे। लेकिन करीब एक घंटा बीत जाने के बाद भी वापस नहीं लौटे। काफी खोजबीन करने के बाद भी पता नहीं चला।

पत्नी को लगा कि गांव में बारात आई है। वहां चले गए। सुबह करीब छह बजे घर से 100 मीटर की दूरी पर देखा कि महुआ के पेड़ के पास शव पड़ा हुआ है। इसके बाद आसपास के लोगों को जानकारी दी। घर में सिर्फ पति-पत्नी थे। एक लड़का इंजीनियर है जो बाहर में रहते हैं, जबकि दूसरा लड़का रांची में रहकर प्राइवेट में जॉब करता है। दो लड़की की शादी हो चुकी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कल रांची से लौटे थे।

'तीसरी गर्भावस्था पर भी पूरा मातृत्व अवकाश दें'

हाईकोर्ट का तमिलनाडु सरकार को सख्त निर्देश

चेन्नई, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। महिलाओं के अधिकारों को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसले में मद्रास हाईकोर्ट ने साफ कहा है कि तीसरी गर्भावस्था के मामले में भी मातृत्व अवकाश देने में किसी तरह का भेदभाव नहीं किया जा सकता। अदालत ने तमिलनाडु सरकार को निर्देश दिया कि महिला कर्मचारियों को पहली और दूसरी गर्भावस्था की तरह ही तीसरी बार भी पूरा मातृत्व लाभ दिया जाए।

न्यायमूर्ति आर। सुरेश कुमार और न्यायमूर्ति एन। सेंथिल कुमार की खंडपीठ ने 13 मार्च 2026 के उस सरकारी आदेश पर सवाल उठाया, जिसमें तीसरी गर्भावस्था के लिए मातृत्व अवकाश को केवल 12 सप्ताह तक सीमित कर दिया गया था। अदालत ने इसे न केवल अनुचित बल्कि महिलाओं के साथ भेदभावपूर्ण भी माना। यह फैसला शाइयी निशा की याचिका पर सुनाया गया, जिन्होंने 2 फरवरी 2026 से 1 फरवरी 2027 तक मातृत्व अवकाश की मांग की थी। पहले जिला न्यायाधीश और मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने उनकी मांग को खारिज कर दिया था, लेकिन हाईकोर्ट ने इन आदेशों को रद्द करते हुए एक सप्ताह के भीतर उनका आवेदन मंजूर करने का निर्देश दिया। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि चाहे पहली, दूसरी या तीसरी गर्भावस्था हो, हर स्थिति में महिला को समान शारीरिक और मानसिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

इसलिए प्रसव पूर्व और प्रसव के बाद देखभाल की जरूरत हर बार समान होती है। खंडपीठ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के पूर्व फैसलों और अपने ही न्यायालय के निर्णयों के अनुसार मातृत्व लाभ में इस तरह की पाबंदी सही नहीं ठहराई जा सकती। अदालत ने स्पष्ट किया कि कार्यपालिका अपने अधिकारों का उपयोग करते हुए ऐसा आदेश जारी नहीं कर सकती, जो स्थापित कानूनी सिद्धांतों के खिलाफ हो। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि तमिलनाडु सरकार खुद को एक कल्याणकारी राज्य के रूप में प्रस्तुत करती है और महिलाओं के उत्थान के लिए कई योजनाएं चला रही है।

मामन खान मामले में भूपेंद्र हुड्डा ने की निष्पक्ष जांच की मांग, जेजेपी को बताया बीजेपी की 'बी टीम'

करनाल, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। करनाल के इंद्री में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने राज्यपाल से मुलाकात के बाद कांग्रेस विधायक मामन खान के मामले पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि एफआईआर में शुरू में मामन खान का नाम नहीं था, बाद में जोड़ा गया और यूएपीए जैसी धाराएं लगाई गईं, जिसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है। हुड्डा ने जोर देकर कहा कि किसी भी बेगुनाह के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए और आरोपों की सही तरीके से जांच होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जिस समय घटना हुई, उस दौरान मामन खान मौके पर मौजूद नहीं थे। नूंह मामले को लेकर उन्होंने कहा कि उनका इससे कोई संबंध नहीं है।

जानकारी के अनुसार, हिसार में जेजेपी की और से छात्र महापंचायत की गई। जिस पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने तंज करते हुए कहा कि बीजेपी की बी टीम है। भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि बीजेपी की हरियाणा में सरकार बनाने वाले तो वही थे, जब भूपेंद्र सिंह हुड्डा से पूछा गया छात्र पंचायत में बिहार से सांसद पप्पू यादव भी शामिल हुए थे। जिस पर उन्होंने कहा मैंने बता दिया जेजेपी बी टीम है बीजेपी की।

संतोषी माता महोत्सव में पहुंचीं विधायक कल्पना सोरेन

पूजा-अर्चना कर लिया आशीर्वाद

गिरिडीह, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के गिरिडीह शहर के मकतपुर स्थित प्राचीन संतोषी माता मंदिर के जीर्णोद्धार और मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के दूसरे तीसरे दिन बुधवार को गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन मंदिर पहुंचीं। उन्होंने माता संतोषी के दरबार में माथा टेका और पूरे श्रद्धा भाव के साथ पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

मंदिर परिसर पहुंचने पर आयोजक समिति के अध्यक्ष टुनटुन केशरी, सचिव डिम्पल साव, उपमेयर सुमित कुमार, सतीश साह, प्रदीप कुमार, प्रदीप चौरसिया, हब्लू गुप्ता, दीपक शर्मा, प्रदीप अग्रवाला, वीरेंद्र, सिंकल, विक्रम, रिशु, राकेश बरनवाल, संदीप डेंगेज, लखन बरनवाल, झुन्नू, कुशल सलूजा, बंटी, दिलीप केशरी समेत सदस्यों ने बुके देकर विधायक कल्पना सोरेन का स्वागत किया। पूजा के बाद उन्होंने आयोजन समिति को इस भव्य धार्मिक आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। कल्पना सोरेन ने कहा कि संतोषी माता महोत्सव जैसे आयोजन समाज में आस्था के साथ-साथ सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार करते हैं। इस मौके पर एसपी डॉ बिमल कुमार, डीडीसी स्मृता कुमारी, मेयर प्रमिला मेहरा, डिप्टी मेयर सुमित कुमार, अपर समाहर्ता विजय सिंह बिरुआ, एसडीएम श्रीकांत यशवंत विस्पुते, एसडीपीओ जीतवाहन उरांव समेत जिले के कई वरीय अधिकारी मौजूद रहे।

सभी ने माता के दरबार में शीश नवाया। गौरतलब है कि 27 अप्रैल से शुरू हुए पांच दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ 501 महिलाओं की भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ था। 1 मई को विधि-विधान से मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा, हवन, पूर्णाहुति और विशाल भंडारे के साथ महोत्सव का समापन होगा।

90 साल की महिला का मानहानि केस

बॉम्बे एचसी ने 20 साल के लिए टाला, अब 2046 में होगी सुनवाई

मुंबई, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक मानहानि के मुकदमे पर सुनवाई करते हुए कड़ी टिप्पणी करते हुए इसे अहंकार की लड़ाई बताया। कोर्ट ने कहा कि पक्षकारों के बीच अहंकार की लड़ाई न्यायिक व्यवस्था को बाधित कर रही है। जस्टिस जितेंद्र एस जैन की एकल पीठ ने आदेश दिया कि इस मामले को अगले 20 सालों तक सुनवाई के लिए न लिया जाए और इसे साल 2046 के बाद के लिए सूचीबद्ध कर दिया।

यह मुकदमा 90 साल की तारिणीबेन 57 साल के ध्वनि देसाई ने साल 2017 में किल्किलराज भंसाली और अन्य के खिलाफ दायर किया था। मामला 2015 में 'श्याम को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी' की वार्षिक आम बैठक एजीएम के दौरान हुई कथित घटनाओं से जुड़ा है। पिटीशनर्स का दावा है कि उन घटनाओं से उन्हें मानसिक उत्पीड़न और कष्ट हुआ, जिसके बदले उन्होंने ब्याज सहित 20 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की है। जस्टिस जैन ने कहा, यह उन मामलों में से एक है जहां जीवन के अंतिम पड़ाव पर पक्षकारों के बीच अहंकार की लड़ाई सिस्टम को जाम कर देती है।

इससे अदालत उन मामलों को नहीं ले पाती जिन्हें वास्तव में प्राथमिकता की आवश्यकता है।" अदालत ने पहले सुझाव दिया था कि बिना शर्त माफी मांगकर इस विवाद को सुलझाया जा सकता है। लेकिन कोर्ट ने नोट किया कि 90 वर्षीय वादी अभी भी मानहानि के मुकदमे को आगे बढ़ाने पर अड़ी हुई हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि केवल 'सुपर सीनियर सिटीजन' होने के नाते इस मामले को प्राथमिकता नहीं दी जानी चाहिए।

न्यायमूर्ति ने अपने आदेश में कहा, मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता, सिवाय इसके कि इस मामले को अगले 20 सालों तक हाथ में न लिया जाए, इसे 2046 के बाद के लिए लिस्ट करें।

ईरान ने अमेरिका पर लगाया 'समुद्री डकैती' का आरोप; खाड़ी देश भी नाकाबंदी को लेकर तेहरान से नाराज

संयुक्त राष्ट्र, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में समुद्री रास्तों और सुरक्षा को लेकर तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इसका बड़ा कारण अमेरिका और ईरान के इन मुद्दों पर आमने-सामने आना है, जिसके चलते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हलचल तेज हो गई है। ऐसे में ईरान ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि अमेरिका उसके जहाजों को रोककर समुद्री डकैती जैसा काम कर रहा है। ईरान के यूएन राजदूत अमीर सईद इरावानी ने कहा कि अमेरिका के पास इन कार्रवाइयों का कोई कानूनी आधार नहीं है और यह अंतरराष्ट्रीय नियमों के खिलाफ है।

उनका कहना है कि ऐसे कदम वैश्विक व्यापार और समुद्री सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा हैं और इससे अंतरराष्ट्रीय कानून कमजोर होता है। ईरान का दावा है कि उसकी समुद्री गतिविधियों पर रोक लगाना और जहाजों को जब्त करना गलत और दबाव बनाने की रणनीति है। इसी के साथ ईरान ने यह भी संकेत दिया है कि वह तनाव कम करने के लिए बातचीत को तैयार है।

सीआईए विवादः मेक्सिको का बड़ा दावा

राष्ट्रपति बोलीं- अमेरिका ने हमारे कानून का सम्मान करने का दिया आश्वासन

मेक्सिको सिटी, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने कहा है कि अमेरिका ने मेक्सिको के कानून और संविधान का सम्मान करने का आश्वासन दिया है। यह बयान उस विवाद के सामने आने के बाद दिया गया है, जिसमें खुलासा हुआ कि केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) के एजेंट देश में बिना संघीय अनुमति के सक्रिय थे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में शीनबाम ने बताया कि अमेरिका मेक्सिको द्वारा भेजे गए कूटनीतिक नोट का जवाब दे रहा है। यह नोट 19 अप्रैल की उस घटना के बाद भेजा गया था, जिसमें ड्रग विरोधी अभियान के दौरान एक हादसे में दो सीआईए एजेंटों की मौत हो गई थी। इस अभियान के दौरान उनकी गतिविधियां उजागर हो गई थीं। शीनबाम ने कहा कि वे हमें जानकारी दे रहे हैं और उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि वे मेक्सिको के कानून और संविधान का पालन करेंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, उत्तरी राज्य चिहुआहुआ में एक गुप्त ड्रग लैब को ध्वस्त करने के लिए चलाए गए इस ऑपरेशन में अमेरिकी खुफिया एजेंट शामिल थे। यह कार्रवाई बिना मेक्सिको की संघीय सरकार की अनुमति के की गई थी, जिससे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव पैदा हो गया। राष्ट्रपति ने बताया कि इस मामले की जांच मेक्सिको के अटॉर्नी जनरल कार्यालय द्वारा की जा रही है। उन्होंने कहा कि जहां कहीं भी अपराध की आशंका होगी, वहां यह एजेंसी जांच को अपने हाथ में लेगी। शीनबाम ने उम्मीद जताई कि सीआईए की यह संलिप्तता एक अलग-थलग घटना होगी और इसे भविष्य में द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग का हिस्सा नहीं बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मेक्सिको का सम्मान किया जाना चाहिए।

महुआ की लालच में जंगल में आग लगा रहे लोग

कोडरमा, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। वन प्रमंडल कोडरमा इन दिनों जंगली हाथियों के आबादी वाले क्षेत्र में आने से इन्हें जंगल की ओर भगाने में जुटा है तो वहीं दूसरी ओर एक अलग चुनौती विभाग के सामने आ रही है। ग्रामीण इलाकों में इन दिनों महुआ चुनने और इसे जमा करने पर लोगों का जोर है तो कुछ लोग जंगल क्षेत्र में स्थित पेड़ से गिरने वाले महुआ को चुनने के लिए जंगल में आग लगा दे रहे हैं। जंगल में आग लगाने के बाद इसे तुरंत बुझाना वन विभाग के लिए बड़ी चुनौती साबित हो रहा है। ऐसे समय में जब अधिकतर कर्मी हाथियों को आबादी वाले क्षेत्र से दूर जंगल में रखने और कंट्रोल रूम को सक्रिय रखने में जुटे हैं तो आग की घटनाएं काम को और बढ़ा रही है।

हालांकि, इस दबाव के बावजूद विभाग आग की इन घटनाओं पर तुरंत काबू पाने में जुटा है। पिछले करीब ढाई माह में जंगल में महुआ चुनने को लेकर आग लगा देने की 34 घटनाएं सामने आ चुकी हैं। आग लगने की सूचना समय पर मिलने के बाद विभाग ने इन जगहों पर टीम भेजकर आग बुझा भी दी, पर जंगल क्षेत्र का नुकसान जरूर हुआ। इस बीच जंगल क्षेत्र में महुआ चुनने के दौरान आग लगने की घटनाएं कम हो इसको लेकर विभाग कई स्तर से प्रयास कर रहा है।

सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

रांची, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के कोल्हान वन क्षेत्र में बुधवार को सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच रुक-रुक कर फायरिंग जारी है। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पश्चिमी सिंहभूम के एसपी अमित रेणु ने पीटीआई को बताया कि यह मुठभेड़ गोइलकेरा और टोंटो थाना क्षेत्रों की सीमा पर जंगल में चल रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान शुरू हुई। यह अभियान जिला पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम द्वारा नक्सलियों के खिलाफ चलाया जा रहा था। उन्होंने कहा कि गोइलकेरा और टोंटो थाना क्षेत्र की सीमा पर स्थित बोरोई के पास रुक-रुक कर फायरिंग हो रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि मुठभेड़ में नक्सलियों का कौन सा गुट शामिल है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस साल की शुरुआत में कई शीर्ष नक्सली नेताओं के मुठभेड़ों में मारे जाने के बाद अब क्षेत्र में केवल सीपीआई (माओवादी) के पोलित ब्यूरो सदस्य मिसिर बेसरा ही अपने दस्ते के साथ सक्रिय है, जिस पर एक करोड़ रुपये का इनाम घोषित है। एसपी अमित रेणु ने कहा कि क्षेत्र से नक्सलियों का पूरी तरह सफाया होने तक सुरक्षाबलों का अभियान लगातार जारी रहेगा।

दिल्ली से भुवनेश्वर जा रही एआई की फ्लाइट की जयपुर में लैंडिंग

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली से भुवनेश्वर जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिग करानी पड़ी है। उड़ते विमान में फ्यूल की कमी को देखते हुए जयपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग कराई गई। हालांकि कहा जा रहा है कि विमान में तकनीकी खराबी की वजह से यह लैंडिंग करानी पड़ी है। लैंडिंग के बाद यात्रियों को बाहर नहीं निकलने दिया गया। एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट संख्या आईएक्स-1057 ने दिल्ली से भुवनेश्वर के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन अचानक इसमें दिक्कत आने लगी। उड़ते विमान में फ्यूल की कमी को देखते हुए जयपुर में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। एयरलाइन कंपनी की ओर से लैंडिंग के पीछे विमान में फ्यूल की कमी होने का हवाला दिया गया। हालांकि सूत्रों के हवाले से यह जानकारी मिल रही है कि विमान में किसी तकनीकी खराबी के चलते यह लैंडिंग कराई गई है। फिलहाल यात्री विमान के अंदर ही बैठे रहे और उन्हें निकलने नहीं दिया गया। इससे पहले खराब मौसम की वजह से सोमवार रात जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फ़्लाइट ऑपरेशन पर काफी असर पड़ा। तूफान और लो विजिबिलिटी की वजह से कई विमान लैंड नहीं कर पाए।

3 फ़्लाइट्स को डाइवर्ट करना पड़ा, जबकि कई फ़्लाइट्स को काफी देर तक आसमान में ही भटकना पड़ा। अबू धाबी से आ रही एतिहाद एयरवेज की एक फ्लाइट भी समय पर लैंड नहीं कर सकी। यह फ्लाइट शाम 7:35 बजे जयपुर पहुंची, लेकिन तेज हवाओं और लो विजिबिलिटी की वजह से उसे तुरंत लैंडिंग की अनुमति नहीं मिली। करीब 45 मिनट तक विमान आसमान में ही चक्कर लगाता रहा। इस दौरान, उसने करीब 8 बार चक्कर लगाए। फिर मौसम में सुधार होने के बाद विमान की सेफ लैंडिंग कराई गई। इसी तरह मुंबई से जयपुर आ रही एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ़्लाइट आईएक्स-1219 भी जयपुर में लैंड नहीं कर सकी। लंबे समय तक आसमान में ही चक्कर लगाने के बाद इसे दिल्ली डाइवर्ट कर दिया गया।

वाशिम में खाद माफियाओं पर कार्रवाई, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

वाशिम, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के वाशिम में पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का भंडफोड़ किया है, जो नियमों को ताक पर रखते हुए किसानों को खाद बेच रहे थे। पुलिस ने इस गिरोह में संलिप्त चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इनकी पहचान ज्ञानेश्वर देवले (वाशिम),मनोज कोरतकर (बारामती), अमोल राठौड़ (बारामती) और पूजा राठौड़ (बारामती) के रूप में हुई है। पुलिस का स्पष्ट कहना है कि इस तरह की स्थिति को किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा, जो लोग भी इस पूरे तंत्र में शामिल हैं, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने में किसी भी प्रकार की कोताही स्वीकार नहीं की जाएगी।

जिला कृषि विकास अधिकारी अभिजीत देवगिरकर को यह सूचना मिली थी कि जिला स्तर पर किसानों को अवैध तरीकों से खाद की आपूर्ति की जा रही है। किसानों को खाद की आपूर्ति करते समय उचित नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। लिहाजा, इस पूरे मामले को संज्ञान में लेने के बाद उन सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, जो इस तंत्र का हिस्सा हैं।

भीषण गर्मी का कहर! हीटस्ट्रोक के 39 मामले दर्ज, लातूर में 3 लोगों की मौत

मुंबई, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में भीषण गर्मी का असर अब लोगों की सेहत पर साफ दिखने लगा है। 1 मार्च से 20 अप्रैल 2026 के बीच जारी हेल्थ विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र में हीटस्ट्रोक यानी लू के कुल 39 मामले सामने आए हैं, जबकि एक संदिग्ध मौत भी दर्ज की गई है। यहां बढ़ते तापमान और चिलचिलाती धूप की वजह से लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान महाराष्ट्र भर के अस्पतालों में कुल 3 लाख 34 हजार 468 मरीज इलाज के लिए पहुंचे।

हालिया के दिनों में ही हीटस्ट्रोक के 8 नए मामले सामने आए हैं। इसके अलावा, 108 मौतें कार्डियोवैस्कुलर यानी दिल से जुड़ी कारणों से दर्ज की गई हैं, जिससे कुल मौतों का आंकड़ा 109 तक पहुंच गया है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को दोपहर के समय बाहर निकलने से बचने, ज्यादा पानी पीने और सावधानी बरतने की सलाह दी है। आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है, जिससे हीटस्ट्रोक के मामलों में इजाफा हो सकता है। लातूर जिले में तेज गर्मी के कारण खेत से घर लौटने के बाद एक शख्स चक्कर खाकर गिर पड़ा।

एरंडी गांव के 25 साल के युवक की मौत हो गई। चार दिन पहले गोंद्री गांव में 9 महीने के बच्चे की मौत हुई थी। इसी सप्ताह निलंगा तालुका के औराद शहाजी में एक किसान की भी मौत हुई थी। जिले में अब तक हीटस्ट्रोक से 3 लोगों की जान जा चुकी है। औसा तालुका के एरंडी गांव निवासी 25 साल के महेश लिंबाजी इंगोले खेत से तेज धूप में घर लौटे थे। घर के आंगन में टंकी से पानी लेकर हाथ धोते समय उन्हें चक्कर आया और वे जमीन पर गिर पड़े। इलाज के लिए औसा ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार,30 अप्रैल - 2026

गरीब की सबसे बड़ी सजा

ओडिशा के क्योंझर जिले से आई एक दर्दनाक तस्वीर ने पूरे देश को हिलाकर कर दिया है। एक भाई को यह साबित करना था कि उसकी बहन अब इस दुनिया में नहीं रही तो अपनी मृत बहन के कंकाल को बोरे में भरकर वह बैंक पहुंच गया। यह घटना केवल एक व्यक्ति की मजबूरी नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की संवेदनहीनता का आईना है, जो आम आदमी की सुविधा के लिए बनाई गई थी, लेकिन आज प्रक्रियाओं के बोझ तले इंसानियत ही रसातल में जा चुकी है। सबसे दुखद पहलू यह है कि जरूरतमंद व्यक्ति को बैंक से केवल 20 हजार रुपये निकालने के लिए इतना अमानवीय कदम उठाना पड़ा। बैंक कर्मचारियों ने नियमों का हवाला देते हुए खाता धारक की उपस्थिति को अनिवार्य बताया, लेकिन उन्होंने यह समझने की कोशिश नहीं की कि एक अशिक्षित और गरीब व्यक्ति इन जटिल प्रक्रियाओं को कैसे समझ पाएगा। यह स्थिति बताती है कि संस्थानों में संवेदनशीलता में कितनी कमी आ चुकी है। सरकार वर्षों से यह दावा करती रही है कि हर व्यक्ति को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा जा रहा है, ताकि आर्थिक समावेशन सुनिश्चित हो सके। लेकिन यदि बैंकिंग व्यवस्था इतनी जटिल और कठोर होगी कि जरूरतमंद व्यक्ति अपनी ही जमा राशि निकालने के लिए दर-दर भटकता फिरे, तो ऐसे प्रयासों का उद्देश्य अधूरा ही रह जाएगा। इस प्रकार की घटनाएं केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक असमानता को और गहरा करती हैं। देखा जाए तो नियम-कायदे किसी भी व्यवस्था के लिए आवश्यक होते हैं। इनके बिना अराजकता फैल सकती है। लेकिन जब नियम मानवीय संवेदनाओं पर भारी पड़ने लगें, तो उन पर पुनर्विचार की जरूरत होती है। ऐसे में प्रशासनिक प्रक्रियाओं में लचीलापन और संवेदनशीलता अनिवार्य मानी जाती है। ओडिशा जैसे राज्यों में कई जनजातीय क्षेत्रों में आज भी साक्षरता दर बेहद कम है। वहां रहने वाले लोग आधुनिक बैंकिंग प्रक्रियाओं से पूरी तरह परिचित नहीं होते। ऐसे लोगों से शहरी स्तर की औपचारिकताओं की अपेक्षा करना अन्यायपूर्ण है। यदि व्यवस्था सचमुच समावेशी बनानी है, तो उसे स्थानीय परिस्थितियों और लोगों की वास्तविक जरूरतों को समझना होगा। यह घटना हमें 2020-21 के आर्थिक सर्वेक्षण की उस टिप्पणी की भी याद दिलाती है, जिसमें कहा गया था कि सरकारी प्रक्रियाएं आवश्यकता से अधिक जटिल हैं। इससे जहां निर्णय लेने में देरी होती है तो वहीं आम नागरिकों को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस मामले में राज्य सरकार ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है। यह कदम जरूरी जरूर है, लेकिन पर्याप्त नहीं। किसी एक कर्मचारी को दोषी ठहराने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकलेगा। जरूरत इस बात की है कि पूरी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सरल और मानवीय बनाया जाए। वास्तविक सुधार तभी संभव है, जब प्रशासनिक संस्थाएं नियमों के साथ-साथ संवेदनशीलता को भी प्राथमिकता दें। बैंकिंग प्रक्रियाओं को सरल बनाया जाए, स्थानीय स्तर पर जागरूकता बढ़ाई जाए और कर्मचारियों को मानवीय दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रशिक्षित किया जाए। ताकि भविष्य में किसी और व्यक्ति को अपनी पीड़ा इस तरह सार्वजनिक रूप से साबित करने की मजबूरी न झेलनी पड़े।

पार्टनर्स को फ़ायदों पर नया टीडीएस नियम

पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में अहम कदम

मधुसूदन अग्रवाल

केंद्र सरकार ने कर प्रणाली को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से पार्टनरशिप फर्मों और एलएलपी से जुड़े पार्टनर्स के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव किया है। वित्त मंत्री द्वारा पेश किए गए नए प्रावधान के तहत अब सेक्शन 194टी लागू किया गया है, जिसके अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 से पार्टनर्स को मिलने वाले विभिन्न प्रकार के भुगतानों पर स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) अनिवार्य होगी। यह कदम उन मामलों पर रोक लगाने के लिए उठाया गया है, जिनमें कई पार्टनर्स अपनी फर्मों से मिलने वाली आय को व्यक्तिगत आयकर रिटर्न में नहीं दिखा रहे थे या रिटर्न दाखिल ही नहीं कर रहे थे।

नए नियम के तहत अब पार्टनरशिप फर्मों और एलएलपी को अपने पार्टनर्स को किए जाने वाले भुगतान-जैसे मेहनताना, वेतन, बोनस, कमीशन, पूंजी पर ब्याज और लोन पर ब्याज-पर 10 प्रतिशत की दर से टीडीएस काटना होगा। यदि पार्टनर अपना PAN उपलब्ध नहीं कराता है, तो यह दर बढ़कर 20 प्रतिशत हो जाएगी। यह प्रावधान रेजिडेंट पार्टनर्स पर बिना सरचार्ज और सेस के लागू होगा, जबकि नॉन-रेजिडेंट पार्टनर्स के मामले में अतिरिक्त सरचार्ज और सेस लागू हो सकते हैं।

इस नियम की खास बात यह है कि टीडीएस उस समय काटा जाएगा, जब भुगतान पार्टनर के खाते-जिसमें कैपिटल अकाउंट भी शामिल है-में जमा किया जाए या वास्तव में भुगतान किया जाए, जो भी पहले हो। हालांकि यदि किसी वित्तीय वर्ष में किसी पार्टनर को कुल भुगतान 20 हजार रुपये से अधिक नहीं होता है, तो टीडीएस काटने की आवश्यकता नहीं होगी।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि कुछ प्रकार के भुगतानों को इस प्रावधान से बाहर रखा गया है। उदाहरण के लिए, पार्टनर द्वारा किए गए पूंजी योगदान की वापसी, ऋण की वापसी, फर्म के लाभ के हिस्से का वितरण तथा फर्म की ओर से किए गए वास्तविक व्यावसायिक खर्चों की प्रतिपूर्ति पर यह नियम लागू नहीं होगा। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि केवल वास्तविक आय पर ही टीडीएस लागू हो, न कि पूंजी की वापसी जैसे गैर-आय तत्वों पर।

हालांकि नॉन-रेजिडेंट पार्टनर्स के मामलों में सेक्शन 195 की प्राथमिकता बनी रहेगी, जिसके कारण उच्च दरों पर टीडीएस या अलग अनुपालन प्रक्रियाएं लागू हो सकती हैं। इसके अलावा, सेक्शन 194टी के तहत कम या शून्य टीडीएस की सुविधा-जैसे फॉर्म 15जी 15एच या सेक्शन 197 प्रमाणपत्र-उपलब्ध नहीं होगी, जिससे अनुपालन और अधिक अनिवार्य हो जाता है।

इस नए प्रावधान के लागू होने के साथ ही पार्टनरशिप फर्मों के लिए कई नई अनुपालन जिम्मेदारियां भी तय की गई हैं। सबसे पहले, फर्मों को टैक्स डिडक्शन एंड कलेक्शन अकाउंट नंबर (टीएएन) प्राप्त करना होगा। इसके अलावा, काटा गया टीडीएस आमतौर पर अगले महीने की 7 तारीख तक जमा करना होगा और त्रैमासिक टीडीएस रिटर्न-आमतौर पर फॉर्म 26क्यू-दाखिल करना अनिवार्य होगा। साथ ही पार्टनर्स को फॉर्म 16ए के माध्यम से टीडीएस प्रमाणपत्र भी जारी करना होगा। यदि कोई फर्म इन नियमों का पालन नहीं करती है, तो उसे गंभीर वित्तीय दंड का सामना करना पड़ सकता है। कटौती न करने पर धारा 201(1ए) के तहत प्रति माह 1 प्रतिशत ब्याज, जमा न करने पर 1.5 प्रतिशत ब्याज, तथा धारा 40(ए)(iए) के तहत 30 प्रतिशत खर्च की अस्वीकृति जैसे प्रावधान लागू हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त धारा 271सी के तहत टीडीएस राशि के बराबर जुर्माना और धारा 234ई के तहत देरी से रिटर्न दाखिल करने पर प्रतिदिन 200 रुपये का शुल्क भी लगाया जा सकता है। गंभीर मामलों में धारा 276बी के तहत अभियोजन की कार्रवाई भी संभव है।स्पष्ट है कि सेक्शन 194टी केवल एक कर प्रावधान नहीं, बल्कि कर प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह नियम न केवल आय की सही रिपोर्टिंग को बढ़ावा देगा, बल्कि पार्टनरशिप फर्मों को अधिक संगठित और अनुशासित वित्तीय प्रबंधन अपनाने के लिए भी प्रेरित करेगा।

त्रिशूल की हुंकार से नए भारत के संकल्प संग सियासी बिगुल

सुरेश गांधी

भारत की सांस्कृतिक चेतना और समकालीन राजनीति का जब संगम होता है, तो वह केवल एक घटना नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय संदेश बन जाता है। काशी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दो दिवसीय दौरा इसी तरह के बहुस्तरीय संकेतों से भरा रहा, जहां त्रिशूल की हुंकार, विकास की रफ्तार और 'नारी शक्ति' का उदय, तीनों मिलकर एक नए राजनीतिक आख्यान की रचना करते दिखे। यह दौरा सिर्फ परियोजनाओं के लोकार्पण तक सीमित नहीं था, बल्कि यह उस रणनीतिक सोच का हिस्सा प्रतीत हुआ, जिसमें आस्था, विकास और जनसंपर्क तीनों को एक सूत्र में पिरोकर व्यापक जनमत तैयार किया जाता है। मतलब साफ है काशी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा त्रिशूल धारण करना महज एक धार्मिक भाव-प्रदर्शन नहीं, बल्कि गहरे सांस्कृतिक और राजनीतिक संकेतों से जुड़ा कदम है।

त्रिशूल भगवान शिव का प्रतीक है, जो सृजन, संरक्षण और संहार, इन तीनों शक्तियों का संतुलन दर्शाता है। काशी जैसे आध्यात्मिक केंद्र में इसे थामना यह संदेश देता है कि भारतीय नेतृत्व अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ा है और परंपरा को आधुनिक राष्ट्र-निर्माण के साथ जोड़कर देखता है। राजनीतिक दृष्टि से यह प्रतीक बहुसंख्यक समाज की आस्था के साथ सीधा संवाद स्थापित करता है, जिससे भावनात्मक जुड़ाव मजबूत होता है। यह एक तरह से 'सांस्कृतिक आत्मविश्वास' का प्रदर्शन भी है, जहां धर्म और पहचान को छिपाने के बजाय सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया जाता है। साथ ही, त्रिशूल का संकेत यह भी है कि सरकार विकास (सृजन), सुशासन (संरक्षण) और चुनौतियों से निपटने (संहार) तीनों मोर्चों पर संतुलित दृष्टि रखती है।

काशी में यह दृश्य इसलिए और प्रभावी बनता है क्योंकि यहां आस्था, इतिहास और जनभावना एक साथ मिलकर किसी भी प्रतीक को व्यापक राष्ट्रीय संदेश में बदल देते हैं। वैसे भी भारत की आत्मा जब अपने सबसे प्राचीन और जीवंत नगर में स्वयं को अभिव्यक्त करती है, तो वह केवल एक घटना नहीं रहती, वह एक युगबोध बन जाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काशी में दो दिवसीय प्रवास ऐसा ही एक क्षण था, जिसमें विकास, आस्था, जनभावना और सियासत, चारों धाराएं एक साथ प्रवाहित होती दिखीं। यह यात्रा केवल परियोजनाओं के लोकार्पण या रोड शो तक सीमित नहीं रही, बल्कि उसने यह संकेत दिया कि भारत की राजनीति अब केवल नीतियों और घोषणाओं तक सीमित नहीं है, वह सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक भागीदारी और प्रतीकात्मकता के माध्यम से भी अपना संवाद रच रही है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में प्रधानमंत्री का त्रिशूल और डमरू के साथ दर्शन केवल धार्मिक आस्था का प्रदर्शन नहीं था। यह एक ऐसा प्रतीकात्मक क्षण था, जिसने सांस्कृतिक पहचान को सियासी विमर्श के केंद्र में ला खड़ा किया। त्रिशूल, जो शिव का शस्त्र है, सृजन, संरक्षण और संहार का प्रतीक माना जाता है। जब यही प्रतीक राजनीतिक नेतृत्व के हाथ में दिखाई देता है, तो उसका अर्थ व्यापक हो जाता है, सृजन यानी विकास की योजनाएं, संरक्षण यानी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा, और संहार यानी चुनौतियों व विरोधी नैरेटिव का सामना। यही कारण है कि काशी में यह दृश्य केवल धार्मिक नहीं, बल्कि स्पष्ट राजनीतिक संकेत बन गया। काशी की गलियों में "हर-हर महादेव" का गूंजता स्वर, पुष्पवर्षा, शंखनाद और डमरुओं की ध्वनि, यह सब मिलकर एक ऐसा दृश्य रच रहे थे, जिसमें भारत की प्राचीन आत्मा आधुनिक राजनीतिक नेतृत्व के साथ संवाद करती दिखी। मंदिर में षोडशोपचार पूजन, ब्राह्मणों का मंत्रोच्चार और गर्भगृह में प्रधानमंत्री की उपस्थिति, यह सब उस आध्यात्मिक निरंतरता का प्रतीक था, जो काशी को विशिष्ट बनाती है।

दौरे के पहले दिन 6,332 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास यह बताता है कि विकास अब राजनीतिक विमर्श का सबसे मजबूत आधार बना हुआ है। सिग्नेचर ब्रिज, सीवरेज और जलापूर्ति योजनाएं, मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल, घाटों का पुनर्विकास, ये सभी परियोजनाएं काशी को एक आधुनिक, सुव्यवस्थित और वैश्विक शहर बनाने की दिशा में उठाए गए कदम हैं। यहां संदेश साफ है आस्था के साथ-साथ आधारभूत विकास भी उतना ही जरूरी है. बीएलडब्ल्यू में आयोजित महिला सम्मेलन इस दौरे का दूसरा महत्वपूर्ण आयाम रहा। प्रधानमंत्री ने 'नारी शक्ति' को नए भारत की असली ताकत बताते हुए स्पष्ट संकेत दिया कि आने वाले समय में महिलाओं की भागीदारी राजनीति का निर्णायक तत्व बनेगी। महिला आरक्षण, उज्ज्वला, आवास और आर्थिक सशक्तिकरण जैसी योजनाओं का उल्लेख केवल उपलब्धियों का बखान नहीं था, बल्कि यह एक सुसंगठित सामाजिक-राजनीतिक रणनीति का हिस्सा भी नजर आया। खासकर प्रधानमंत्री ने जिस तरह 'नारी शक्ति' को नए भारत की आधारशिला बताया, वह स्पष्ट संकेत देता है कि आने वाले समय में महिलाओं की भागीदारी भारतीय राजनीति का केंद्रीय तत्व बनने जा रही है। उन्होंने महिला आरक्षण को लागू करने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। यह केवल आलोचना नहीं थी, बल्कि एक रणनीतिक संदेश था महिलाओं का सशक्तिकरण अब केवल सामाजिक मुद्दा नहीं, बल्कि निर्णायक चुनावी विमर्श भी है। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि काशी जैसे धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र में 'नारी शक्ति' को केंद्र में रखकर संवाद करना, एक व्यापक सामाजिक संतुलन को दर्शाता है, जहां परंपरा और प्रगतिशीलता साथ-साथ चलती हैं।

बरेका से लेकर मंदिर तक 14 किमी का रोड शो यह साबित करता है कि काशी में राजनीति केवल मंचों तक सीमित नहीं रहती, वह सड़कों पर, गलियों में और जनमानस में जीवित रहती है। हर-हर महादेव के उद्घोष, पुष्पवर्षा, शंखनाद और उमड़ती भीड़, यह सब मिलकर उस भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत करते हैं, जो किसी भी नेता को जननेता बनाता है। बरेका से मंदिर तक का मार्ग इस यात्रा का सबसे जीवंत हिस्सा रहा। यह रोड शो कम और जन-उत्सव अधिक था। मंडुवाडीह, पुलिसलाइन, लहुराबीर, मैदागिन, चौक, हर स्थान पर उमड़ी भीड़ यह बताती है कि काशी में राजनीतिक कार्यक्रम भी सांस्कृतिक उत्सव का रूप ले लेते हैं। बालकनियों से झांकती आंखें, मोबाइल कैमरों में कैद होते दृश्य, बच्चों की उत्सुकता, महिलाओं का उत्साह, यह सब उस जनसंपर्क का हिस्सा है, जिसे आज की राजनीति में सबसे प्रभावी माध्यम माना जाता है। इस पूरे दौरे को तीन स्पष्ट संकेतों में समझा जा सकता है, सांस्कृतिक आत्मविश्वास का प्रदर्शन. आस्था के प्रतीकों के जरिए अपनी जड़ों से जुड़ाव दिखाना। विकास के जरिए विश्वसनीयता. ठोस परियोजनाओं के माध्यम से जनता का भरोसा मजबूत करना।

सरकारी हॉस्पिटल के सामने दवाइयां या सर्जिकल सामान महंगा क्यों?

अशोक भाटिया

मुनाफा सुविधा शुल्क के रूप में इन सभी सरकारी हॉस्पिटल के डॉक्टर कर्मचारी उस एरिया का ड्रग इंस्पेक्टर पुलिस म्युनिसिपेलिटी आदि को हिस्सा देना होता है. इसलिए जो चीज 100 की आती है उसे 400 में देते हैं क्योंकि वो व्यापर करते है इंसानियत नहीं. सरकारी हॉस्पिटल ज़्यादातर गरीब लोग जाते है इसलिए यह ज्यादा तकलीफदेह हो जाता है. प्राइवेट हॉस्पिटल वाले तो लोगो को लूटने के लिए खुद अपना फार्मेसी हॉस्पिटल के अंदर के रखते है जो इंजेक्शन बाहर मार्किट की फार्मेसी से 2750 का मिल सकता है वही प्राइवेट हॉस्पिटल की फार्मेसी आपको 8000 में देते है. दिल्ली एनसीआर में मेदांता हॉस्पिटल है गुरुग्राम में यह मेरा निजी अनुभव है लेकिन डॉक्टर बहुत अच्छे तजुर्बेकार है इलाज अच्छा होता है लेकिन पैसे आप को उनके मनमाने हिसाब से देना होता है जिनका हेल्थ इन्शुरन्स होता है या CGHS वाले सभी को परेशान ही देखा है

इसके अलावा आज कल देश में दवाओं की कीमत सरकार नहीं बल्कि डॉक्टर खुद तय कर रहे हैं। डॉक्टर अपने मुताबिक ब्रांड बनवाते हैं। कीमत फिक्स करते हैं। 38 रुपए की दवा की एमआरपी 1200 रुपए कर दी जा रही है। यह महज एक एग्जाम्पल है, ऐसा तमाम दवाओं में किया जा रहा है। एक्सपर्ट मानते हैं, 20 साल में 40 हजार करोड़ से दवा का कारोबार 2 लाख करोड़ के पास पहुँच गया है। इसका बड़ा कारण वह एमआरपी में बड़े खेल को मानते हैं। 2005 से 2009 तक 50 प्रतिशत एमआरपी पर दवाएँ बिक रही थी। अगर 1200 रुपए की एमआरपी है तो डीलर को 600 रुपए में दी जाती थी। अब डॉक्टर अपने हिसाब से ही एमआरपी तय करवा रहे हैं जबकि नियमों के अनुसार डॉक्टर दवाओं के रेट तय नहीं करते। दवाओं के रेट, दवा बनाने वाली कंपनियाँ तय करती हैं। दवाओं के रेट तय करने में कई कारक शामिल होते हैं। दवाओं पर व्यापारियों को अच्छा मुनाफा होता है।

ब्रांडेड दवाओं पर रिटेलर ज्यादा से ज्यादा 20 25 प्रतिशत तक की छूट देते हैं। जेनेरिक दवाओं पर 50-70 प्रतिशत तक की छूट मिलती है। जेनेरिक दवाएँ सस्ती होती हैं क्योंकि उन्हें महंगी जांचों से नहीं गुजरना पड़ता। दवा खरीदते समय, दवा के रैपर पर क्यूआर कोड होना चाहिए, दवा के रैपर पर क्यूआर कोड से दवा का नाम, बैंड का नाम, मैन्युफैक्करर की जानकारी, मैन्युफैक्करिंग की तारीख और एक्सपायरी की तारीख मिलती है। दवाओं या उनके अवयवों के बारे में जानकारी के लिए, डॉक्टर या फार्मासिस्ट से पूछा जा सकता है मगर जो दवाएँ सरकार के कंट्रोल से बाहर, उनमें मनमानी दवा की क्वालिटी और एमआरपी की निगरानी के लिए भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइस अथॉरिटी काम करती है। सरकार ड्रग्स प्राइस कंट्रोल ऑर्डर के माध्यम से दवा की एमआरपी पर नियंत्रण रखती है। आवश्यक और जीवन रक्षक दवाओं के लिए अधिकतम मूल्य निर्धारित करने के साथ डीपीसीओ की जिम्मेदारी मरीजों के लिए दवाएँ सस्ती और सुलभ कराने की भी है। सरकार जिन दवा को डीपीसीओ के अंडर में लाती है, उनकी एमआरपी तो कंट्रोल में होती है, लेकिन सैकड़ों फॉमूलें की दवाएँ आज भी सरकार के कंट्रोल से बाहर है जिसकी एमआर पी में मनमानी चल रही है। दवाओं की कीमतों में इजाफे को लेकर सरकार की गाइडलाइन है कि एक साल में 10 प्रतिशत ही एमआरपी बढ़ाई जा सकती है लेकिन कंपनियाँ प्रोडक्ट्स का नाम बदलकर हर साल डॉक्टरों की डिमांड वाली एमआरपी बना रही हैं। कंपनियाँ अलग डिवीजन और ब्रांड बदलकर एमआरपी अपने हिसाब से फिक्स कर देती हैं।

फार्मा फैक्ट्रियों से ही देश में दवाएँ सप्लाई की जाती हैं। कंपनियों और डॉक्टरों के इस खेल में कंपनियाँ अपने मुनाफे के लिए नियमों को ताक पर रखकर डॉक्टरों के हिसाब से न सिर्फ, दवाएँ बनाने को तैयार हो जाती है बल्कि मनमानी कीमत भी तय कर देती है। यही नहीं, इन कंपनियों से मोबाइल पर ही डील हो जाती है। तभी तो देश भर में डॉक्टर और हॉस्पिटल खुद अपनी दवाएँ बनवा ही रहे हैं और मनमाफिक मूल्य पर बेच रहे है। डॉक्टर और हॉस्पिटल तो खुद अपनी दवाएँ बनवा रहे हैं और माइक्रो पायलट का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे ही एक्सपायरी निर्धारित होती है। अगर दवा में माइक्रो पायलट की क्वालिटी थोड़ी डाउन कर दी जाए वो मार्जिन बढ़ जाएगा लेकिन एक्सपायरी का समय कम हो जाएगा। इसके पीछे कारण यह कि मटेरियल और एक्सपायरी को लेकर सरकार की कोई गाइडलाइन नहीं है। एक्सपायरी की डेट भी कंपनियाँ तय करती हैं। सरकार के कंट्रोल में जो दवाएँ हैं, इसे लेकर थोड़ी सख्ती है। बाकी मेडिसिन पर कोई खास निगरानी नहीं है। ये एक गंभीर विषय है कि दवा का निर्माण, आयात या बिक्री करने वाली कंपनियाँ ही दवा की कीमतें निर्धारित करती हैं।

नियमों में कहा गया है कि केवल प्रिसक्रिप्शन वाली दवा और ओवर-द-काउंटर दवा के प्रकार जो केवल फार्मेसियों में बेचे जा सकते हैं, उन्हें सभी फार्मेसियों में बिल्कुल एक ही कीमत पर बेचा जाना चाहिए। इसलिए, की दवाओं की कीमतें फार्मेसियों के बीच उतार-चढ़ाव नहीं करती हैं, जिसका अर्थ है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप अपना प्रिसक्रिप्शन भरने के लिए किस फामेर्सी को चुनते हैं। यही नहीं, दवा बनाने वाली कंपनियों पर ये नियम सख्ती से लागू किये जाए कि वह हर साल्ट का मूल्य भारत सरकार के नियमानुसार एक जैसा निर्धारित करे चाहे ब्रांड कोई भी हो। मूल्य ब्रांड पर न होकर साल्ट पर हो ताकि डॉक्टरों और कंपनियों के काले धंधे पर लगाम लगे और मरीज को 300 रुपए का इंजेक्शन बारह हजार में न खरीदना पड़े।

हर्बल दवाइयों और ओवर-द-काउंटर दवाइयों के प्रकार जो फामेसी के अलावा अन्य दुकानों, जैसे सुपरमार्केट और कियोस्क में बेची जा सकती हैं, उनकी की कीमतों में बदलाव की अनुमति सरकार से हो। ये कीमतें पूरी तरह से स्टोर द्वारा निर्धारित की जाती हैं, इसलिए आपको एक स्टोर से दूसरे स्टोर में कीमतों में अंतर का अनुभव होता है।

शीशे के पार एक अधूरी चीख

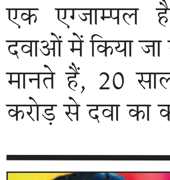
डॉ. सुरेश कुमार

उस अठारह गुणा चौबीस के कांच के टुकड़े पर एक अजीब सी खामोशी पसरी थी। ड्रेसिंग टेबल के उस पार खड़ी माया अपनी उंगलियों से उस सतह को सहला रही थी, जहाँ सूखे गोंद के निशानों ने एक अजीब सा नक्शा बना दिया था। वहां लाल, नीली और सुनहरी बिंदियों का एक जमघट था। कुछ के रंग उड़ चुके थे, कुछ का मखमल घिस गया था, और कुछ बस अपनी आखिरी सांसें गिनते हुए कांच से लटकी थीं। तुम इन्हें हटाती क्यों नहीं?

मैंने गलियारे से गुजरते हुए पूछा। माया ने बिना मुड़े जवाब दिया, इतिहास मिटाया जाता है, विसर्जित नहीं किया जाता। उसकी आवाज में वह भारीपन था जो अक्सर पुराने मकानों की सीलन में होता है। वह आईना नहीं था, वह उन लम्हों की एक ऐसी नुमाइश थी जहाँ हर बिंदी एक मुकम्मल दास्तान दबाए बैठी थी। शहर के इस शोरगुल वाले फ्लैट में वह कोना एक ऐसी शांत घाटी बन गया था, जहाँ समय रुकने का ढोंग कर रहा था। जैसे-जैसे दिन ढलते गए, उस कांच पर बिंदियों की तादाद बढ़ती ही गई।

ऐसा लगता था कि माया अपनी माथे की रौनक को हर रात उस ठंडे कांच पर गिरवी रख देती है। आज फिर एक नई? मैंने छेड़ा। उसने शीशे में मुझे देखते हुए कहा, सिर्फ एक और गवाह। वह आईना अब एक चेहरा नहीं, बल्कि एक रोजनामचा बन चुका था।

हर बिंदी एक हार थी, एक समझौता था, या शायद किसी अनकही चीख का मौन स्मारक। धूल की एक परत ने उन पर अपनी चादर बिछा दी थी, जिससे वे किसी प्राचीन शिलालेख की तरह दिखने लगी थीं। मोहल्ले की औरतें कहती थीं कि माया का श्रृंगार उसकी ताकत है, पर मुझे उस आईने को देखकर लगता था कि वह कांच हर रोज उसकी रूह का एक कतरा नोच लेता है और बदले में एक बेजान बिंदी चिपका देता है। एक रात बारिश की झड़ी लगी थी। कमरे में बिजली गुल थी और मोमबत्ती की लौ में वे बिंदियां दीवारों पर डरावने साये बना रही थीं। हवा की सरसराहट से भी डर लग रहा था। मैंने देखा कि माया उस आईने के सामने बैठी रो रही थी। नहीं, वह रो नहीं रही थी, वह हँस रही थी-एक ऐसी हँसी जो रूह को भीतर तक कंपा दे।

क्या ढूँढ रही हो उसमें? मैंने कांपती आवाज में पूछा। उसने उन अनगिनत बिंदियों के बीच एक खाली जगह की तरफ इशारा किया। वहां एक कमी है, वह बुदबुदाई। उसकी बातें किसी अनसुलझी पहेली की तरह लग रही थीं। ऐसा लग रहा था मानो वह कांच कोई मूक दर्शक नहीं, बल्कि एक ऐसा शिकारी है जो धीरे-धीरे हमारे घर की खुशियों को अपनी मखमली गिरफ्त में ले चुका है।

वातावरण में एक ऐसी बेचैनी थी कि जैसे कोई बड़ा धमाका होने वाला हो, पर शोर बिल्कुल गायब था। सुबह जब सूरज की पहली किरण ने उस आईने को छुआ, तो मंजर वह नहीं था जिसकी कल्पना किसी ने की होगी। कमरा खाली था, खिड़की खुली थी और हवा में एक अजीब सी गंध थी। मैं भागकर ड्रेसिंग टेबल के पास पहुंचा। वहां आईने पर लगी वे तमाम बिंदियां गायब थीं। वहां बस एक साफ, चमकता हुआ कांच था। पर जैसे ही मेरी नजर नीचे पड़ी, मेरी चीख गले में ही फंस गई। फर्श पर माया का शरीर बेजान पड़ा था।

उसके माथे पर एक भी बिंदी नहीं थी। बल्कि, वे सारी पुरानी, फीकी और धूल भरी बिंदियां अब माया के पूरे चेहरे पर नहीं, उसकी बंद आंखों के पपोटों पर, उसके होंठों पर और उसके गले के घाव पर चिपकी हुई थीं। कांच अब पूरी तरह खाली था, क्योंकि रूह ने अपना 'कब्रिस्तान' आईने से बदलकर देह को चुन लिया था। वह आईना अब मुझे देख रहा था। उसके ठीक बीचों-बीच मेरे अपने खून से एक बिंदी लगी थी, जो मैंने खुद रात के अंधेरे में अपने माथे से उतारकर वहां चिपकाई थी, बिना यह जाने कि मैं भी उस अंतहीन कतार का अगला हिस्सा बन चुका हूँ।

नृसिंह प्रकटोत्सवः जब खंभे से प्रकट हुए करुणावतार

योगेश कुमार गोयल

भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में कुछ पर्व केवल तिथियों के उत्सव नहीं बल्कि जीवन-दर्शन के ऐसे प्रकाशस्तंभ हैं, जो युगों-युगों तक मानवता को दिशा देते रहते हैं। नृसिंह जयंती ऐसा ही एक दिव्य पर्व है, जो यह उद्घोष करता है कि जब-जब अधर्म अपनी सीमाए लांघता है और अहंकार सत्य को चुनौती देता है, तब ईश्वर स्वयं धर्म की रक्षा के लिए अवतरित होते हैं। वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को मनाया जाने वाला यह पावन दिवस भगवान विष्णु के चौथे अवतार (नृसिंह) के प्राकट्य का प्रतीक है।

इस वर्ष नृसिंह जयंती अथवा नृसिंह प्रकटोत्सव 30 अप्रैल को मनाई जा रही है। नृसिंह अवतार की सबसे अद्भुत विशेषता यह है कि यह ईश्वर के 'उग्र' और 'करुण' दोनों ही स्वरूपों का एक साथ दर्शन कराता है। आधा मनुष्य और आधा सिंह रूप में प्रकट होकर उन्होंने यह सिद्ध किया कि दिव्यता किसी सीमित परिभाषा में बंधी नहीं होती। यह अवतार केवल दैत्यराज हिरण्यकशिपु के अंत का कारण नहीं बना बल्कि इससे यह संदेश भी मिला कि जब अन्याय अपनी पराकाष्ठा पर पहुंच जाता है, तब न्याय किसी अप्रत्याशित रूप में प्रकट होकर संतुलन स्थापित करता है।

पौराणिक कथा के अनुसार, हिरण्यकशिपु ने कठोर तपस्या करके ब्रह्मा से ऐसा वरदान प्राप्त किया, जिसने उसे लगभग अजेय बना दिया। वह न दिन में मारा जा सकता था, न रात में; न घर के भीतर, न बाहर; न अस्त्र से, न शस्त्र से; न मनुष्य से, न पशु से। यह वरदान उसके लिए केवल सुरक्षा कवच नहीं बल्कि अहंकार का विष बन गया। उसने स्वयं को ईश्वर घोषित कर दिया और समस्त प्रजा से अपनी ही पूजा करवाने लगा लेकिन इसी अंधकार के बीच उसके पुत्र प्रह्लाद ने सत्य और भक्ति का दीप जलाए रखा।

यहां से इस कथा का सबसे गहरा आध्यात्मिक आयाम सामने आता है, एक ओर अहंकार से अंधा हुआ पिता और दूसरी ओर अटूट विश्वास से प्रकाशित पुत्र। प्रह्लाद की भक्ति केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं थी बल्कि वह सत्य के प्रति पूर्ण समर्पण का प्रतीक थी। उसे विष दिया गया, अग्नि में बैठाया गया, ऊंचाई से गिराया गया किंतु हर बार ईश्वर की अदृश्य कृपा ने उसकी रक्षा की। प्रह्लाद का विश्वास था, 'नारायण सर्वत्र हैं' और यही विश्वास अंततः साकार हो उठा। जब अत्याचार अपनी चरम सीमा पर पहुंच गया, तब वह ऐतिहासिक क्षण आया, जब ईश्वर ने एक ऐसी लीला रची, जो आज भी अद्वितीय मानी जाती है। एक जड़ खंभे से गर्जना के साथ प्रकट होकर भगवान विष्णु ने 'नृसिंह' रूप धारण किया। यह प्राकट्य केवल चमत्कार नहीं था बल्कि यह घोषणा थी कि ईश्वर जड़ और चेतन दोनों में समान रूप से विद्यमान हैं। उन्होंने संध्या समय, सभा भवन की देहरी पर, अपनी जंघा पर बैठाकर और अपने नखों से हिरण्यकशिपु का वध किया। इस प्रकार उन्होंने ब्रह्मा के वरदान की हर शर्त का उल्लंघन किए बिना ही उसका समाधान प्रस्तुत किया, यह दर्शाते हुए कि ईश्वरीय बुद्धि मानव चातुर्य से कहीं अधिक व्यापक और सूक्ष्म होती है।

नृसिंह अवतार का यह प्रसंग हमें यह संदेश भी देता है कि धर्म केवल बाहरी व्यवस्था नहीं बल्कि आंतरिक संतुलन है। जब मनुष्य अपने अहंकार में डूबकर स्वयं को सर्वोच्च मान लेता है, तब उसका पतन निश्चित हो जाता है। वहीं, जब कोई व्यक्ति प्रह्लाद की तरह सत्य, धैर्य और विश्वास का मार्ग अपनाता है, तब वह स्वयं ईश्वरीय संरक्षण का पात्र बन जाता है। इस अवतार का एक और महत्वपूर्ण संदेश है 'उग्रता में करुणा'। नृसिंह का रूप भले ही भयानक प्रतीत होता हो लेकिन वह केवल अधर्म के लिए उग्र है, भक्तों के लिए वही रूप अत्यंत कोमल और स्नेहमय बन जाता है। यह हमें यह सिखाता है कि शक्ति का उपयोग केवल न्याय और संरक्षण के लिए होना चाहिए, न कि अहंकार और दमन के लिए। वास्तविक सामर्थ्य वही है, जिसमें करुणा और न्याय का संतुलन हो।

भारत के दक्षिण में स्थित 'अहोबिलम' इस अवतार से जुड़ा प्रमुख तीर्थ स्थल माना जाता है, जहां नल्लामाला की पहाड़ियों के बीच आज भी इस दिव्य घटना की गूंज महसूस की जा सकती है। यहां के प्राचीन मंदिर, गुफाएं और आध्यात्मिक वातावरण इस कथा को जीवंत बना देते हैं।

श्रद्धालु यहां केवल दर्शन करने नहीं बल्कि उस दिव्य ऊर्जा का अनुभव करने आते हैं, जिसने कभी अधर्म का अंत किया था। नृसिंह जयंती का महत्व केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है बल्कि यह आत्मचिंतन का भी अवसर है। यह हमें अपने भीतर के 'हिरण्यकशिपु' (अहंकार, क्रोध और लोभ) को पहचानने और उसे समाप्त करने का संदेश देता है। साथ ही, यह हमें प्रह्लाद की तरह अटूट विश्वास, धैर्य और सत्यनिष्ठा को अपनाने की प्रेरणा देता है। भगवद्गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं, 'परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृता', अर्थात जब-जब धर्म की हानि होती है, तब मैं अवतरित होता हूं। नृसिंह अवतार इस सत्य का सजीव उदाहरण है। यह केवल एक पौराणिक कथा नहीं बल्कि हर युग में घटित होने वाली आध्यात्मिक प्रक्रिया है, जहां सत्य अंततः असत्य पर विजय प्राप्त करता है। आज के समय में, जब समाज असत्य, अन्याय, हिंसा, नैतिक पतन जैसी अनेक प्रकार की चुनौतियों से जूझ रहा है, तब नृसिंह जयंती का संदेश और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है।

सोमनाथ मंदिर का महत्व और इतिहास

12 ज्योतिर्लिंगों में पहला क्यों है इतना खास

गुजरात का सोमनाथ मंदिर जो गुजरात के वेरावल शहर में स्थित है। आपको बता दें कि सोमनाथ मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से प्रथम और अत्यंत पवित्र है, जो अरब सागर के तट पर त्रिवेणी संगम (कपिला, हिरण, सरस्वती) के किनारे बसा हुआ है। कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण स्वयं चंद्रदेव ने भगवान शिव की आराधना के लिए किया था, और तभी से यह स्थान भक्तों के लिए मोक्षदायी माना जाता है। कई बार आक्रमणों के बाद भी हर बार इसका पुनर्निर्माण हुआ, जो इसकी अटूट आस्था और शक्ति का प्रतीक है।

सोमनाथ मंदिर का इतिहास

सोमनाथ मंदिर का इतिहास हजारों साल पुराना है और यह कई बार बना और टूटा है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, चंद्रदेव ने सबसे पहले सोने से इस मंदिर का निर्माण कराया। वहींबाद में इसे रावण ने चांदी से और श्रीकृष्ण ने लकड़ी से बनवाया। आज का भव्य मंदिर 1951 में भारत के पहले गृह मंत्री सरदान बल्लभ भाई पटेल के प्रयासों से दोबारा स्थापित हुआ। यह मंदिर भारतीय संस्कृति की अटूट आस्था का प्रतीक है। वहीं आपको बता दें कि वर्तमान मंदिर सोलंकी स्थापत्य शैली में निर्मित है।

सोमनाथ मंदिर का महत्व

सोमनाथ मंदिर को अनादि ज्योतिर्लिंग कहा जाता है। मान्यता है कि यहां खुद भगवान शिव ने ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रकट होकर चंद्रदेव को श्राप से मुक्त किया था। चंद्र देव को सोम भी कहा जाता है।

इसलिए इसका नाम सोमनाथ पड़ा। यह स्थान मोक्ष प्रदान करने वाला तीर्थ माना जाता है। साथ ही मान्यता है कि यहां दर्शन करने से पापों का नाश और जीवन में शांति मिलती है। वहीं आपको बता दें कि कार्तिक पूर्णिमा और महाशिवरात्रि पर यहां श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ होती है।

आज मोहिनी एकादशी पर भद्रा का साया, बस इतनी देर का है पूजा का शुभ मुहूर्त, जानिए नियम, मंत्र और आरती

कैसे पहुंचे सोमनाथ मंदिर

सोमनाथ मंदिर पहुंचना काफी आसान है, क्योंकि यह गुजरात के प्रमुख शहरों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। अगर आप हवाई मार्ग से आ रहे हैं, तो नजदीकी एयरपोर्ट दीव हवाई अड्डा है, जो यहां से लगभग 80-85 किमी दूर है, जहां से टैक्सी या बस द्वारा मंदिर तक पहुंचा जा सकता है। वहीं अगर रेल मार्ग की बात करें तो सबसे नजदीकी स्टेशन वेरावल रेलवे स्टेशन है, जो मंदिर से केलव 7 किलोमीटर दूर है और यहां से ऑटो व टैक्सी आसानी से मिल जाती हैं।

ज्येष्ठ मास की भीषण गर्मी में किया गया यह दान बदल देगा तकदीर!

ज्येष्ठ महीने की शुरुआत 2 मई से हो रही है और इसका समापन 29 जून को होगा। बीच में 17 मई से 15 जून तक के लिए अधिकमास लग रहा है। जिसके कारण ज्येष्ठ महीना इस बार 59 दिनों का होगा। धर्म-शास्त्रों के अनुसार इस महीने में दान का विशेष महत्व माना जाता है

ज्येष्ठ हिंदू कैलेंडर का तीसरा और सबसे गर्म महीना होता है। जो मई से जून के बीच में पड़ता है। इस महीने में भीषण गर्मी पड़ती है जिस कारण इस दौरान पानी के घड़े का दान अत्यंत पुण्य दायी माना जाता है। ज्येष्ठ में कई लोग अपने घर के बाहर पियाऊ भी लगवाते हैं जिससे प्यासे लोगों को गर्मी से राहत मिल सके। इसके अलावा इस महीने में पंखे, चप्पल इत्यादि कई अन्य चीजों का दान भी शुभ फलदायी माना जाता है। चलिए अब विस्तार से बताते हैं इस पूरे महीने में किन-किन चीजों का दान जरूर करना चाहिए।

जल दान

ज्येष्ठ महीने में जल का दान सबसे बड़ा दान माना जाता है। कहते हैं इस महीने में प्यासे को पानी पिलाने से खूब पुण्य मिलता है। कहा जाता है कि ज्येष्ठ महीने में किया गया ये दान अश्वमेध यज्ञ के समान पुण्य फलदायी होता है। इस महीने रास्ते में राहगीरों के लिए प्याऊ लगवाना चाहिए। इसके अलावा पशु-पक्षियों के लिए छतों पर पानी रखना चाहिए और मिट्टी के घड़े का दान करना चाहिए। कहते हैं ऐसा करने से कुंडली में चंद्रमा और शुक्र की स्थिति मजबूत होती है।

सत्तू, गुड़ और रसीले फलों का दान

ज्येष्ठ महीने में शरीर को ठंडक पहुंचाने वाली चीजों का दान बेहद पुण्यदायी माना जाता है। कहते हैं इससे भगवान विष्णु की असीम कृपा प्राप्त होती है। ऐसे में इस महीने में सत्तू, गुड़, आम, खरबूजा, तरबूज और नारियल पानी का दान जरूर करना चाहिए। कहते हैं इस दान से घर में कभी धन-धान्य की कमी नहीं होती।

राहत देने वाली वस्तुओं का दान

इस महीने में जरूरतमंदों को छाता, जूते-चप्पल, हाथ वाले पंखे या सूती वस्त्रों का दान करना भी अत्यंत शुभ माना जाता है।

शनि जयंती, वट सावित्री से लेकर बुढ़वा मंगल तक, ज्येष्ठ माह में आएंगे ये प्रमुख व्रत-त्यौहार

ज्येष्ठ माह का आरंभ होने वाला है। इस माह में कई बड़े व्रत-त्यौहार आएंगे। तो यहां जानिए कि ज्येष्ठ महीने में कब वट सावित्री का व्रत रखा जाएगा और कब निर्जला एकादशी मनाई जाएगी।

हिंदू धर्म में ज्येष्ठ का महीना अत्यंत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। इस माह में कई बड़े और प्रमुख व्रत-त्यौहार आते हैं। इस साल ज्येष्ठ माह की शुरुआत 2 मई से हो रही है, जिसका समापन 29 जून 2026 को हो रहा है। आपको बता दें कि इस साल ज्येष्ठ में अधिकमास यानी मलमास लग रहा है इसलिए यह माह अधिक दिनों को होगा। अधिकमास 17 मई से 15 जून तक रहेगा। अधिकमास में विवाह, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्य वर्जित होते हैं। तो आइए अब जानते हैं कि ज्येष्ठ माह में कौनसे व्रत-त्यौहार आएंगे।

ज्येष्ठ माह के प्रमुख व्रत और त्यौहार

ज्येष्ठ माह आरंभ, नारद जंयती- 2 मई 2026

बड़ा मंगल, एकदंत संकष्टी चतुर्थी- 5 मई 2026

कालाष्टमी, मासिक कृष्ण जन्माष्टमी- 9 मई 2026

बड़ा मंगल- 12 मई 2026

अपरा एकादशी, कृष्ण परशुराम द्वादशी- 13 मई 2026

गुरु प्रदोष व्रत- 14 मई 2026

वृषभ संक्रांति और मासिक शिवरात्रि- 15 मई 2026

वट सावित्री व्रत (अमावस्या), शनि जयंती- 16 मई 2026

बड़ा मंगल- 19 मई 2026

अधिक स्कंद षष्ठी- 21 मई 2026

गंगा दशहरा- 25 मई 2026

बड़ा मंगल- 26 मई 2026

पद्मिनी एकादशी- 27 मई 2026

गुरु प्रदोष व्रत- 28 मई 2026

ज्येष्ठ अधिक पूर्णिमा- 31 मई 2026

परम एकादशी- 11 जून 2026

प्रदोष व्रत (कृष्ण)- 12 जून 2026

मासिक शिवरात्रि- 13 जून 2026

अमावस्या, मिथुन संक्रांति- 15 जून 2026

निर्जला एकादशी- 25 मई 2026

प्रदोष व्रत (शुक्ल)- 27 जून 2026

ज्येष्ठ पूर्णिमा व्रत- 29 जून 2026

ज्येष्ठ माह में क्या करें और क्या नहीं?

ज्येष्ठ माह में दान-पुण्य करना चाहिए। ऐसा करने से शुभ फल मिलते हैं।

ज्येष्ठ मास में पशु-पक्षियों के लिए भोजन और जल की व्यवस्था करें।

इस महीने में बैंगन का सेवन नहीं करना चाहिए। कहते हैं इससे संतान के जीवन पर गलत प्रभाव पड़ता है

ज्येष्ठ माह में बड़े बेटे या बेटी का विवाह नहीं करना चाहिए।

इस माह में जल का व्यर्थ करने से बचना चाहिए।

ज्येष्ठ मास में सूर्य देव की पूजा का खास महत्व है। रोजाना सूर्य देव को अर्घ्य दें।

ज्येष्ठ माह में अन्न, धन, सत्तू और वस्त्र समेत भोजन का भी दान करें।

ज्येष्ठ माह में पानी से भरा घड़ा (मटका), पंखा, जूता और चप्पल का दान अवश्य करें।

मई में जन्मे लोगों में होती है यह एक जादुई खूबी

मई में जन्मे लोग

मई में जन्मे लोगों की सबसे बड़ी ताकत उनकी जिद्द है। ये अपने सपनों को सच करने का जुनून रखते हैं। एक बार अगर कुछ करने की ठान लेते हैं तो फिर ये पीछे मुड़कर नहीं देखते। यही उनकी वो जादुई खूबी है जिसके दम पर ये असंभव को भी संभव कर दिखाते हैं। इनका व्यक्तित्व बहुत ही मैग्नेटिक होता है। जिस वजह से हर कोई इनकी तरफ खींचा चला आता है। इनका ड्रेसिंग सेंस और बात करने का तरीका बेहद खास होता है जिससे लोग इनसे काफी जल्दी प्रभावित हो जाते हैं।

ये लोग दिल के साफ होते हैं। जो इनके मन में होता है, वही इनकी जुबान पर भी होता है। हालांकि इन्हें गुस्सा बहुत जल्दी आता है, लेकिन इनकी खास बात ये है कि इनका गुस्सा लंबे समय तक नहीं रहता।

मई में जन्मे लोगों को लग्जरी लाइफ काफी पसंद होते हैं। यही कारण है कि इन्हें महंगी चीजें काफी आकर्षित करती हैं। खास बात यह है कि इन सुख-सुविधाओं को पाने के लिए ये खूब मेहनत भी करते हैं।

मई में जन्मे लोग क्रिएटिव फील्ड, बिजनेस और मैनेजमेंट में सबसे ज्यादा नाम कमाते हैं। इनकी लीडरशिप क्वालिटी इन्हें कम उम्र में ही सफलता के शिखर पर पहुंचा देती है।

पैसों के मामले में ये बहुत ज्यादा भाग्यशाली होते हैं, लेकिन अपने खर्चीले स्वभाव के कारण ये कभी-कभी परेशानी में भी पड़ जाते हैं।

ये लोग जुबान के पक्के होते हैं और दोस्ती निभाने में इनका कोई जवाब नहीं होता।

क्यों छिन्नमस्ता माता के हाथ में रहता है उनका अपना ही कटा सिर?

तंत्र साधना की प्रमुख देवियों में से एक मां छिन्नमस्ता का स्वरूप बेहद रहस्यमय और अद्भुत माना जाता है। उनका चित्रण बिना सिर के, हाथ में अपना कटा हुआ मस्तक लिए और शरीर से निकलती रक्तधाराओं को पीते हुए किया जाता है, जो पहली नजर में विचित्र लगता है, लेकिन इसके पीछे गहरा आध्यात्मिक संदेश छिपा है।

हिंदू धर्म और तंत्र शास्त्र में दस महाविद्याओं का विशेष स्थान है, जिनमें माता छिन्नमस्ता को सबसे उग्र और प्रभावशाली माना जाता है। माता का स्वरूप जितना विस्मयकारी है, उनके पीछे की कथा उतनी ही त्याग और करुणा से भरी है। वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को देशभर में मां छिन्नमस्ता की जयंती श्रद्धा के साथ मनाई जाती है। माता छिन्नमस्ता मां पार्वती का उग्र अवतार मानी गई हैं। छिन्नमस्ता दस महाविद्या देवी में से छठी हैं, आइए जानते हैं, आखिर क्यों देवी ने खुद अपना मस्तक काटकर अपनी सहेलियों की भूख शांत की थी और इस साल उनकी जयंती का शुभ मुहूर्त क्या है।

छिन्नमस्ता जयंती कब है?

पंचांग के अनुसार, इस साल यह पावन तिथि 29 अप्रैल 2026, बुधवार की शाम 7:51 बजे से शुरू होकर 30 अप्रैल 2026, गुरुवार को रात 09:12 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार, छिन्नमस्ता जयंती 30 अप्रैल 2026, गुरुवार को मनाई जाएगी।

आखिर देवी ने क्यों काट लिया था अपना सिर?

पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक बार देवी पार्वती अपनी सहेलियों (जया और विजया) के साथ मंदाकिनी नदी में स्नान करने गई थीं। स्नान के बाद उनकी सहेलियां भूख से व्याकुल होने लगीं और उनका रंग काला पड़ गया। उन्होंने देवी से भोजन मांगा। देवी ने कुछ समय प्रतीक्षा करने को कहा, लेकिन जब उनकी भूख असहनीय हो गई, तब करुणावश और अपनी सहेलियों की तृप्ति के लिए देवी ने स्वयं अपना सिर काट लिया। उनके गले

से रक्त की तीन धाराएं निकलीं, दो धाराओं से उनकी सहेलियों जया और विजया की भूख शांत हुई। तीसरी धारा को देवी के कटे हुए सिर ने खुद ग्रहण किया। इसी आत्म-बलिदान और करुणा के कारण उन्हें छिन्नमस्ता जिनका मस्तक कटा हुआ हो कहा जाता है।

माता छिन्नमस्ता की पूजा से लाभ

माता छिन्नमस्ता की पूजा बहुत ही शक्तिशाली और प्रभावशाली मानी जाती है। वैशाख शुक्ल चतुर्दशी के दिन से विशेष रूप से पूजन किया जाता है। मान्यता के अनुसार, विधि-विधान से की गई पूजा से जीवन में कई चमत्कारी लाभ मिलते हैं। उनकी पूजा करने से व्यक्ति के अंदर का भय समाप्त हो जाता है और बाहरी नकारात्मक शक्तियों से रक्षा होती है। जो लोग मानसिक रूप से ख़राब या डरपोक महसूस करते हैं, उनके लिए यह साधना बेहद उपयोगी होती है। माता छिन्नमस्ता का स्वरूप त्याग और आत्मसंयम का प्रतीक है।

उनकी आराधना से व्यक्ति अपने अंदर के क्रोध, लालच और इच्छाओं पर नियंत्रण पा सकता है। उनकी पूजा से मानसिक संतुलन दूर होता है और जीवन में संतुलन, शांति और स्थिरता आती है।

गलत दिशा में लगी घड़ी रोक सकती है आपकी तरक्की

क्यों खास है घड़ी का वास्तु में महत्व?

वास्तु शास्त्र के अनुसार घड़ी समय और गति का प्रतीक होती है। यह घर में सकारात्मक या नकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह को प्रभावित कर सकती है। अगर घड़ी सही दिशा में और सही स्थिति में हो, तो यह जीवन में तरक्की और संतुलन बनाए रखने में मदद करती है। वहीं, गलत दिशा में लगी घड़ी से कामों में देरी, अवसरों का नुकसान और तनाव बढ़ सकता है।

किस दिशा में लगाएं घड़ी?

वास्तु के अनुसार घड़ी लगाने के लिए उत्तर और पूर्व दिशा सबसे शुभ मानी जाती है। उत्तर दिशा को धन और करियर से जोड़कर देखा जाता है, इसलिए इस दिशा में घड़ी लगाने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। वहीं पूर्व दिशा को सकारात्मक ऊर्जा और नए अवसरों की दिशा माना जाता है, यहां घड़ी लगाने से जीवन में नई शुरुआत और प्रगति के संकेत मिलते हैं।

किन दिशाओं में घड़ी लगाने से बचें?

दक्षिण दिशा में घड़ी लगाना अशुभ माना जाता है। यह दिशा स्थिरता और ठहराव का प्रतीक है, जिससे तरक्की में बाधा आ सकती है। घर के मुख्य दरवाजे के ऊपर घड़ी लगाना भी सही नहीं माना जाता, इससे परिवार के सदस्यों पर दबाव और तनाव बढ़ सकता है।

घड़ी से जुड़े अन्य जरूरी वास्तु नियम

बंद या खराब घड़ी को घर में नहीं रखना चाहिए, यह नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाती है। घड़ी का समय हमेशा सही होना चाहिए, पेंडुलम वाली घड़ी को शुभ माना जाता है,क्योंकि यह निरंतर गति और प्रगति का संकेत देती है।

घड़ी का रंग और आकार भी है जरूरी

वास्तु के अनुसार, घड़ी का चयन करते समय उसके रंग और आकार पर ध्यान देना भी आवश्यक है। घर के लिए गोल या चौकोर आकार की घड़ी सबसे उत्तम मानी जाती है, क्योंकि ये निरंतरता और स्थिरता का प्रतीक हैं। गहरे रंगों जैसे काले या गहरे नीले रंग की घड़ी से बचना चाहिए, क्योंकि ये राहु-केतु के प्रभाव को बढ़ा सकते हैं। इसके बजाय सफेद, हल्का नीला या मेटैलिक रंगों की घड़ी चुनना बेहतर होता है। घड़ी का शीशा टूटा हुआ न हो और उस पर धूल न जमने दें, क्योंकि साफ-सुथरी घड़ी आपके जीवन में स्पष्टता और सकारात्मक बदलाव लेकर आती है।

शिवानी शिवाजी रॉय लोगों के दिलों की आवाज बन चुकी है : रानी मुखर्जी

बॉलीवुड एक्ट्रेस रानी मुखर्जी ने यूं तो पर्दे पर कई तरह के रोल निभाए, लेकिन उनका शिवानी शिवाजी रॉय का किरदार लोगों का हमेशा से पसंदीदा रहा, जिसे उन्होंने 'मर्दानी' फ्रेंचाइजी में निभाया है। हाल ही में रिलीज हुई 'मर्दानी 3' को जिस तरह से थिएटर और ओटीटी दोनों जगह दर्शकों का प्यार मिला है, उससे रानी मुखर्जी काफी खुश हैं। रानी मुखर्जी ने कहा कि मर्दानी 3 का सफर मेरे लिए काफी इमोशनल है। पहले यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई और वहां इसने शानदार प्रदर्शन किया। एक महिला लीड एक्शन फिल्म होने के बावजूद इसने कई बड़े माइलस्टोन पार किए, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। इसके बाद जब यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर आई, तो वहां भी इसे दुनिया भर के दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिला और यह लगातार टॉप फिल्मों में ट्रेंड करती रही। उन्होंने आगे कहा कि किसी फिल्म का थिएटर में सफल होना एक बात है, लेकिन जब वही फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी लंबे समय तक ट्रेंड करती रहती है, तो यह इस बात का सबूत होता है कि कहानी लोगों के दिलों में गहराई से उतर चुकी है। यह सफलता मेरे लिए बेहद गर्व भरे पल लेकर आई है। दर्शक अब कंटेंट को सिर्फ स्टार पावर से नहीं, बल्कि उसकी कहानी और संदेश से भी जोड़कर देखते हैं।

रानी मुखर्जी ने कहा कि इस फिल्म की सफलता एक बड़े बदलाव का संकेत है। अब दर्शक सिर्फ पारंपरिक कहानियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे ऐसी कहानियां भी देखना चाहते हैं जिनमें मजबूत महिला किरदार हों और जो समाज से जुड़े मुद्दों को उठाती हों। उन्होंने कहा कि आज के समय में दर्शक ऐसी फिल्मों को स्वीकार कर रहे हैं जो सोचने पर मजबूर करती हैं। अगर किसी कहानी में ईमानदारी, भावना और मजबूत नैतिक संदेश होता है, तो वह कहानी किसी भी सीमा को पार कर सकती है और दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंच सकती है।

रानी मुखर्जी ने कहा कि मर्दानी फ्रेंचाइज़ी को लोग अब दोबारा देख रहे हैं और उससे जुड़ रहे हैं। यह मेरे लिए बहुत खास बात है क्योंकि इसका मतलब है कि यह सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि एक लगातार चलने वाला संदेश बन गई है, जो समय के साथ और भी मजबूत होता जा रहा है। उन्होंने अपने किरदार शिवानी शिवाजी रॉय के बारे में कहा कि यह अब सिर्फ एक फिल्मी किरदार नहीं रहा।

यह किरदार अब लोगों के बीच अपनी जगह बना चुका है। शिवानी शिवाजी रॉय लोगों के दिलों की आवाज बन चुकी है। भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के दर्शक इस किरदार से जुड़ाव महसूस करते हैं। इसी वजह से इस फ्रेंचाइजी को लगातार इतना प्यार मिल रहा है और इसका प्रभाव बढ़ता जा रहा है। मर्दानी 3 फिल्म का निर्देशन अभिराज मीनावाला ने किया है और इसे यशराज फिल्म्स के आदित्य चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया है।

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े की 'द इंडिया स्टोरी' 24 जुलाई को होगी रिलीज

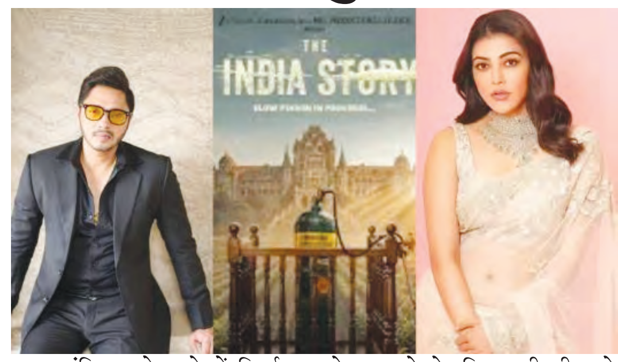

ज़ी स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत, एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज़ के सहयोग से बनी तथा काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपदे के अभिनय से सजी एक दमदार सामाजिक-राष्ट्रीय फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। गौरतलब है कि चेतन डीके के निर्देशन में बनी इस फिल्म को सागर बी शिंदे ने लिखा और प्रोड्यूस किया है। फिल्म एक गंभीर और समकालीन मुद्दे को उठाती है, जो राष्ट्रीय स्तर पर गूंजता है।

मूल रूप से 'द इंडिया स्टोरी', रसायनों के दुरुपयोग और उनके खतरनाक प्रभावों को उजागर करती है, जो खासतौर पर कीटनाशक खेती और उससे जुड़े घोटालों के संदर्भ में है। यह कहानी किसी एक परिवार की परेशानी नहीं, बल्कि पूरे देश की है, जो देश के नागरिकों के स्वास्थ्य और उनकी सुरक्षा को प्रभावित कर रही है। सिर्फ यही नहीं इस फिल्म में सिस्टम की खामियों और ज़रूरी सख्त नियमों की तरफ भी इशारा किया गया है।

हालांकि इसके बारे में निर्माता सागर बी शिंदे कहते हैं, "हमने यह कहानी इसलिए चुनी, क्योंकि यह एक ऐसी सच्चाई को दर्शाती है, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन सच यह है कि यह लाखों लोगों की जिंदगी को प्रभावित करती है। कीटनाशकों और रसायनों का गलत इस्तेमाल सिर्फ पर्यावरण का मुद्दा नहीं, बल्कि एक मानवीय संकट है, इसलिए इस फिल्म के जरिए हम जागरूकता बढ़ाना चाहते हैं। इसके साथ ही हम सिस्टम की जवाबदेही और बदलाव पर बातचीत शुरू करना चाहते हैं।"

निर्देशक चेतन न डीके ने पूरी टीम की सराहना करते हुए कहा, "इस कहानी को प्रामाणिक रूप से पेश करने के लिए पूरी टीम ने कड़ी मेहनत की है। काजल और श्रेयस ने बेहद शानदार और संवेदनशील अभिनय किया है, जिसने फिल्म को और ऊंचाई दी है। हमने यह सुनिश्चित किया है कि कहानी दर्शकों को बांधे रखने के साथ-साथ गहरा असर भी छोड़े।

गौरतलब है कि अपने विविध किरदारों के लिए पहचानी जानेवाली काजल अग्रवाल और बहुमुखी प्रतिभा के धनी श्रेयस तलपदे, इस फिल्म के ज़रिए पहली बार स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। उनकी जोड़ी इस कहानी में भावनात्मक गहराई जोड़ने वाली है।

इसके अलावा आज के दौर में जहां दर्शक कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा की ओर आकर्षित हो रहे हैं, वहीं 'द इंडिया स्टोरी' खुद को एक प्रासंगिक और प्रभावशाली फिल्म के रूप में पेश करती है। अपने मजबूत संदेश और दिलचस्प कहानी के साथ-साथ दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन चुकी यह फिल्म एक प्रभावशाली सिनेमाई अनुभव देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

इन सबके साथ जहां एक तरफ फिल्म की प्रस्तुति को और प्रभावशाली बनाते हैं सह-निर्माता सुमित बागड़े, अनीता जाधव, विनायक सैदानी, कल्पेश शाह, देवयानी खोराटे और प्रेम जोशी का सहयोग, वहीं इसके तकनीकी पक्ष को और प्रभावशाली बनाते हैं डीओपी निशांत भगवत की सिनेमैटोग्राफी, मंगेश धाकड़े का संगीत, आशीष म्हात्रे की एडिटिंग, शकील आज़मी के गीत और अनमोल भावे का साउंड डिज़ाइन। यह फ़िल्म हिंदी के साथ तेलुगु और तमिल भाषा में भी रिलीज़ होगी। यह फिल्म ज़ी स्टूडियोज़ द्वारा वर्ल्डवाइड रिलीज़ की जाएगी।

'हमारी फिल्म को सही तारीख दिलाने के लिए धन्यवाद' वरुण धवन ने केजीएफ फेम यश का जताया आभार

सुपरस्टार और केजीएफ फेम यश की बहुप्रतीक्षित फल्मि 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' की रिलीज डेट एक बार फिर से टाल दी गई। इस फैसले के बाद अब वरुण धवन की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज डेट में बदलाव किया गया। पहले यह फिल्म मई में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे फिर से उसकी पुरानी तय तारीख पर रिलीज करने का फैसला लिया गया है। दरअसल, पहले 'टॉक्सिक' को 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना था। इसी वजह से 'है जवानी तो इश्क होना है' के निर्माताओं ने अपनी फिल्म की रिलीज पहले कर दी थी और इसे 22 मई को

लाने का फैसला लिया था। माना जा रहा था कि दोनों फिल्मों की रिलीज एक-दूसरे के बेहद करीब होने से बॉक्स ऑफिस पर असर पड़ सकता है। लेकिन अब जब 'टॉक्सिक' की रिलीज आगे बढ़ा दी गई है, ऐसे में वरुण धवन की फिल्म को फिर से पुरानी रिलीज डेट 5 जून पर लाया गया है। फिल्म की नई रिलीज डेट सामने आने के बाद वरुण धवन ने भी सोशल मीडिया के जरिए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने अपनी फिल्म के दो नए पोस्टर साझा किए। इन पोस्टरों में उनका अलग अंदाज दिखाई दे रहा है।

पोस्ट साझा करते हुए वरुण धवन ने बताया कि उनकी फिल्म अब 5 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके साथ ही उन्होंने यश और मैडॉक फिल्म्स का आभार जताया। वरुण ने कैप्शन में लिखा, 'है जवानी तो इश्क होना है' 5 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यश और मैडॉक फिल्म्स का धन्यवाद जिन्होंने हमारी फिल्म की रिलीज डेट तय करने में मदद की। अब यह फिल्म अपनी तय तारीख पर ही रिलीज होगी। आईपीएल के बाद रिलीज होने वाली यह पहली फिल्म है।

हालांकि रिलीज डेट बदलने के बाद अब 'है जवानी तो इश्क होना है' के सामने एक नई चुनौती खड़ी हो गई है। अब 5 जून को इसकी सीधी टक्कर बॉबी देओल की फिल्म 'बंदर' से होगी। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया है। बताया जा रहा है कि 'बंदर' को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी सराहना मिल चुकी है, जिसकी वजह से दर्शकों के बीच इसे लेकर उत्सुकता बढ़ गई है।

अनुभव व समय के साथ बदला काम चुनने का नजरिया : सई ताम्हणकर

फिल्म और मनोरंजन की दुनिया में कलाकारों की सोच, पसंद और काम को देखने का नजरिया बदलता रहता है। कई कलाकार अपने करियर की शुरुआत में हर तरह के किरदार निभाते हैं, लेकिन धीरे-धीरे अनुभव बढ़ने के साथ वे यह समझने लगते हैं कि उन्हें किस तरह का काम करना है और दर्शकों के बीच कैसी पहचान बनानी है। इसी विषय पर अभिनेत्री सई ताम्हणकर ने खुलकर बात की है। इन दिनों वह अपनी नई सीरीज 'मटका किंग' को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें वह बरखा के किरदार में नजर आ रही हैं। सई ताम्हणकर से पूछा कि क्या उनके करियर में ऐसा कोई मोड़ आया, जब उन्होंने यह तय किया कि अब वह कुछ खास तरह के किरदार नहीं करेंगी?

सई ने हमेशा अलग और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाए है। उन्होंने 'हंटरर', 'लव सोनिया', 'मिमी', 'इंडिया लॉकडाउन' और 'ग्राउंड जीरो' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से लोगों का ध्यान खींचा है। इन फिल्मों में उनके किरदार काफी अलग रहे हैं। सई ताम्हणकर वेब सीरीज बिंदिया के बाहुबली में भी अपनी डायलॉग डिलीवरी से दर्शकों का ध्यान खींच चुकी हैं।

इस सवाल का जवाब देते हुए सई ने कहा, "मेरे जीवन में ऐसा कोई भी बड़ा मोड़ नहीं आया। यह बदलाव धीरे-धीरे अनुभव के साथ आता है। जब कोई कलाकार लंबे समय तक इस उद्योग में काम करता है, तो उसे खुद की पहचान समझ आने लगती है। वह यह महसूस करने लगता है कि उसे किस तरह का काम करना अच्छा लगता है और वह चाहता है कि लोग उसे किस तरह के किरदारों के लिए याद रखें।"

अभिनेत्री ने कहा, "यह पूरी प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। इंसान समय के साथ सीखता है और उसकी सोच भी बदलती रहती है। अब शायद मुझे अपने काम और अपने चुनावों को लेकर पहले से ज्यादा स्पष्टता मिल गई है। इसी वजह से लोगों को मेरे काम में बदलाव नजर आ रहा है। हालांकि मैंने अपने लिए कोई सख्त नियम नहीं बनाए हैं कि मैं कौन सा किरदार करूंगी और कौन सा नहीं।

सई ताम्हणकर ने कहा, "मेरी पसंद और सोच समय के साथ स्वाभाविक रूप से बदली है। अनुभव, लगातार काम करने की प्रक्रिया और जीवन में आई समझदारी ने मेरे नजरिए को बदल दिया है। अब मैं पहले से अलग तरह की कहानियों और किरदारों की तरफ ज्यादा आकर्षित होती हैं। यह बदलाव किसी दबाव में नहीं, बल्कि अपने आप आया है।"

अक्षय कुमार के मजाक से जब डर के मारे कांप उठीं भूमि पेडनेकर, 'मैं सिर्फ भगवान को याद कर रही थी'

बॉलीवुड सितारों की जिंदगी जितनी चमकदार पर्दे पर दिखाई देती है, उसके पीछे उतने ही मजेदार और यादगार किस्से भी छिपे होते हैं। फिल्मों की शूटिंग के दौरान कलाकार कई बार ऐसे अनुभवों से गुजरते हैं, जिन्हें वह सालों बाद भी याद करके हंस पड़ते हैं। इस बीच, अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने भी ऐसा ही दिलचस्प किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान अभिनेता अक्षय कुमार ने उनके साथ ऐसा मजाक किया था, जिससे वह बुरी तरह डर गई थीं। यह खुलासा भूमि पेडनेकर ने क्विज रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में किया। शो में बातचीत के दौरान उन्होंने फिल्म 'टॉयलेटः एक प्रेम कथा' की शूटिंग से जुड़ा एक अनुभव साझा किया।

भूमि पेडनेकर ने कहा, मुझे तेज रफ्तार से बहुत डर लगता है, खासकर बाइक पर बैठकर तेज चलना मुझे बिल्कुल पसंद नहीं है। ये बात अक्षय को कहीं से पता चल गई। शूटिंग के दौरान एक दिन अक्षय ने मुझसे पूछा कि क्या तुम्हें बाइक से डर लगता है। इस पर मैंने बताया है – 'हां...बाइक की तेज स्पीड से बहुत ज्यादा डरती हूं।'

भूमि ने कहा कि उन्हें इस बात की खुशी थी कि फिल्म में कोई खतरनाक बाइक स्टंट नहीं रखा गया था। लेकिन शायद अक्षय उस समय उनके साथ प्रैंक करने के मूड में थे। भूमि ने कहा, पहले तो अक्षय कुमार ने मुझे भरोसा दिलाया कि डरने जैसी कोई बात नहीं है। वह आराम से बाइक चला रहे थे, सब कुछ नॉर्मल लग रहा था। लेकिन अचानक अक्षय ने मुझसे कसकर पकड़ने के लिए कहा। इसके बाद उन्होंने बाइक की रफ़्तार तेज़ कर दी। यह देखकर मैं बुरी तरह घबरा गई।

उन्होंने कहा कि उस पल मैं बहुत डर गई थीं। मेरा शरीर जैसे जम सा गया था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं। डर के मारे मैं सिर्फ भगवान को याद कर रही थीं और यही प्रार्थना कर रही थीं कि सब ठीक रहे। इस पुराने किस्से को याद करते हुए शो के होस्ट और अभिनेता अक्षय कुमार भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए।

संघर्ष और सपनों पर खुलकर बोलीं रश्मि देसाई, 'मैं सिंगल हूं, लेकिन मजबूत हूं'

एक्टिंग की दुनिया में कई सितारे सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचते हैं, लेकिन कुछ कलाकार असफलताओं और निजी संघर्षों का सामना करते हुए टूट भी जाते हैं। हालांकि कुछ कलाकार ऐसे भी होते हैं जो हर मुश्किल के बाद और मजबूत होकर सामने आते हैं। ऐसी ही हैं रश्मि देसाई, जिन्होंने अपने करियर और निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन कभी हार नहीं मानी। रश्मि ने अपने संघर्ष, सपनों, असफलताओं और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने को लेकर खुलकर बातया । रश्मि देसाई ने खुद को एक मजबूत सोच वाली सिंगल महिला बताते हुए कहा कि मैंने जिंदगी में हमेशा आगे बढ़ना सीखा है। मेरे लिए जिंदगी में बदलाव आना बिल्कुल सामान्य बात है, और यही जीवन का सबसे बड़ा सच भी है। हर चीज एक समय के बाद बदल जाती है, इसलिए इंसान को भी बदलाव को अपनाना सीखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मैंने अपनी जिंदगी से एक सबसे अहम बात सीखी है और वह है लगातार आगे बढ़ते रहना। अगर इंसान रुक जाता है तो वह पीछे छूट जाता है, इसलिए मुश्किल हालात में भी आगे बढ़ना जरूरी होता है।

अभिनेत्री ने कहा कि जैसे-जैसे इंसान जिंदगी में आगे बढ़ता है, वैसे-वैसे उसके सपने भी बड़े होते जाते हैं। सपने देखने पर कोई टैक्स खर्च नहीं लगता। इसलिए इंसान को बिना डरे बड़े सपने देखने चाहिए। हर व्यक्ति को खुद को हर कदम पर चुनौती देनी चाहिए और अपनी क्षमता को पहचानने की कोशिश करनी चाहिए। इंसान का काम अपनी तरफ से पूरी मेहनत करना है, बाकी चीजें भगवान पर छोड़ देनी चाहिए।रश्मि ने अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर को भी याद किया। उन्होंने कहा कि मैंने कई बार असफलताओं का सामना किया है। मैं जिंदगी में कई बार गिरी हूं, लेकिन हर बार खुद को संभाला और फिर से खड़ी हुईं। असफलताएं इंसान को बहुत कुछ सिखाती हैं। सफलता इंसान को खुशी देती है, लेकिन असफलता उसे मजबूत बनाती है और जिंदगी की असली सीख देती है।

रश्मि ने कहा कि हर कलाकार का अपना एक तरीका और सोच होती है। मैं अपने काम को लेकर एक खास पैटर्न और अनुशासन फॉलो करती हूं। अगर कोई कलाकार अपने दर्शकों को धोखा देता है या सिर्फ दिखावे के लिए काम करता है, तो उसका करियर ज्यादा लंबा नहीं चलता। इसलिए कलाकार को हमेशा ईमानदारी के साथ काम करना चाहिए।

परफेक्ट फिगर पाने के लिए डाइटिंग जिम अब जीवन का हिस्सा : संदीपा धर

आज के समय में सुंदर दिखने की होड़ ने आम लोगों से लेकर सितारों तक को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। परफेक्ट फिगर पाने के लिए डाइटिंग, जिम और खाने-पीने पर सख्त पाबंदियां अब जीवन का हिस्सा बन चुकी है। इसी मुद्दे को हालिया रिलीज फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में दिखाया गया है। फिल्म में अभिनेत्री संदीपा धर ने 'नैना' नाम की लड़की का किरदार निभाया है, जो सोशल मीडिया और समाज के दबाव में परफेक्ट दिखने की कोशिश में अपनी असली पहचान खो देती हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का एक सीन पोस्ट किया। इस वीडियो में वे खूबसूरत और परफेक्ट बनने के सफर को बयां करती हैं। वे कहती हैं कि उन्हें ठीक से याद तक नहीं है कि आखिरी बार उन्होंने पेट भरकर खाना कब खाया था। अभिनेत्री ने वीडियो पोस्ट कर लिखा कि मुझे नैना के इस सीन के लिए आप सभी के ढ़ेर सारे मैसेज मिल रहे हैं। नैना का इस कदर टूटना उस झूठ का नतीजा है, जो हमें बचपन में सिखाया गया है। हमें बताया गया है कि हम तभी बेहतर कहलाएंगे, जब हम 5 किलो वजन कम कर लेंगे, जब हमें प्रमोशन मिल जाएगा या जब हम पूरी तरह परफेक्ट दिखेंगे।

संदीपा आगे लिखती हैं कि नैना के साथ-साथ उन्होंने यह भी महसूस किया है कि इंसान जैसा है, वैसा पर्याप्त और पूरा है। खुश रहने के लिए किसी बाहरी दिखावे या दूसरों की मंजूरी की जरूरत नहीं है।

रवि उद्यावर द्वारा निर्देशित फिल्म में संदीपा के अलावा, सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर भी मुख्य भूमिका में है। फिल्म में अभिनेत्री संदीपा दिखने में बेहद खूबसूरत और खुशमिजाज लगती है, लेकिन अंदर से वह बेहद अकेली, पहचान खोने के डर और दूसरों से तारीफ पाने की भूख से जूझती है। अभिनेत्री संदीपा का किरदार आज की उन लड़कियों का प्रतिनिधित्व करता है, जो समाज के बनाए 'परफेक्ट' होने के मापदंडों के नीचे दबी हुई हैं। 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म को दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया ही मिली थी।

एसी से सीधा धूप में जा रहे हो तो दिल, दिमाग, ब्लड वेसल्स, सबको लगेगा 'शॉक'

गर्मी से राहत पाने के लिए सभी घर में एयर कंडीशनर की सर्विस हो चुकी है और इस्तेमाल भी शुरू हो गया है। एसी वाले कमरे से बाहर निकलने में हर किसी को आफत आ जाती है और अगर सीधा बाहर धूप में किसी काम से जाना पड़ जाए तो क्या ही कहने? लेकिन क्या आप जानते हैं कि एसी की ठंडी हवा से सीधा धूप में जाने पर क्या होता है? डॉ ने एसी से सीधा धूप में जाने पर दिमाग, दिल और रक्त वाहिकाओं पर पड़ने वाले असर के बारे में बताया है।

शरीर का इंटरनल थर्मोस्टेट सिस्टम

आपका शरीर 36.5 से लेकर 37.5°C के बीच एक अंदरुनी तापमान को बनाए रखता है। यह कंट्रोल सिस्टम दिमाग के छोटे से, मगर बहुत ताकतवर हिस्से द्वारा मैनेज किया जाता है, जिसे हाइपोथैलेमस कहते हैं। जब आप एसी के ठंडे वातावरण से गर्मी में बाहर कदम रखते हैं तो शरीर अचानक से बाहरी तापमान में बढ़ोतरी को भांप लेता है। इसके तुरंत बाद हाइपोथैलेमस शरीर का ठंडा करने की प्रक्रिया शुरू कर देता है, जिसमें-

स्किन मे मौजूद ब्लड वेसल्स चौड़ी होने लगती हैं, जिसे वैसोडिलेशन कहते हैं

गर्मी बाहर निकालने के लिए स्वेट ग्लैंड्स काम करने लगती हैं

दिल की धड़कन धीरे से बढ़ जाती है

ये शारीरिक प्रतिक्रिया गर्म माहौल में आपको ठंडा होने में मदद करती हैं, मगर पूरी तरह एडजस्ट होने में कुछ मिनट का वक्त लगता है।

शरीर को क्यों होता है 'शॉक' जैसा एहसास

डॉक्टर के मुताबिक, शरीर को जो असहजता होती है, वो 'हीट शॉक' जैसा एहसास होता है, जो कि तापमान बदलने पर नर्वस सिस्टम की प्रतिक्रिया से होता है। आपकी स्किन के पास खास टेंप्रेचर सेंसर

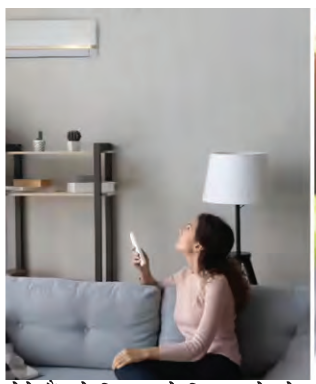

होते हैं, जो दिमाग को सिग्नल भेजते हैं। ठंड से गर्म माहौल में अचानक बदलाव आने से ये सेंसर ओवरस्टिम्युलेट हो जाते हैं। दिमाग को तेजी से एडजस्ट करना पड़ता है, जिसकी वजह से कुछ पल के लिए भारीपन या भ्रम जैसी स्थिति हो सकती है। यह एहसास आमतौर पर हानिरहित होता है, लेकिन धूप या बहुत गर्म माहौल की वजह से इंटेंस हो सकता है।

चक्कर आना और सिर घूमने की समस्या

ठंडे कमरे से सीधा धूप में जाने पर अक्सर सिर घूमने या चक्कर आने की शिकायत आमतौर पर देखी जाती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि आपकी रक्त वाहिकाएं अचानक से चौड़ी होने लगती हैं। थोड़े समय के लिए ब्लड प्रेशर गिर जाता है और दिमाग तक खून की सप्लाई कम पहुंचने लगती है। यह स्थिति अक्सर हल्की होती है, लेकिन डिहाइड्रेशन या ब्लड प्रेशर की दवा लेने पर थोड़ी ज्यादा प्रभावित कर सकती है।

हाइड्रेशन का काम

एक्सपर्ट बताती हैं कि एयर कंडीशनर वाले माहौल में ह्यूमिडिटी कम होती है, जिससे बॉडी में ड्राईनेस बढ़ती है। आप ऐसे माहौल में पसीना निकाले बिना भी बॉडी फ्लूइड खोते रहते हैं। फिर आप जब गर्मी में कदम रखते हैं तो तेजी से पसीना निकलना शुरू हो जाता है और फ्लइड की कमी ज्यादा हो जाती है। अगर आप पहले से डिहाइड्रेटेड रहेंगे तो सिरदर्द, थकान और फोकस में कमी झेलनी पड़ सकती है।

गर्मी में सिरदर्द

आसपास के तापमान में अचानक बदलाव आने से कुछ लोगों में सिरदर्द और माइग्रेन का दर्द होना आम है। Cephalalgia जैसे जर्नल पर प्रकाशित रिसर्च बताती हैं कि एनवायरमेंटल चेंजेस में गर्मी बढ़ने जैसा बदलाव दिमाग के अंदर मौजूद पेन पाथवे को एक्टिवेट कर सकता है। आसान भाषा में समझें तो ऐसे बदलावों के प्रति दिमाग काफी संवेदनशील होता है। टेंप्रेचर में आया बड़ा बदलाव ट्रिगर की तरह काम करता है। माइग्रेन के मरीजों के अंदर यह समस्या ज्यादा आम देखी जाती है।

धूप से एसी में जाने पर क्या होता है?

अगर आप धूप या गर्मी से अचानक एसी के कमरे में जाएं तो भी शरीर पर प्रभाव पड़ता है। ब्लड वेसल्स सिकुड़ने लगती है, जिसे वैसोकंसट्रिक्शन कहते हैं। इसकी वजह से पसीने का उत्पादन कम हो जाता है, स्किन टेंप्रेचर तेजी से गिरता है और कुछ लोगों को कोल्ड हेडेक (ठंड के कारण होने वाला सिरदर्द), हल्की अकड़न और साइनस में दिक्कत हो सकती है। हालांकि, ये समस्याएं भी अस्थाई होती हैं और शरीर संतुलन प्राप्त करने के लिए कोशिश करने लगता है।

क्या बार-बार सर्दी-गर्मी होने से बीमार पड़ते हैं?

लोगों के बीच एक सामान्य मान्यता है कि एसी से गर्मी में बार-बार आने जाने से बीमारी होती है। हालांकि यह पूरी तरह ठीक नहीं है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक, अकेले तापमान में बदलाव आने से इंफेक्शन नहीं होता। इसका असल जिम्मेदार वायरस और बैक्टीरिया है। हालांकि, बार-बार ठंड-गर्मी में आने जाने से शरीर पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है और एनर्जी लेवल व कंफर्ट प्रभावित होता है। इससे कुछ लोगों को थकान की समस्या हो सकती है।

क्या शरीर खुद को ढाल लेता है?

मानव शरीर गर्मी के मुताबिक खुद को ढाल लेता है और इस प्रक्रिया को acclimatization कहते हैं। तापमान में नियमित होने वाले ऐसे बदलाव के बाद शरीर की पसीना उत्पादन करने की क्षमता माहौल के मुताबिक काम करने लगती है। दिल तनाव को झेलना सीख जाता है। आपको धूप में जाने पर कम परेशानी होने लगती है। लेकिन, लगातार एसी में रहने से यह प्रक्रिया प्रभावित भी हो सकती है।

किन टिप्स का रखें ध्यान?

एसी से धूप में जाने से पहले कुछ देर छाया में रहें।

एसी में रहने पर भी पर्याप्त पानी पीएं।

एसी का टेंप्रेचर बहुत कम ना रखें।

अगर चक्कर आ रहे हैं तो सावधान हो जाएं और शरीर को माहौल के मुताबिक ढलने का समय दें।

एयर कंडीशनर से धूप में जाने पर शरीर हर बार एक कॉम्प्लेक्स बैलेंसिंग प्रोसेस से गुजरता है। इस प्रक्रिया के दौरान आपका दिमाग, ब्लड वेसल्स और हाइड्रेशन स्टेटस एकसाथ काम करता है। अधिकतर लोगों में यह एडजस्टमेंट सेफ होती है। लेकिन अपने शरीर की प्रतिक्रिया पर अक्सर ध्यान देकर गंभीर स्थितियों से बचा जा सकता है।

चेहरे को चमकाएगा दूध, इन तरीकों से कर सकते हैं इसका इस्तेमाल

हर त्वचा का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। अगर इस मौसम में सही तरह से त्वचा का ध्यान न रखा जाए तो कई तरह की परेशानियां होने लगती हैं। इसकी वजह है कि कई जगहों का पारा 50 डिग्री पहुंच रहा है। ऐसे में लोगों की त्वचा धूप से जल रही है।जो लोग अपनी त्वचा का ध्यान नहीं रखते हैं उन्हें सनबर्न, रैशेज, खुजली, घमौरियों, मुंहासों जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कई बार तो ये परेशानियां इतना बढ़ जाती हैं कि डॉक्टर तक से सलाह ली जाती है। ऐसे में आप कच्चे दूध का इस्तेमाल करके अपनी त्वचा का ध्यान रख सकते हैं।

अगर आप दूध की मदद से अपना चेहरा चमकाना चाहते हैं तो इस लेख में हम आपको इसके कुछ तरीके बताएंगे। कच्चे दूध का इस्तेमाल करके आप अपनी त्वचा की रंगत निखार सकते हैं। तो चलिए देर न करते हुए आपको इसका तरीका बताते हैं।

दूध और शहद

अगर आप कच्चे दूध में शहद को मिलाकर अपनी त्वचा पर लगाएंगी तो इससे त्वचा में निखार आएगा। इसके साथ ही इसके इस्तेमाल से आपकी त्वचा खिल उठेगी। इसके लिए आपको बस एक कटोरी में दो चम्मच दूध लेकर उसमें थोड़ा सा शहद मिक्स करना है। अब इसे नियमित रूप से अपनी स्किन पर लगाएं। कुछ ही दिनों में आपको इसका असर दिखने लगेगा।

बेसन और दूध

इस मौसम में अपने चेहरे को साफ रखने के लिए आप दूध को बेसन में मिलाकर लगा सकते हैं। इसके लिए एक कटोरी में सबसे पहले बेसन लें। अब इसमें कच्चा दूध डालकर पेस्ट बना लें। इसे 15 मिनट के लिए अपने चेहरे पर लगाएं और फिर पानी से चेहरा धो लें। त्वचा की रंगत सुधारने में ये काफी मदद करेगा।

मुल्तानी मिट्टी और दूध

मुल्तानी मिट्टी तो हर किसी को सूट कर जाती है। ऐसे में आप दूध में इसे मिलाकर भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस कच्चे दूध में मुल्तानी मिट्टी डालकर इसका पेस्ट बनाना है और इसे चेहरे पर लगाना है। इससे आपकी त्वचा खिल उठेगी।

हल्दी और दूध

इन दोनों चीजों में पाए जाने वाले तत्व त्वचा को खिलाने का काम करते हैं। ऐसे में आप इन दोनों चीजों को मिक्स करके स्किन पर लगा सकते हैं। इस पेस्ट को बनाने के लिए आपको हल्दी सिर्फ एक चुटकी ही लेनी है। इसके इस्तेमाल से आपको त्वचा के दाग-धब्बों से भी छुटकारा मिलेगा।

क्या आपने खाई है कटहल की बिरयानी? ये है रेसिपी, बार-बार डिमांड करेंगे मेहमान

आजकल बहुत से लोग वेज खाने को पसंद करते हैं, लेकिन अक्सर उन्हें लगता है कि वेज में उतना मजा नहीं होता जितना नॉन-वेज डिशेज में होता है. खासकर बिरयानी जैसी रिच और खुशबूदार डिश हर किसी की फेवरेट है. ऐसे में कटहल की बिरयानी एक ऐसी डिश है जो टेस्ट में इतनी अच्छी होती है कि नॉन-वेज खाने वाले लोग भी इसे खाकर हैरान रह जाते हैं. कटहल की बनावट काफी हद तक मीट जैसी लगती है, इसलिए यह बिरयानी बिल्कुल स्पेशल बन जाती है. अगर घर पर कुछ खास बनाना हो, या मेहमानों को इम्प्रेस करना हो, तो यह रेसिपी आपके लिए बेस्ट है. तो आइए आज हम आपको बताते हैं कि घर पर कटहल की बिरयानी कैसे बनाएं?

कटहल की बिरयानी बनाने के लिए क्या-क्या चीजें चाहिए?

कटहल बिरयानी बनाने के लिए आपको कुछ आसान लेकिन खुशबूदार सामग्री की जरूरत होती है, जो इस डिश के टेस्ट बढ़ाती हैं. इसमें मुख्य रूप से कटा हुआ कटहल और आधे पके

हुए चावल चाहिए होते हैं, जो बिरयानी का बेस बनाते हैं. इसके साथ ही प्याज, अदरक-लहसुन पेस्ट, हरी मिर्च और हरा धनिया, मसालों में धनिया पाउडर, जीरा पाउडर, काली मिर्च, लाल मिर्च पाउडर और गरम मसाला, साथ ही काजू, बादाम और केसर की जरूरत होती है.

घर पर कटहल की बिरयानी कैसे बनाएं?

1. घर पर कटहल की बिरयानी बनाने के लिए सबसे पहले कढ़ाही में तेल गर्म करें और कटे हुए प्याज को सुनहरा होने तक अच्छे से तल लें फिर इन्हें निकालकर अलग रख दें.
2. अब उसी कढ़ाही में थोड़ा तेल डालकर कटहल को अच्छे से भून लें, जब तक वह हल्का सुनहरा न हो जाए फिर इसे भी अलग निकाल लें.
3. अब काजू और बादाम को हल्का सा तल लें जिससे उनका टेस्ट और बढ़ जाए.
4. अब कढ़ाही में थोड़ा तेल डालें और उसमें भुना हुआ कटहल डालें. इसके बाद तले हुए प्याज मिलाएं. अब इसमें लाल मिर्च पाउडर, जीरा पाउडर, काली मिर्च, हरी मिर्च, केसर और नमक डालें. साथ ही सबको अच्छे से मिक्स करें फिर अदरक-लहसुन पेस्ट और नींबू का रस डालकर मिलाएं.
5. अब इसमें थोड़ा पानी डालें और धीमी आंच पर 15-20 मिनट तक पकने दें, जिससे मसाला अच्छी तरह से तैयार हो जाए.
6. अब एक पैन लें और उसमें सबसे पहले चावल की एक लेयर डालें फिर कटहल मसाले की लेयर, अब दोबारा चावल और फिर मसाला, लास्ट में ऊपर से चावल की लेयर डालें.
7. अब ऊपर से केसर, काजू और बादाम, तला हुआ प्याज डालें. अब पैन को ढक कर 15-20 मिनट धीमी आंच पर पकाएं.
8. जब बिरयानी तैयार हो जाए, तो ऊपर से हरा धनिया डालकर गरमा-गरम सर्व करें.

ब्लैडर कैंसर के खतरे को छह गुना तक बढ़ा देती है ये आदत

कैंसर दुनियाभर में तेजी से बढ़ती बीमारी है, जिसके कारण हर साल लाखों लोगों की मौत हो जाती है। ब्लैडर यानी मूत्राशय के कैंसर के मामलों में भी वैश्विक स्तर पर उछाल देखा जा रहा है। ब्लैडर कैंसर, मूत्राशय की कोशिकाओं में शुरू होता है। अगर आपके पेशाब से खून आता है, पेशाब करने में दर्द होता है या फिर बार-बार पेशाब जाने की जरूरत महसूस होती है तो इसे ब्लैडर कैंसर का संकेत माना जा सकता है।

ब्लैडर कैंसर के बढ़ते जोखिमों और इसके कारणों को समझने के लिए किए गए अध्ययन में वैज्ञानिकों ने धूम्रपान को इसका प्रमुख जोखिम कारक माना है। विशेषज्ञों का कहना है कि हाल के वर्षों में निदान किए गए इस कैंसर के 50-60 फीसदी मामलों की प्रमुख वजह भी धूम्रपान है।

धूम्रपान के कारण खतरा

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, धूम्रपान की आदत मूत्राशय के कैंसर के खतरे को छह गुना तक बढ़ देती है। सिगरेट पीने से मूत्र

में हानिकारक रसायन जमा होने से मूत्राशय कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। जब आप धूम्रपान करते हैं, तो आपका शरीर धुएं में मौजूद रसायनों को संसाधित करता है और उनमें से कुछ को आपके मूत्र में उत्सर्जित करता है। ये हानिकारक रसायन आपके मूत्राशय की परत को नुकसान पहुंचा सकते हैं, जिससे आपके कैंसर का खतरा बढ़ सकता है।

जोखिम कारकों को भी जानना जरूरी

धूम्रपान के कारण ब्लैडर कैंसर का जोखिम तो बढ़ता ही है इसके अलावा भी कई अन्य जोखिम कारक हैं जिनको लेकर सभी लोगों को गंभीरता से ध्यान देते रहने की जरूरत होती है। उम्र बढ़ने के साथ मूत्राशय कैंसर का जोखिम बढ़ जाता है, हालांकि यह किसी भी उम्र में हो सकता है।

इसके लक्षणों की पहचान?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कैंसर कोई भी हो, अगर इसके लक्षणों की समय पर पहचान होकर इलाज शुरू हो जाए तो कैंसर के फैलने का खतरा कम हो सकता है। अगर आपको लगता है कि आपके पेशाब का रंग कुछ समय से बदला दिख रहा है, उसमें खून आ रहा है तो शीघ्रता से डॉक्टर से मिलकर इसकी जांच करवाएं। पेशाब में होने वाली समस्याओं के साथ कुछ लोगों को अक्सर पीठ में दर्द की दिक्कत भी बनी रहती है।

ब्लैडर कैंसर के जोखिमों से बचाव

मूत्राशय कैंसर को रोकने का कोई सटीक तरीका नहीं है, फिर भी आप अपने जोखिम को कम करने में मदद के लिए कुछ प्रयास कर सकते हैं। अगर आप धूम्रपान करते हैं, तो इसे तुरंत छोड़ दें। धूम्रपान छोड़ने से आप इस कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम कर सकते हैं। धूम्रपान के अलावा जो लोग रसायनों के अधिक संपर्क में रहते हैं उनमें भी कैंसर विकसित होने का खतरा अधिक देखा जाता है।

आहार में विभिन्न प्रकार के रंगीन फलों और सब्जियों को शामिल करना शरीर को स्वस्थ रखने और कैंसर के खतरे से बचाव करने का एक तरीका हो सकता है। फलों और सब्जियों में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट कैंसर के जोखिमों को कम करने में मदद कर सकते हैं।

कान में खुजली सर्दी, फ्लू, एलर्जी का लक्षण कब बनता है जोखिम

कान में खुजली एक आम समस्या है, जिसे कई लोग गैरजरूरी मानकर अनदेखा कर देते हैं। कुछ मामलों में यह एलर्जी या अपर रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन (URI) जैसी समस्याओं का शुरुआती संकेत हो सकता है। कई लोग ये मानते हैं कि कान में खुजली होना सर्दी, फ्लू या एलर्जी का शुरुआती संकेत है, लेकिन हर बार ऐसा हो ये जरूरी नहीं।

कान में खुजली को अक्सर अपर रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन (URI) यानी नाक, गले और साइनस का वायरल या बैक्टीरियल इन्फेक्शन का शुरुआती संकेत मान लिया जाता है। इसमें सर्दी-जुकाम, गले में खराश, नाक बहना और हल्की खांसी जैसे लक्षण देखे जा सकते हैं। सर्दी या फ्लू के दौरान अपर रेस्पिरेटरी एरिया में सूजन आ जाती है।

कान, नाक और गला आपस में जुड़े होते हैं, इसलिए यह सूजन ईयर कैनाल या यूस्टेशियन ट्यूब तक फैल सकती है। इससे हल्की खुजली या कान में भारीपन महसूस हो सकता है। एलर्जी की स्थिति में शरीर हिस्टामाइन छोड़ता है, जिससे नाक, गले और कान के अंदर भी खुजली होती है।

कानों में खुजली कभी-कभी सर्दी या एलर्जी का शुरुआती संकेत हो सकता है, लेकिन हर केस में इसका कारण एक जैसा नहीं हो सकता। इस लेख में हम कान में खुजली के कारण और बचने के उपाय बता रहे हैं।

कान में खुजली के कारण

कान में खुजली सिर्फ नाक, गले और साइनस के वायरल या बैक्टीरियल इन्फेक्शन के कारण नहीं होती इसके अन्य कारण भी हो सकते हैं। आमतौर पर कान में खुजली के ये कारण हो सकते हैं-

ईयर कैनाल में सूखापन- कान का मैल (cerumen) ईयर कैनाल यानी कान की नलिका को नम रखने और इन्फेक्शन से बचाने में मदद करता है। जब यह मैल ज्यादा सफाई या स्किन प्रॉब्लम के कारण कम हो जाता है, तो कान के अंदर की त्वचा सूख जाती है और उसमें खुजली होने लगती है।

फंगल इन्फेक्शन- जिन जगहों पर ह्यूमिडिटी और गर्मी ज्यादा होती है वहां के लोगों में कान में खुजली की समस्या हो सकती है। ऐसी जगहों के लोग गर्मी से राहत पाने के लिए स्विमिंग करते हैं, जिससे कान में पानी जाने की संभावना बढ़ जाती है। इससे कान में खुजली के साथ बेचैनी, डिस्चार्ज या दुर्गंध भी आ सकती है।

एलर्जी- ये भी कान में खुजली का एक प्रमुख कारण है। धूल, पराग, हेयर प्रोडक्टस के संपर्क में आने या लंबे समय तक ईयरफोन और हियरिंग एड्स का उपयोग

करने से भी कान की नलिका में जलन और खुजली हो सकती है।

कॉटन बड्स का उपयोग- बार-बार कॉटन बड्स का उपयोग करना या कान में कोई वस्तु डालना अंदर की नाजुक त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसा करने से कान में खुजली, जलन और कभी-कभी इन्फेक्शन भी हो सकता है।

कान में खुजली से बचने के लिए क्या करें ?

खुजली होने पर कॉटन बड्स या कोई अन्य चीज कान में डालना हानिकारक हो सकता है। इससे कानों में चोट या इन्फेक्शन का जोखिम बढ़ सकता है। अगर एलर्जी के कारण कान में खुजली हो रही है तो ऐसी चीजों से दूर रहें। कानों में खुजली से बचने के लिए ये तरीके अपनाए जा सकते हैं-

कानों को सूखा रखें, खासकर नहाने या तैरने के बाद

कान के बाहरी हिस्से को साफ तौलिए से पोंछें

ईयरफोन या ईयरबड्स का इस्तेमाल कम करें

एलर्जी पैदा करने वाली चीजों से बचें

कानों के लिए कौन सी आदतें हानिकारक ?

कई लोग अनजाने में गलत आदतें अपनाकर कान में खुजली की समस्या को बढ़ा देते हैं। इससे कान की प्राकृतिक सुरक्षा हटती है, स्किन को नुकसान पहुंचता है और इन्फेक्शन का खतरा बढ़ सकता है। कानों की सुरक्षा के लिए ये आदतें हानिकारक हैं-

बार-बार उंगलियों से कान खुजलाना

कान में तेल या अन्य चीजें डालना

एक्सपर्ट से सलाह लिए बिना खुद दवा या ईयर ड्रॉप्स का उपयोग करना

कान साफ करने के लिए कॉटन बड्स, पिन, चाबी या किसी नुकीली चीज का इस्तेमाल करना

कानों के लिए कौन सी स्थितियां नुकसानदायक?

कानों में कभी-कभार खुजली होना आम बात है, लेकिन खुजली लगातार बढ़ने लगे तो ये नॉर्मल नहीं है। निम्नलिखित लक्षण दिखाई दें तो उन्हें नजरअंदाज न करें और कानों की जांच कराएं-

कानों में लगातार खुजली

कान बंद होने का एहसास

कानों में दर्द या जलन

कान के आसपास सूजन

सुनने में परेशानी

कान बहना

कानों में खुजली को नजरअंदाज न करें

कई बार कानों में खुजली मामूली परेशानी लग सकती है, लेकिन लापरवाही के कारण समस्या बढ़ सकती है। कानों को सुरक्षित रखने के लिए उनकी अच्छी तरह सफाई करें, हानिकारक आदतों से बचें, खुजली और अन्य लक्षणों पर ध्यान दें। खुजली या अन्य कोई समस्या बढ़ने लगे तो तुरंत जांच कराएं।

टैरिफ की जगह अब इंपोर्ट टैक्स लगाएंगे ट्रंप

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद चला नया दांव, भारत पर क्या असर?

नई दिल्ली,29 अप्रैल(एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पसंदीदा टैरिफ (आयात शुल्क) को सुप्रीम कोर्ट द्वारा असंवैधानिक घोषित किए जाने के बाद अब एक नया रास्ता निकाला है। ट्रंप प्रशासन अब उन स्टॉपगैप (अस्थायी) टैक्स को स्थायी टैरिफ में बदलने की कोशिश कर रहा है, जिनकी समय सीमा अगले तीन महीनों में खत्म होने वाली है। अमेरिकी खजाने में रेवेन्यू का प्रवाह बनाए रखने और अमेरिकी अर्थव्यवस्था के चारों ओर एक संरक्षणवादी दीवार खड़ी करने के लिए प्रशासन युद्धस्तर पर काम कर रहा है। ट्रंप प्रशासन को उन अस्थायी 10% टैरिफ को बदलने के लिए 24 जुलाई तक का समय है, जो सुप्रीम कोर्ट के फैसले के तुरंत बाद लगाए गए थे।

इसमें नाइजीरिया से लेकर नॉर्वे तक की 60 अर्थव्यवस्थाओं की जांच की जा रही है, जो अमेरिका के कुल आयात का 99% हिस्सा हैं। इसका उद्देश्य यह देखना है कि क्या ये देश जबरन श्रम से बने प्रोडक्ट के व्यापार को रोकने के लिए पर्याप्त कदम उठा रहे हैं। यूएसटीआर जैमीसन ग्रीर के अनुसार, अमेरिकी कंपनियां उन विदेशी उत्पादकों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकतीं जो जबरन श्रम के जरिए लागत कम करते हैं।

अगले हफ्ते चीन, यूरोपीय संघ और जापान सहित 16 व्यापारिक भागीदारों की जांच होगी। आरोप है कि ये देश वस्तुओं का जरूरत से ज्यादा उत्पादन कर रहे हैं, जिससे कीमतें गिर रही हैं और अमेरिकी निर्माताओं को नुकसान हो रहा है। ये देश अमेरिका के 70% आयात के लिए जिम्मेदार हैं।

क्यों रद्द हुए थे पुराने टैरिफ?

दो महीने पहले फरवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के पुराने टैरिफ को रद्द कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया है। ट्रंप ने 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) का इस्तेमाल करके भारत समेत लगभग हर देश पर भारी टैक्स थोप दिया था। अदालत ने फैसला सुनाया कि आईईईपीए का उपयोग टैरिफ लगाने के लिए नहीं किया जा सकता। अब सरकार को आयातकों को वह पैसा रिफंड करना पड़ रहा है।

सुप्रीम कोर्ट से झटका लगने के बाद ट्रंप अब 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 301 का सहारा ले रहे हैं। इस कानून के तहत टैरिफ की दर पर कोई सीमा नहीं है। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में चीन के खिलाफ इसी कानून का इस्तेमाल किया था, जिसे अदालती चुनौती मिलने के बावजूद बरकरार रखा गया था। ये टैरिफ 4 साल तक प्रभावी रहते हैं और इन्हें आगे भी बढ़ाया जा सकता है।

क्या पड़ेगा नए टैक्स का असर?

आलोचक अमेरिका की इन जांचों को एक दिखावा बता रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार ने पहले ही तय कर लिया है कि वे टैरिफ लगाएंगे, जांच तो बस एक औपचारिकता है।इन टैक्सों का सीधा बोझ अमेरिकी उपभोक्ताओं पर पड़ेगा, क्योंकि आयातक ऊंची कीमतों के रूप में इसका बोझ आम जनता पर डालेंगे। नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले, महंगी वस्तुओं से परेशान जनता के बीच इस नए टैक्स का भारी विरोध हो सकता है।

अगर ट्रंप नया टैक्स इंपोर्ट टैक्स लाते हैं तो इसका असर भारत पर भी दिखाई दे सकता है। ट्रंप के टैरिफ में सबसे ज्यादा दर वाले देशों में भारत भी था। ट्रंप ने भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लगाया था। ट्रंप ने भारत को लेकर कड़ा रुख दिखाया था। ऐसे में उम्मीद कम है कि ट्रंप इंपोर्ट टैक्स मामले में भारत के प्रति नरम रुख दिखाएंगे। हालांकि भारत अब नए बाजार तलाश रहा है, जिससे निर्यातकों पर अमेरिकी टैक्स का असर कम दिखाई दे सकता है।

अपनी ही कंपनियों के शेयर खरीद रहे हैं दिग्गज

अडानी से लेकर बिड़ला तक ने लगाए हजारों करोड़

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।भारतीय शेयर बाजार में दिलचस्प ट्रेंड देखने को मिल रहा है। जहां पहले प्रमोटर ऊंचे वैल्यूएशन पर हिस्सेदारी बेच रहे थे, वहीं अब वही दिग्गज अपनी ही कंपनियों के शेयर बड़े पैमाने पर खरीद रहे हैं। अडानी से लेकर बिड़ला ग्रुप तक अपनी ही कंपनियों में पैसा डाल रहे हैं।

आखिर इस ट्रेंड के पीछे क्या वजह है और निवेशकों के लिए इसका क्या मतलब है?

दो साल तक लगातार भारी बिकवाली के बाद भारतीय कॉरपोरेट प्रमोटरों ने 2026 में रणनीति बदल दी है। 2024-25 के दौरान जहां प्रमोटरों ने करीब 56 बिलियन की इक्विटी बेचकर ऊंचे वैल्यूएशन का फायदा उठाया, वहीं अब बाजार में गिरावट के बाद उन्होंने यू-टर्न लेते हुए अपनी ही कंपनियों में 4 बिलियन करीब 38 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया है।

दिग्गजों ने की खरीदारी

ब्रोकरेज फर्म जेफरीज की रिपोर्ट के मुताबिक, इस खरीदारी में सबसे आगे अदानी समूह रहा है। समूह की प्रमुख कंपनी अदानी एंटरप्राइजेज ने राइट्स इश्यू के जरिए करीब 2 बिलियन जुटाए, जिसमें प्रमोटरों ने अपनी हिस्सेदारी के अनुपात में निवेश किया। इसी तरह जीएमआर समूह ने भी बड़ा दांव खेला। जीएमआर एयरपोर्ट्स के घरेलू प्रमोटरों ने विदेशी निवेशकों से 7.3% हिस्सेदारी खरीदने के लिए लगभग 1 बिलियन का निवेश किया। यह खरीदारी अलग-अलग तरीकों डायरेक्ट बाय, ऑप्शन और एफसीसीबी बायबैक के जरिए की गई। पावर सेक्टर में जेएसडब्ल्यू एनर्जी के प्रमोटरों ने भी प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट के जरिए 317 मिलियन का निवेश किया, जिससे उनकी हिस्सेदारी में इजाफा हुआ। वहीं आदित्य बिड़ला ग्रुप ने ग्रासिम इंडस्ट्रीज़ के जरिए खुले बाजार से शेयर खरीदकर अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई।

क्यों बढ़ी खरीदारी?

विशेषज्ञों के मुताबिक, इस ट्रेंड के पीछे सबसे बड़ी वजह वैल्यूएशन का सामान्य स्तर पर आना है। 2024-25 में भारतीय बाजार लगभग 22 x पी/ई पर ट्रेड कर रहा था, जो ऐतिहासिक औसत से ऊपर था। ऐसे में प्रमोटरों ने हिस्सेदारी बेचकर मुनाफा कमाया। अब, बाजार में गिरावट के चलते वैल्यूएशन घटकर करीब 20x के आसपास आ गया है, जो लंबी अवधि के औसत के करीब है। इससे प्रमोटरों को अपनी ही कंपनियों के शेयर सस्ते लगने लगे हैं।

किन सेक्टरों में सबसे ज्यादा खरीदारी?

रिपोर्ट के अनुसार, यह खरीदारी मुख्य रूप से एसेट-हैवी सेक्टरों-जैसे पावर, इंफ्रास्ट्रक्चर और रियल एस्टेट में केंद्रित रही है। गोदरेज प्रॉपर्टीज में प्रमोटरों ने सबसे ज्यादा हिस्सेदारी बढ़ाई, जहां करीब 4.5% की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

यूएई का 'मास्टरस्ट्रोक' और भारत की लॉटरी

ओपेक छोड़ने के बाद अब 'रुपये' के भाव आएगा अरबों का तेल!

नई दिल्ली,29 अप्रैल(एजेंसियां)। संयुक्त अरब अमीरात का तेल निर्यातक देशों के संगठन ओपेक प्लस से बाहर निकलना वैश्विक अर्थव्यवस्था और भारत के लिए एक बड़ा गेम-चेंजर साबित हो सकता है। दिग्गजों के मुताबिक इससे ना केवल अमेरिकी डॉलर का दबदबा कम होगा, बल्कि यूएई के साथ तेल का व्यापार रुपया में हो सकता है। दिग्गजों ने इसे भारत के लिए सकारात्मक कदम बताया है।

कोटक सिक्योरिटीज के अनुसार, इस कदम से न केवल वैश्विक तेल की कीमतों में गिरावट आ सकती है, बल्कि भारत और यूएई के बीच रुपये में तेल के व्यापार को भी जबरदस्त मजबूती मिलेगी। कोटक सिक्योरिटीज के करेंसी और कमोडिटी रिसर्च हेड, अनिंद्य बनर्जी ने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में आपूर्ति सामान्य होते ही इस फैसले का असर दिखने लगेगा। बनर्जी के मुताबिक ओपेक के समझौतों की वजह से यूएई अपनी पूरी क्षमता से तेल उत्पादन नहीं कर पा रहा था।

संगठन से बाहर आने के बाद यूएई अपनी अतिरिक्त क्षमता का उपयोग कर सकेगा, जिससे तेल की कीमतें नीचे गिरेंगी। यूएई का लक्ष्य साल 2027 के अंत तक 50 लाख बैरल प्रतिदिन उत्पादन तक पहुंचना है। यह वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 3 से 4 प्रतिशत हिस्सा है। इस कदम से अमेरिकी डॉलर के वर्चस्व को चुनौती मिलेगी। इसे वैश्विक स्तर पर डी-डॉलरलाइजेशन (डॉलर पर निर्भरता कम करना) की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

भविष्य में तेल का व्यापार डॉलर के बजाय रुपये, युआन और अन्य स्थानीय मुद्राओं में बढ़ेगा। अडानी ग्रीन एनर्जी के कार्यकारी निदेशक सागर अडानी कहा कि ओपेक और ओपेक प्लस से बाहर निकलने का यूएई का कोई भी संभावित कदम भारत के लिए नेट पॉजिटिव यानी कुल मिलाकर फायदेमंद साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक बाजार के दृष्टिकोण से इसका असर क्या होगा, यह समय बताएगा। इस दौरान उन्होंने आर्थिक मजबूती के लिए ऊर्जा की केंद्रीय भूमिका पर भी जोर दिया। अडानी ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर इस कदम का असर क्या होगा, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन भारत और यूएई के बीच मजबूत भू-राजनीतिक संबंध भारत के पक्ष में काम कर सकते हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इस सदी में किसी भी देश की मजबूती और लचीलापन इस बात से तय होगा कि उसकी किफायती और भरोसेमंद ऊर्जा तक कितनी पहुंच है।

तेल कंपनियों को हो सकता है 80 हजार करोड़ का घाटा

क्या बढ़ने वाले हैं पेट्रोल-डीजल के दाम?

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए के मुताबिक, अगर मौजूदा हालात ऐसे ही बने रहे तो एफवाई2027 में एलपीजी पर तेल कंपनियों का घाटा (अंडर-रिकवरी) करीब 80,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इसकी बड़ी वजह पश्चिम एशिया में चल रहा तनाव और सप्लाई में दिक्कतें हैं, जिससे कीमतें लगातार ऊंची बनी हुई हैं।

तेल कंपनियों पर दबाव क्यों बढ़ रहा है?

आईसीआरए के सीनियर अधिकारी प्रशांत वशिष्ठ ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने के बावजूद पेट्रोल-डीजल के दाम ज्यादा नहीं बढ़ाए गए हैं।

इससे तेल मार्केटिंग कंपनियों की कमाई पर असर पड़ रहा है। अगर कच्चे तेल की कीमत 120125 डॉलर प्रति बैरल रहती है, तो पेट्रोल पर करीब 14 प्रति लीटर और डीजल पर 18 प्रति लीटर तक नुकसान हो सकता है।

एलपीजी महंगी, लेकिन कंपनियों को पूरा पैसा नहीं मिल रहा

पश्चिम एशिया से एलपीजी सप्लाई प्रभावित होने के कारण इसकी अंतरराष्ट्रीय कीमतें बढ़ गई हैं। भारत ने अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया से सप्लाई बढ़ाने की कोशिश की है, लेकिन घरेलू एलपीजी पर कंपनियों को अभी भी नुकसान हो रहा है।

होरमुज़ जलडमरूमध्य का असर

होर्मुज स्ट्रेट में दिक्कतों की वजह से तेल और गैस की सप्लाई पर असर पड़ा है। इसका असर सिर्फ तेल कंपनियों पर ही नहीं, बल्कि फर्टिलाइज़र, केमिकल और सिटी गैस जैसे कई सेक्टर्स पर भी पड़ रहा है।

खाद सेक्टर में भी बढ़ा दबाव

अमोनिया और सल्फर जैसे कच्चे माल महंगे हो गए हैं, जिससे खाद बनाने की लागत बढ़ गई है। यूरिया के लिए गैस की कीमत भी 13 से बढ़कर करीब 19 प्रति एमएमबीटीयू हो गई है। आईसीआरए का अनुमान है कि एफवाई2027 में खाद सब्सिडी 2.05 से 2.25 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है, जो बजट से ज्यादा है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय
सूर्य	मेष	मे	मेष......05-03 बजे
चंद्र	कन्या	मे	वृष..... 06-47 बजे
मंगल	मीन	मे	मिथुन..08-47 बजे
बुध	मीन	मे	कर्क.... 11-00 बजे
गुरु	मिथुन	मे	सिंह---- 13-12 बजे
शुक्र	वृष	मे	कन्या---15-18 बजे
शनि	मीन	मे	तुला----17-24 बजे
राहु	कुंभ		वृश्चिक.19-33 बजे
केतु	सिंह	मे	धनु......21-47 बजे
			मकर....23-54 बजे
			कुंभ..... 01-44 बजे
			मीन..... 03-23 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 05-54
भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्यास्त. 18 -32
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - वैशाख शुक्ल पक्ष गुरुवार 30 April 2026
तिथि - चतुर्दशी 21-12 रात्री तक उपरान्त पूर्णिमा
नक्षत्र - चित्रा 00-16 रात्री तक उप स्वाति
योग - वज्र 20-54 रात्री तक उप सिद्धी
करण - गर 08-29 तक उप वणिज

विशेष: श्री नरसिंह चतुर्दशी व्रत
श्री छिन्नमस्ता जयंती

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-49 से 15-24 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05-54 - 07-27	शुभ	अमृत	18-32 - 19-59	शुभ
रोग	07-27 - 09-03	अशुभ	चंचल	19-59 - 21-24	शुभ
उत्पात	09-03 - 10-38	अशुभ	रोग	20-24 - 22-49	अशुभ
चंचल	10-38 - 12-14	शुभ	काल	22-49 - 00-13	अशुभ
लाभ	12-14 - 13-49	शुभ	लाभ	00-14 - 01-38	शुभ
अमृत	13-49 - 15-24	शुभ	उत्पात	01-38 - 03-02	अशुभ
काल	15-24 - 16-59	अशुभ	शुभ.	03-02 - 04-27	शुभ
शुभ	16-59 - 18-32	शुभ	अमृत	04-27 - 05-54	शुभ

आज सोना-चांदी के दाम में तेजी

चांदी 2,370 महंगी होकर 2.39 लाख किलो पर पहुंची, 10 ग्राम सोना 1.49 लाख का हुआ

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 29 अप्रैल को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 39 रुपए महंगा होकर 1,48,821 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले इसकी कीमत 1,48,782 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं एक किलो चांदी 2,370 रुपए महंगी होकर 2,38,911 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले 28 अप्रैल को इसकी कीमत 2,36,541 लाख रुपए प्रति किलो थी। 2026 में सोना अब तक 18 हजार रुपए महंगा हुआ है।

31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.49 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इस साल चांदी 10 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब बढ़कर 2.39 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

शेयर बाजार में हरियाली, सेंसेक्स 609 अंक चढ़कर बंद हुआ, निफ्टी 24150 के पार

मुंबई,29 अप्रैल(एजेंसियां)। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार में शानदार रिकवरी देखने को मिली है। शुरुआती कारोबार में भारी उछाल के बाद, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के दबाव के बावजूद दोनों प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। इस रिकवरी से निवेशकों को बड़ा फायदा हुआ है और बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में लगभग 2 लाख करोड़ रुपये की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे यह आंकड़ा बढ़कर 469 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। कारोबारी सत्र की शुरुआत काफी आक्रामक रही, जब सेंसेक्स 1,000 से अधिक अंक उछला और निफ्टी ने 24,300 का अहम स्तर पार कर लिया था, जिससे शुरुआती दौर में बाजार पूंजीकरण करीब 5 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया था। हालांकि, दोपहर तक ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों के 115 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंचने के कारण बाजार ने अपनी लगभग आधी शुरुआती बढ़त गंवा दी। तमाम उतार-चढ़ाव के बाद कारोबारी दिन के अंत में सेंसेक्स 609.45 अंक (0.79%) की तेजी के साथ 77,496.36 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 181.95 अंक (0.76%) मजबूत होकर 24,177.65 के स्तर पर पहुंच गया। एफएमसीजी, ऑटो और दूरसंचार शेयरों में खरीदारी और एशियाई बाजारों में तेजी के चलते बुधवार को इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग 1 प्रतिशत की उछाल आई। व्यापारियों ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव में संभावित कमी के संकेतों ने भी शेयर बाजारों को मदद पहुंचाई। सेंसेक्स में सूचीबद्ध कंपनियों में आईटीसी, टेक महिंद्रा, मारुति, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल और महिंद्रा एंड महिंद्रा सबसे बड़े लाभ कमाने वाले शेयरों में शामिल थे। इसके विपरीत, इंटरग्लोब एविएशन, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व और आईसीआईसीआई बैंक पिछड़ने वालों में शामिल थे। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति ने वित्त वर्ष 2026 में 14,679.5 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड वार्षिक समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1.24 प्रतिशत की वृद्धि है। यह वृद्धि जीएसटी दर में कमी के कारण कंपनी की अब तक की सबसे अच्छी वार्षिक बिक्री (24.22 लाख यूनिट से अधिक) पर आधारित है। इसके बाद कंपनी के शेयरों में 2.82 प्रतिशत की तेजी आई। हरिप्रसाद के, रिसर्च एनालिस्ट और लिवेलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक ने कहा, आज की मजबूती का मुख्य कारण आय रही। प्रमुख कंपनियों के मजबूत परिणामों ने घरेलू मांग और बैलेंस शीट की मजबूती में विश्वास को और मजबूत किया। इस मूलभूत समर्थन के साथ-साथ भू-राजनीतिक चिंताओं में कमी आने से बाजारों का ध्यान मैक्रो तनाव से हटकर कॉर्पोरेट प्रदर्शन की ओर केंद्रित हो गया। उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव में संभावित कमी की उम्मीदों ने कच्चे तेल की उम्मीदों को स्थिर करने में मदद की, जो भारत के व्यापक आर्थिक दृष्टिकोण के लिए महत्वपूर्ण है। यूरोपीय बाजारों में गिरावट देखी गई। अमेरिकी बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला,ली, लू , ले,लो,अ,)
आपको कोई अप्रत्याशित खुशखबरी मिलेगी । यह आपके करियर या निजी जीवन से जुडी हो सकती है लेकिन इससे आपको वित्तीय लाभ भी होंगें । इससे आपको भविष्य में भी इसी प्रकार के लाभ उठाने का रास्ता दिखाई देगा । आप आज बहुत अच्छे मूड में हैं और आपकी आशावादिता और खुशमिजाजी से सभी प्रभावित होंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
ग्रहों की स्थिति कुछ ऐसी बन रही है की आपको सुधार करने एवं स्वस्थ होने का विशेष अवसर मिलने वाला है । आप भूतकाल में की हुई अपनी किसी गलती को स्वीकार कर लेंगे और सामने वाले को संतुष्ट करने में कामयाब रहेंगे । ऐसा करके आप अपने दिल से काफी बड़ा बोझ उतार पायेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
दिन शुरुआत में बहुत अच्छा,बाद में थोडा व्यस्त रह सकता है । घर पर कोई बीमार पड़ सकता है और आपको अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद उनकी देखभाल के लिए समय निकालना होगा । आपको सहकर्मियों या दोस्तों से खुशी मिलेगी और आप आने वाले समय में उनके साथ समय बिताने की योजनायें बना सकते हैं ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं । यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे । आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है । उनके साथ अच्छा समय बिताएं । यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है ।अगले सप्ताह यात्रा कर सकते हैं ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज के दिन आप अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे । अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे । आपके लिए रोमांचक समय है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज का दिन आपके लिए विशेष हो सकता है । आपके दृष्टिकोण में आज कोई नया आयाम जुड़ेगा या आप किसी अपरिचित व्यक्ति के दृष्टिकोण से अत्यधिक प्रभावित होंगे । आपको यह सीख मिलेगी कि अपना भविष्य तय करने में तथा अपनी जिंदगी में फिलहाल चल रही समस्या से जूझने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आप०को ही निभानी है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
पिछले काफी समय से जिस अटके काम को करने की सोच रहे हैं वह आज होने की उम्मीद है । खासी शारीरिक मेहनत करनी पड़ सकती है । आज सामाजिक और वित्तीय दृष्टि से भी लाभ प्राप्त होने की उम्मीद है। अपने प्रियजनों से किसी भी प्रकार के टकराव से बचें । सितारे कहते हैं की यदि आज कोई भी टकराव हुआ तो तुरंत बात बढ़ जायेगी ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
अपने जीवन पर नियंत्रण रखें और और सब के कहने या कुछ करने की कोई भी परवाह ना करें । इसके स्थान पर आराम से खुद की इच्छाओं और आवश्यकताओं को समझने की कोशिश करें और उन का विश्लेष्ण करें ताकि किसी स्पष्ट निष्कर्ष पर पहुंच सकें । इस बात का विशेष ध्यान रखें की आपके फैसले से ऐसी किसी व्यक्ति को दुःख न हो जो आप पर भावनात्मक रूप से निर्भर है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप साझेदारी के अंतर्गत घर और ऑफिस दोनों ही में बहुत अच्छा काम करेंगे । यदि अकेले काम करेंगे तो अस्पष्ट और असंभव सी लगने वाली मुसीबतों में फंस सकते हैं । टीम के रूप में काम करने पर ये बाधाएं परेशान नही करेंगी । आपसी सहयोग से आज आप किसी भी प्रयास में सफलता हासिल कर पायेंगे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप दृढ निश्चय वाले इंसान हैं और आप एक बार कोई काम शुरू कर दें तो पूरी मेहनत से उसे पूरा करते हैं। आप औरों के कहने पर नही जाते, आप वह भी करने की क्षमता रखते हैं जो दुसरे कभी नही कर सकते ,इसीलिए आप उनसे आगे हैं । अपना यह नजरिया हमेशा बनाये रखें तो आप उन मंजिलों पर भी पहुँच सकते हैं जो दुसरे सोच भी नही सकते ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज का दिन परिवार के साथ बिताने के लिए विशेष रूप से अच्छा है । अपने माता –पिता,बहन- भाइयो या फिर जीवनसाथी के साथ शांति से कुछ वक़्त बिताएं ।अपने बच्चों के साथ किसी मनोरंजक क्रियाकलाप में भाग लें । अगर काम का दबाव अधिक भी है तो भी आज उसे एक तरफ रख दें और एक साथ होने का आनंद लें ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दें, दो, चा,ची)
आज आप किसी बड़े सम्मेलन या सेमिनार की मेजबानी कर सकते हैं लेकिन आपके मनचाहे समय पर स्थान की उपलब्धता के कारण हुई हल्की सी ग़लतफ़हमी से आपको शर्मिंदगी महसूस होगी और आपको कार्यक्रम रद्द करना पड़ सकता है । आपको ऐसे समय में शांति बनाये रखनी होगी और सकारात्मक कोशिशें करते रहनी होंगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सेंट्रल बैंकों के पास है दुनिया का केवल 17% सोना

किसकी तिजोरी में भरा है बाकी गोल्ड?

नई दिल्ली,29 अप्रैल(एजेंसियां)। सोने की कीमत में पिछले साल काफी तेजी आई और इस साल भी जनवरी में इसमें काफी तेजी देखने को मिली। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि केंद्रीय बैंकों ने हाल के वर्षों में सोने की रेकॉर्ड खरीद की है।

भारत, चीन, पोलैंड और कजाकस्तान जैसे कई देशों के सेंट्रल बैंकों ने काफी मात्रा में सोना खरीदा है।

इसके बावजूद अब तक जितना भी सोना निकाला गया है, उसका केवल 17 फीसदी सोना ही सेंट्रल बैंकों के खजाने में जमा है। सवाल उठता है कि बाकी 83 फीसदी सोना कहां है? एक अनुमान के मुताबिक दुनिया में अब तक 216,265 टन सोना निकाला जा चुका है। इसमें से दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों के पास 38,666 टन सोना जमा है। अमेरिका के पास सबसे ज्यादा 8,134 टन सोना है जो उसके कुल विदेशी मुद्रा भंडार का 84.2 फीसदी है।

इसी तरह जर्मनी के पास 3350 टन, इटली के पास 2437 टन, रूस के पास 2327 टन और चीन के पास 2306 टन सोना है। स्विट्जरलैंड के पास 1040 टन और भारत के केंद्रीय बैंक के पास 880 टन सोना है।

किसने खरीदा सोना?

एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच साल में यानी 2020 से 2025 के बीच चीन ने सबसे ज्यादा 357.1 टन सोना खरीदा है।

इसके बाद पोलैंड ने 314.6 टन सोने की खरीदारी की है। तुर्की ने 251.8 टन सोना खरीदा है लेकिन हाल में उसके काफी सोना बेचा है। भारत ने पिछले पांच साल में 245.3 टन सोना खरीदा। इसके अलावा ब्राजील, अजरबैजान, जापान, थाईलैंड, हंगरी, सिंगापुर, इराक, कतर, चेक गणराज्य, रूस और यूएई ने काफी सोना खरीदा है।

भारत में कितना सोना?

जूलरी के रूप में लोगों के पास 97,645 टन सोना है जो अब तक निकाले गए सोना का करीब 43 फीसदी है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय घरों और मंदिरों में करीब 50,000 टन सोना रखा हुआ है जिसकी कीमत करीब 10 ट्रिलियन डॉलर है। दुनिया में इनवेस्टमेंट रिलेटेड होल्डिंग्स के रूप में 50,978 टन सोना मौजूद है जो कुल सोना के 23 फीसदी है। इनमें बार, कॉइन और ईटीएफ शामिल हैं। बाकी 32,602 टन सोना अन्य कैटगरी में आता है। इनमें इंडसट्रियल यूज और प्राइवेट रिजर्व शामिल है।

सफर में नहीं लगेंगे झटके, टॉयलेट भी होंगे चकाचक

नए अवतार में दिखेंगी शताब्दी ट्रेनें, जानें क्या-क्या होगा खास

नई दिल्ली,29 अप्रैल(एजेंसियां)। शताब्दी और जन शताब्दी ट्रेनों का जल्द ही कायाकल्प होने वाला है। रेलवे इन ट्रेनों में बड़े सुधार की तैयारी में है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक इन दोनों ट्रेनों के ना केवल टॉयलेट में सुधार होगा, बल्कि कोच के अंदर भी लग्जरी जैसा फील होगा। साथ ही ट्रेन में सफर करते हुए झटके भी कम लगेंगे। इसके लिए रेलवे ने इन दोनों ट्रेनों में अपग्रेडेशन का प्लान बनाया है। रेलवे बोर्ड ने सभी जोन के अधिकारियों को इस बारे में पत्र लिखा है। इसमें बोर्ड ने ट्रेनों के रेक (का विस्तृत निरीक्षण करने और कमियों को दूर करने के लिए एक अल्पकालिक कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया है। रेलवे का मकसद इन ट्रेनों में यात्रियों के सफर को ज्यादा बेहतर और सुरक्षित बनाना है। साथ ही यात्रियों को वंदे भारत जैसी ट्रेन वाला प्रीमियम फील देना है। रेलवे के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि कुल 50 शताब्दी और जन शताब्दी ट्रेनों को अपग्रेड किया जाएगा। यह रेलवे की मौजूदा ट्रेनों के आधुनिकीकरण की पहल का हिस्सा है। इस अपग्रेडेशन में कितना खर्च आएगा, अभी इसे लेकर कुछ तय नहीं किया गया है। अधिकारी के मुताबिक क्षेत्रीय रेलवे इस प्रोजेक्ट को लागू करेंगे। उन्हें ऑडिट करने, कमियों की पहचान करने और सुधारात्मक उपाय लागू करने के लिए कहा गया है। रेलवे का उद्देश्य पुरानी पड़ रही प्रीमियम ट्रेनों को 'वंदे भारत' जैसी आधुनिक ट्रेनों के स्तर पर लाना है।

मानेसर कांड पर सियासी वार; मदन राठौड़ ने कसा तंज

बोले- गहलोत की नजर में सचिन पायलट आज भी 'बच्चा'

जयपुर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में एक बार फिर मानेसर कांड को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर खुलकर सामने आ रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौर ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हालिया बयान पर तीखा तंज कसते हुए कांग्रेस की आंतरिक स्थिति पर सवाल खड़े किए हैं।

गहलोत की नजर में पायलट आज भी बच्चा- मदन राठौड़

मीडिया से बातचीत में राठौड़ ने कहा कि गहलोत का बयान यह दर्शाता है कि वे आज भी सचिन पायलट को पूरी तरह अपने साथ नहीं मानते। उन्होंने कहा कि केवल सार्वजनिक मंचों पर साथ दिखने और फोटो खिंचवाने से पार्टी के भीतर सब कुछ सामान्य नहीं हो जाता। राठौड़ के अनुसार, गहलोत की नजर में पायलट आज भी 'बच्चा' हैं, जो कांग्रेस में जारी आंतरिक खींचतान और सत्ता संघर्ष को उजागर करता है।

दरअसल, हाल ही में गहलोत ने बयान दिया था कि सचिन पायलट की "दोनों टांगें कांग्रेस में हैं", जिसे उनके समर्थकों ने एकजुटता का संकेत बताया। हालांकि भाजपा ने इस बयान को अलग नजरिए से उठाते हुए इसे भरोसे की कमी का प्रतीक बताया। राठौड़ ने सवाल उठाया कि यदि पायलट पूरी तरह कांग्रेस में हैं, तो फिर इस तरह की टिप्पणी की जरूरत क्यों पड़ी। उन्होंने कहा कि यह बयान खुद ही भ्रम पैदा करता है और पार्टी के भीतर अविश्वास को दर्शाता है।

पायलट को बहुरूपिया बताया

इस विवाद की शुरुआत भाजपा प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल के उस बयान से हुई, जिसमें उन्होंने टोंक में पायलट को 'बहुरूपिया' बताते हुए कहा था कि उनकी एक टांग कांग्रेस में और दूसरी कहीं और रहती है। इस टिप्पणी के बाद कांग्रेस नेताओं ने पलटवार किया, वहीं गहलोत ने पायलट का बचाव करते हुए उन्हें पूरी तरह पार्टी के साथ बताया।

भाजपा ने इस पूरे घटनाक्रम को कांग्रेस के अंदरूनी मतभेद से जोड़ते हुए पायलट के राजनीतिक व्यक्तित्व पर भी सवाल उठाए। राठौड़ ने कहा कि पायलट के कई रूप सामने आए हैं,कभी सौम्य तो कभी आक्रामक। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि अपने पिता राजेश पायलट के सम्मान के मुद्दे पर पायलट ने सख्त रुख अपनाया था, जिससे उनका आक्रामक पक्ष सामने आया।

भाजपा विधायक ने कलेक्टर टीना डाबी को सुनाई खरी-खरी

बोले- भ्रष्टाचार वट वृक्ष की तरह जमा; सख्त कार्रवाई करें

टोंक, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की भजनलाल सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से टोंक जिला कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित ग्राम रथ योजना का शुभारंभ कार्यक्रम उस समय चर्चा में आ गया, जब कार्यक्रम के दौरान ही भ्रष्टाचार को लेकर तीखे सवाल उठने लगे।

भाजपा विधायक ने अपनी ही सरकार को घेरा

भाजपा विधायक रामसहाय वर्मा ने मंच से अपनी ही सरकार के अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि टोंक जिले में भ्रष्टाचार की जड़ें वट वृक्ष की तरह गहरी हो चुकी हैं। उन्होंने एक-दो नहीं बल्कि कई विभागों के अधिकारियों का नाम लेते हुए उन पर भ्रष्टाचार फैलाने का आरोप लगाया।

भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो- भाजपा विधायक

भाजपा विधायक रामसहाय वर्मा ने जिला कलेक्टर टीना डाबी से मांग की कि भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों को केवल नोटिस देने तक सीमित न रहकर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है, लेकिन उसका प्रभाव जिले में स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने के लिए ग्राम रथ अभियान शुरू किया गया है, लेकिन कई बार जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी अपनी ड्यूटी को गंभीरता से नहीं निभाते। कहीं पर अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचते, तो कहीं काम केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है।

जनता की सेवा के लिए सरकारी नौकरी

विधायक रामसहाय वर्मा ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि सरकारी नौकरी जनता की सेवा के लिए होती है, न कि व्यक्तिगत लाभ के लिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कई कार्यालयों में बिना पैसे दिए काम नहीं होता, जिससे आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने प्रशासन से अपील की कि भ्रष्टाचार की जड़ों को खत्म करने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं और यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से जनता तक पहुंचे।

आसाराम को बड़ी राहत

हाईकोर्ट ने अंतरिम जमानत 25 मई तक बढ़ाई

जोधपुर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। यौन उत्पीड़न मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम को एक बार फिर राहत मिली है। राजस्थान हाईकोर्ट ने आसाराम की अंतरिम जमानत की अवधि 25 मई तक बढ़ा दी है।

आसाराम की अंतरिम जमानत अवधि बढ़ाने की अर्जी पर आज हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान कार्यवाहक सीजे एसपी शर्मा, जस्टिस संगीता शर्मा की डिवीजन बैंच ने आसाराम की जमानत अवधि 25 मई तक बढ़ाने के आदेश दिए।

बता दें कि आसाराम को 29 अक्टूबर 2025 को राजस्थान हाईकोर्ट से 6 महीने की राहत मिली थी। लेकिन, 29 अप्रेल को जमानत अवधि खत्म होने से पहले हाईकोर्ट में आसाराम के वकीलों ने प्रार्थना पत्र पेश किया था। जिसमें आसाराम की खराब सेहत का हवाला देते हुए जमानत की अवधि बढ़ाने की मांग की गई थी।

कोर्ट में पेश प्रार्थना पत्र में कहा गया था कि 86 वर्षीय आसाराम का इलाज अभी जारी है और वे पूरी तरह स्वस्थ नहीं हुए हैं, इसलिए उन्हें और समय दिया जाना चाहिए। इस पर आज सुनवाई हुई। कोर्ट ने आसाराम को अब 25 मई तक के लिए राहत दी है।

राजस्थान हाईकोर्ट ने पहली बार आसाराम को अक्टूबर 2025 में जमानत दी थी। कार्यवाहक चीफ जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की डिवीजन बेंच ने जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया था। याचिका मेडिकल आधार पर लगाई गई थी। राजस्थान हाईकोर्ट से आसाराम को पहली बार जमानत मिली है। इससे पहले अंतरिम जमानत खत्म होने के बाद उसने 30 अगस्त 2025 को सरेंडर कर दिया था।

कोई बनियान में, कोई शर्टलैस! 5000 के कमरे को 2.50 लाख में किराये पर लिया था

छापेमारी में छह गिरफ्तार, राज चौंकाने वाला

जोधपुर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में ड्रग्स तस्करी के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई में पुलिस ने एक ऐसे नेटवर्क का पर्दाफाश किया है, जिसे देखकर खुद अफसर भी हैरान रह गए। 5 हजार महीने के किराए वाले अधूरे मकान को गिरोह ने 2.5 लाख में लिया और उसे 'मौत की फैक्ट्री' में बदल दिया। राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने 'ऑपरेशन विषग्रहण' के तहत जोधपुर-जैसलमेर हाईवे के पास बालेसर के एक सुनसान खेत में छापा मारा। यहां एमडी ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री चल रही थी। पुलिस ने जब रेड की तो रात का समय था। कोई बनियान में था तो कोई बिना शर्ट ही काम में जुटा हुआ था। पुलिस ने अंदर का नजारा देखा तो उसके बाद फायरिंग शुरू हो गई थी। पुलिस

के पहुंचते ही तस्करों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में 6 बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों से पूछताछ चल रही है और कई अन्य राज खुल रहे हैं। इस गिरोह का सरगना बाड़मेर का हापू राम है, जो पहले भी कई बार जेल जा चुका है। 2015 से 2018 तक जोधपुर जेल और बाद में उदयपुर में भी वह बंद रहा। जेल से निकलने के बाद उसने अपना अलग नेटवर्क खड़ा किया और पुराने साथियों को जोड़कर सिंथेटिक ड्रग्स का कारोबार शुरू किया। गिरोह में नरेश मुख्य केमिस्ट था, जबकि अर्जुन फैक्ट्री की सुरक्षा संभालता था और उसी ने पुलिस पर फायरिंग की। श्रवण और बुधराम केमिकल मिक्सिंग और डिलीवरी का काम करते थे। नरेंद्र प्रोडक्शन का प्रभारी था, जो पहले हैदराबाद जेल में रह चुका है। पुलिस जांच में सामने आया कि इस नेटवर्क के तार गुजरात और महाराष्ट्र से जुड़े हैं, जहां से केमिकल्स मंगवाए जाते थे। वहीं जोधपुर, सांचोर, बाड़मेर और जालौर के सुनसान इलाकों में ड्रग्स तैयार कर उसे गुजरात के रास्ते महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में भेजा जाता था। बीकानेर के जरिए उत्तर भारत और पंजाब तक इसकी सप्लाई होती थी। तस्करों ने पकड़ से बचने के लिए आईफोन और एनक्रिप्टेड ऐप्स का इस्तेमाल किया, ताकि मोबाइल ट्रैकिंग से बच सकें। करीब डेढ़ महीने की निगरानी के बाद पुलिस ने इस बड़े ऑपरेशन को अंजाम दिया।

पिछले एक साल में राजस्थान में 33 एमडी ड्रग्स फैक्ट्रियां पकड़ी जा चुकी हैं, जिनमें से 31 सिर्फ पश्चिमी राजस्थान के इलाकों में मिली हैं। यह कार्रवाई इस बात का संकेत है कि राज्य में ड्रग्स नेटवर्क तेजी से फैल रहा है, जिस पर पुलिस लगातार शिकंजा कस रही है।

सिटी मॉल में लगी भीषण आग

कोचिंग इंस्टिट्यूट भी कराया खाली, मच गई अफरा-तफरी

कोटा, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। कोटा के झालावाड़ रोड स्थित सिटी मॉल में बुधवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई। यह आग मॉल के पिछले हिस्से में स्थित एक दुकान में लगी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें तेज धुएं के साथ फैलने लगीं। इसका धुआं सिटी मॉल के पास स्थित कोचिंग संस्थान तक पहुंच गया। तुरंत ही कोचिंग संस्थान को खाली करवा लिया और छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना के बाद सिटी मॉल और आसपास के इलाके में भारी अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सड़कों पर लोगों की भीड़ लग गई और मॉल के आसपास के क्षेत्र में भी जाम जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई।

सूचना मिलने पर नगर निगम के अग्निशमन विभाग की 8 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाना शुरू किया। अग्निशमन अधिकारी अमजद खान के अनुसार आग के कारणों की जांच की जा रही है, लेकिन फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है, और केवल धुआं फैल रहा है।

सिटी मॉल में घटना उस वक्त हुई जब अधिकांश शोरूम और दुकानें खुलने की तैयारी कर रही थीं। मॉल में ज्यादा लोग नहीं थे, जिससे किसी प्रकार की बड़ी दुर्घटना नहीं हुई। आग मॉल के एक हिस्से में ही लगी थी, लेकिन उसकी लपटें काफी दूर से देखी जा रही थीं। इससे मॉल के आसपास बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। इस बीच, मॉल प्रबंधन ने जल्दी से लोगों को बाहर निकाला और पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया। कोचिंग संस्थान के कोटा इंचार्ज ने बताया कि वह अपने ऑफिस में मौजूद थे जब उन्हें करीब 10:30 बजे जलने की बदबू आई। उन्होंने बाहर आकर देखा तो सिटी मॉल से आग की लपटें उठ रही थीं।

इसके बाद उन्होंने तुरंत एक्शन लेते हुए बिल्डिंग को खाली करना शुरू कर दिया और सभी बच्चों को क्लास से बाहर निकाला।

प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हालांकि प्रशासन और दमकल विभाग की टीम मामले की गहनता से जांच कर रही है। आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है और जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हाईकोर्ट ने सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति में हो रही देरी पर राज्य सरकार से मांगा जवाब

जयपुर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने 2012 और 2018 की भर्ती प्रक्रियाओं के तहत सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति में हो रही देरी पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है। यह देरी राज्यभर के 309 नगरीय निकायों को प्रभावित कर रही है। न्यायमूर्ति रवि चिरानिया की एकलपीठ ने इंदरराज निदानिया और अन्य द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सरकार को नोटिस जारी किया और तीन सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। अदालत ने कुछ नगर निकायों में नियुक्ति आदेश जारी करने और अन्य में प्रक्रिया लंबित रखने पर सवाल उठाए।

अदालत ने यह स्पष्ट करने को कहा कि क्यों राजाखेड़ा (धौलपुर), कोटा, राजसमंद, टोंक और चुरु में नियुक्तियां की गईं, जबकि अलवर नगर निगम में शुरू की गई प्रक्रिया को अन्य निकायों, जिनमें जयपुर नगर निगम भी शामिल है, तक नहीं बढ़ाया गया।

याचिकाकर्ताओं के वकील अभिनव शर्मा ने बताया कि राज्य में कुल स्वीकृत पदों में से 23,820 सफाई कर्मचारी पद रिक्त हैं, जो जनशक्ति की भारी कमी को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि केवल जयपुर में ही 4,077 पद पिछले 14 वर्षों से खाली हैं, जिससे राजधानी में स्वच्छता सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। याचिकाओं में आरोप लगाया गया कि अधिकांश वाल्मीकि समुदाय से आने वाले उम्मीदवारों को समिति समीक्षा के बहाने लंबे समय तक विलंब का सामना करना पड़ा है, जबकि कुछ क्षेत्रों में चयनात्मक नियुक्तियां की गईं।

यह भी तर्क दिया गया कि 2024 में जयपुर में हुई हड़ताल के बाद शीघ्र नियुक्ति का आश्वासन देने वाले समझौते के बावजूद राज्य ने 2024-25 में भर्ती प्रक्रिया पुनः शुरू करने का प्रयास किया, जिसे बाद में वापस ले लिया गया। याचिकाकर्ताओं ने उच्च न्यायालयों के पूर्व के निर्देशों का हवाला दिया, जिनमें 2017 के ललित कुमार मामले का आदेश शामिल है, जिसमें 2012 की भर्ती प्रक्रिया तीन माह में पूरी करने का निर्देश दिया गया था।

तेज रफ्तार कार का कहर : मालाखेड़ा हादसे में

दो की मौत, अस्पताल पहुंचे टीकाराम जूली

अलवर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले के मालाखेड़ा कस्बे में खौफनाक मंजर देखने को मिला। हल्दीना बाईपास पर शाम करीब 8 बजे एक तेज रफ्तार कार ने ऐसी तबाही मचाई कि दो हँसते-खेलते परिवारों के चिराग बुझ गए। इस दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके में मातम पसरा दिया है।

मालाखेड़ा थाना अधिकारी हरदयाल सिंह यादव ने बताया कि हादसा उस वक्त हुआ जब अलवर की तरफ से आ रही एक कार काफी तेज रफ्तार में थी। सबसे पहले इस बेकाबू कार ने हल्दीना बाईपास पर एक बाइक को जोरदार टक्कर मारी, जिससे बाइक पर सवार दो लोग सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गए। हादसा यहीं नहीं रुका; कार की रफ्तार इतनी ज्यादा थी कि ड्राइवर उस पर काबू नहीं पा सका और कार सड़क किनारे अपनी बाइक के पास खड़े अन्य लोगों में जा घुसी। इस दूसरी टक्कर में तीन और लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुँचे स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को मालाखेड़ा अस्पताल पहुँचाया, जहाँ से उन्हें गंभीर हालत में अलवर रेफर कर दिया गया।

अस्पताल पहुँचने पर डॉक्टरों ने 25 वर्षीय कजोड़ पुत्र रामदयाल सैनी और संतोष पुत्र रमेश सैनी (दोनों निवासी बरखेड़ा) को मृत घोषित कर दिया। वहीं, आरती, अशोक और एक अन्य घायल का इलाज चल रहा है। घायलों में से एक की हालत नाजुक होने के कारण वह फिलहाल आईसीयू में भर्ती है।

5 साल की दुल्हन और 9 साल के दूल्हे के विवाह में अचानक पहुंची पुलिस तो मचा हड़कंप

जयपुर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर जिले के जमवारामगढ़ क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहां 5 साल की बच्ची और 9 साल के लड़के का बाल विवाह होने वाला था।

इसके साथ ही दूसरी बच्ची की उम्र 9 साल और लड़के की उम्र 11 साल बताई गई है । यह विवाह जल्दबाजी में करवाया जा रहा था, क्योंकि चारों परिवारों को पुलिस की कार्रवाई का डर था । जैसे ही सूचना मिली पुलिस और चाइल्ड वेलफेयर टीम मौके पर पहुंची और विवाह को रुकवा दिया ।

मामला उस समय सामने आया जब परिवारों ने बिना समय गवाएं विवाह की तैयारियां शुरू कर दी थीं। विवाह को जल्द कराने के प्रयास में था ताकि पुलिस के आने से पहले यह सम्पन्न हो सके। हालांकि पुलिस और चाइल्ड वेलफेयर कमेटी की टीम ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए दोनों पक्षों को चेतावनी दी और बाल विवाह के खिलाफ सख्त कदम उठाए। अधिकारियों ने मौके पर ही स्थिति को नियंत्रित किया और बच्चों को सुरक्षित उनके परिजनों की निगरानी में सौंप दिया। साथ ही आगे ऐसी किसी भी अवैध गतिविधि पर कड़ी नजर रखने की बात कही गई।

पुलिस और चाइल्ड वेलफेयर कमेटी ने इस मामले में सभी चारों पक्षों को चेतावनी दी और उन्हें भविष्य में ऐसी गतिविधियों से बचने के लिए पाबंद किया । बाल विवाह के इस गंभीर प्रयास को रुकवाने के बाद दोनों नाबालिग बच्चियों को चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के हवाले कर दिया गया ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके ।

वहीं दूसरे मामले में राजस्थान के एक थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय किशोरी ने अपनी पढ़ाई को प्राथमिकता देते हुए खुद ही अपना बाल विवाह रुकवाया । 1 मई को तय विवाह के खिलाफ उसने प्रशासन से न्याय की मांग की । किशोरी ने बाल कल्याण समिति से संपर्क कर अपनी शिकायत दी, जिसके बाद पुलिस और चाइल्ड लाइन टीम ने कार्रवाई की ।

किशोरी की इच्छा के अनुसार उसे शेल्टर होम में सुरक्षित रखा गया ताकि उसकी शिक्षा जारी रहे । यह घटना जिले में बाल विवाह के खिलाफ उठाई गई चौथी आवाज है । प्रशासन ने दो अन्य बाल विवाह रुकवाकर नाबालिगों को शेल्टर होम भेजा ।

बेटी से छेड़छाड़ का विरोध पड़ा भारी

शिकायत करने गए पिता की पीट-पीटकर हत्या की

अलवर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। अलवर जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां बेटी के साथ छेड़छाड़ की शिकायत करने गए पिता की लाठी-डंडों से पीट.पीटकर हत्या कर दी गई। इस वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है और ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि युवती की उम्र 19 साल की थी। वह पढ़ने जाती थी इस दौरान गांव के ही कुछ लड़के उसे छेड़ा करते थे। इसकी शिकायत अपने पिता को की थी।

मामला 20 अप्रैल से शुरू हुआ, जब 19 वर्षीय युवती अपने पिता के साथ गांव में साइकिल ठीक करवाने गई थी। इसी दौरान गांव के चार युवक वहां पहुंचे और युवती से जबरन दोस्ती करने का दबाव बनाने लगे। मना करने पर आरोपियों ने अश्लील टिप्पणियां कीं और बदनामी की धमकी दी। डर के कारण युवती ने उस समय कुछ नहीं कहा, लेकिन अगले दिन 21 अप्रैल को फिर से आरोपियों ने उसे घेरकर छेड़छाड़ की। किसी तरह बचकर घर पहुंची युवती ने पूरी घटना अपने परिवार को बताई। घटना के बाद 22 अप्रैल को युवती के पिता और ताऊ आरोपियों के घर शिकायत करने पहुंचे। लेकिन वहां आरोपियों और उनके परिवार के लोगों ने मिलकर दोनों पर लाठियों से हमला कर दिया। इस हमले में युवती के पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन तुरंत उन्हें अलवर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां हालत बिगड़ने पर जयपुर के एसएमएस अस्पताल रेफर कर दिया गया।

'वकील ने मेरे सीने पर हाथ मारा' : तेलंगाना किन्नर अखाड़ा की

महामंडलेश्वर ने खुलकर रखी अपनी बात

जयपुर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर में एडवोकेट कुणाल शर्मा के साथ हुई मारपीट मामले में अब नया मोड़ आ गया है। इंटरनेशनल किन्नर अखाड़ा तेलंगाना की महामंडलेश्वर महाकाली नंदगिरी ने बयान जारी करते हुए उनकी टीम पर लगे आरोपों को खारिज किया है। नंदगिरी ने कहा कि उन्हें और उनके साथियों को जबरन इस मामले में फंसाने की कोशिश की जा रही है। मामूली गाड़ी टच होने का मामला था जिसे बेवजह तूल दिया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वे जयपुर के बनीपार्क थाने पहुंच कर जल्द इस पूरे मामले की सच्चाई सामने लाएंगी।

वकील पर हाथ उठाने का आरोप

महामंडलेश्वर नंदगिरी ने कहा कि राजस्थान की मीडिया में उनके खिलाफ खबरें चल रही है। उन खबरों को उन्होंने एकतरफा होना बताया है। उन्होंने कहा कि गाड़ी टच होने के बाद उनके अनुयायियों ने सॉरी बोलते हुए वकील की गाड़ी को हुए नुकसान की भरपाई करने की बात कही थी लेकिन वकील साहब

ने तैश में आकर धक्का मुक्की की। नंदगिरी का आरोप है कि वकील कुणाल शर्मा ने उनके सीने पर हाथ रखते हुए धक्का मारा जिसके बाद उन्होंने थप्पड़ मारा। धक्का मुक्की के दौरान वकील नीचे गिर गए जिसकी वजह से उन्हें चोट लगी।

महामंडलेश्वर नंदगिरी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दो वीडियो जारी किए हैं। इन वीडियो में उन्होंने कहा कि वे जयपुर से रींगस जा रही थी। तभी बनीपार्क इलाके में यह घटना हुई थी। उन्होंने कहा कि घटना की वास्तविकता क्या है। यह जानने के लिए पुलिस को सीसीटीवी फुटेज देखने चाहिए। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से स्पष्ट हो जाएगा कि गलती किस पक्ष की है। उन्होंने यह भी कहा कि वे खुद बनीपार्क थाने पहुंच कर पूरे मामले को स्पष्ट करेंगी।

चिंकारा कैंटीन के पास वकील की कार को नंदगिरी के काफिले की एक गाड़ी ने टक्कर मार दी थी। इसके बाद विवाद शुरू हुआ। एडवोकेट कुणाल शर्मा का आरोप है कि एमपी नंबर की तीन चार लग्जरी गाड़ियों में सवार लोगों ने मारपीट की और गाड़ी में तोड़फोड़ की। अग्निशमन कार्यालय के एक सुरक्षा गार्ड ने बीच बचाव किया तो उनके साथ भी मारपीट की और मोबाइल छीन कर वीडियो डिलीट कर दिया। बड़ी मुश्किल से सुरक्षा गार्ड ने अपनी जान बचाई। एडवोकेट कुणाल की ओर से बनीपार्क थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस ने महामंडलेश्वर नंदगिरी के कुछ अनुयायियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

हत्याकांड मामले में पुलिस की बड़ी कार्रवाई

यूपी भाग रहे आरोपी को किया गिरफ्तार

जोधपुर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। मनीष गौतम उर्फ बिट्टू हत्याकांड में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी वारदात के बाद एक कार से उत्तर प्रदेश भाग गए थे। मुखबिरों की सूचना और लोकेशन का पीछा करते हुए पुलिस ने यूपी में हाइवे पर घेराबंदी कर कार समेत एक आरोपी को दबोच लिया, लेकिन दो आरोपी मौके से फरार हो गए। इस मामले में 21 अप्रेल को राकेश कुमार उर्फ राहुल को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। तीन बालकों को निरुद्ध किया गया था। पूछताछ में घटना में प्रयुक्त कार, दो बाइक जब्त की गई थी। वारदात में इस्तेमाल खून से सना चाकू भी बरामद किया गया। पुलिस ने मौके से मिले अन्य साक्ष्यों को भी जांच में शामिल किया है और फॉरेंसिक टीम की मदद ली जा रही है। फिलहाल शेष फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है और गिरफ्तार आरोपी से लगातार पूछताछ जारी है ताकि पूरे गिरोह और घटना की पूरी सच्चाई सामने लाई जा सके। पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी के सुपरविजन और वृत्ताधिकारी हरिराम सोनी के नेतृत्व में कोतवाली थाना व जिला विशेष टीम की संयुक्त टीमें बनाकर जयपुर, हरियाणा, प्रयागराज व लखनऊ सहित विभिन्न स्थानों पर दबिश दी गई। जांच में सामने आया कि आरोपी राजेन्द्र गहलोत, मुकेश यादव और अनिल यादव कार में सवार होकर प्रयागराज की ओर फरार हो गए थे।

मंत्रियों ने पुष्कर महोत्सव का पोस्टर और आधिकारिक टीज़र जारी किया

21 मई से 1 जून तक सरस्वती पुष्कर महोत्सव का आयोजन

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य की देवादाय, वन एवं पर्यावरण मंत्री कोंडा सुरेखा ने बताया कि सरस्वती अंत्य पुष्कर महोत्सव इस वर्ष 21 मई से 1 जून तक भव्य रूप से आयोजित किए जाएंगे। यह आयोजन 12 दिनों तक कालेश्वरम में संपन्न होगा। बुधवार को सचिवालय में मंत्री कोंडा सुरेखा ने आईटी एवं उद्योग मंत्री डी. शीधर बाबू के साथ मिलकर पुष्कर महोत्सव का पोस्टर और आधिकारिक टीज़र जारी किया।

मंत्री कोंडा सुरेखा ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 30.63 करोड़ रुपये की लागत से 162 विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए श्रद्धालुओं को शांतिपूर्ण वातावरण में स्नान और दर्शन की सुविधा उपलब्ध कराएं। उन्होंने अनुमान जताया कि इस दौरान लगभग 30 लाख श्रद्धालु पुष्कर में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पूर्व में सरस्वती आदि पुष्कर और सम्मक्का-सरलम्मा जातरा जैसे बड़े धार्मिक आयोजनों को सफलतापूर्वक आयोजित किया है और आगामी गोदावरी पुष्कर के लिए भी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। आईटी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं समय से पहले पूरी कर ली जाएं और यातायात प्रबंधन के लिए पुलिस एवं अन्य विभागों के साथ समन्वय सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग मिलकर इस महोत्सव को सफल बनाएं।

देवादाय विभाग की मुख्य सचिव शैलजा रामअय्यर ने बताया कि पहले दिन सुबह 5:43 बजे कांची कामकोटि पीठाधिपति शंकर विजेंद्र सरस्वती स्वामी द्वारा प्रथम पुष्कर स्नान किया जाएगा। राज्यपाल को भी कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन अलग-अलग पीठाधिपति द्वारा स्नान किया जाएगा और प्रतिदिन शाम 6:30 बजे त्रिवेणी संगम पर काशी के पंडितों द्वारा भव्य आरती आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम में भूपालपल्ली के कलेक्टर राहुल शर्मा, कालेश्वरम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष मोहन शर्मा तथा देवादाय विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

तेलंगाना सरकार ने हैदराबाद मेट्रो रेल का पूर्ण नियंत्रण संभाला

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हैदराबाद मेट्रो के फेज-1 का पूर्ण नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है। यह अधिग्रहण एचएमआरएल) के माध्यम से एलएंडटी मेट्रो रेल हैदराबाद लिमिटेड से किया गया। इस संबंध में बुधवार को राज्य सचिवालय में औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। बैठक में राज्य के मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव, विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन, एचएमआरएल के प्रबंध निदेशक सरफराज अहमद तथा एलएंडटी एवं एलटीएमआरएचएल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण समझौते के अनुसार, राज्य सरकार ने एलटीएमआरएचएल की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी 1,461.47 करोड़ रुपये के मूल्य पर अधिग्रहित कर ली है। इस समझौते पर एचएमआरएल की ओर से सरफराज अहमद, एलएंडटी की ओर से डी.के. सेन तथा एलटीएमआरएचएल की ओर से केवीबी रेड्डी ने हस्ताक्षर किए। लगभग 13,538.53 करोड़ रुपये के ऋण, जिसकी गारंटी एलएंडटी द्वारा दी गई थी, को अब राज्य सरकार के आश्वासन के साथ पुनर्वित्त किया जाएगा। इस प्रक्रिया में आईडीबीआई कैपिटल को लेन-देन सलाहकार तथा सराफ एंड पार्टनर्स को विधिक सलाहकार नियुक्त किया गया है। यात्री सुविधाओं और विस्तार को मिलेगा बढ़ावा सरकार द्वारा पूर्ण नियंत्रण संभालने के बाद मेट्रो परियोजना के डिजाइन, योजना, क्रियान्वयन तथा सेवा वितरण में बेहतर समन्वय स्थापित होने की उम्मीद है। इससे न केवल वर्तमान सेवाओं में सुधार होगा, बल्कि प्रस्तावित फेज-2 के विस्तार कार्यों को भी गति मिलेगी। सरकार का लक्ष्य एक अधिक विश्वसनीय, सुव्यवस्थित और यात्री-अनुकूल मेट्रो प्रणाली विकसित करना है। मेट्रो सेवा का दायर उल्लेखनीय है कि मेट्रो रेल का फेज-1 नवंबर 2017 से संचालित हो रहा है, जो 69 किलोमीटर लंबाई में तीन कॉरिडोर को जोड़ता है। प्रतिदिन लगभग 4.5 लाख यात्री इस सेवा का उपयोग करते हैं, जबकि अब तक 86 करोड़ से अधिक यात्री मेट्रो में यात्रा कर चुके हैं। समझौते से पूर्व एलएंडटी के अध्यक्ष एस. एन. सुब्रह्मण्यन ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से शिष्टाचार भेंट कर मेट्रो के भविष्य संचालन एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. -जी/इ.29/टीआर./ टेंडर नोटिस/06/2026-27

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुन्टकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं.-जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-12-2026-27, कार्य विवरणः जीटीएल डिवीजनः डब्ल्यूडी-आरसी सेक्शन में विश्वसनीयता & सुरक्षा हेतु ओएचइ स्ट्रक्चर्स या ढांचों की रि-स्पैनिंग द्वारा ओएचइ का उन्नयन। अनुमानित मूल्य रु.3,53,47,965.40 अग्रधन रु.7,07,000.00

निविदा सं.-जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-13-2026-27, कार्य विवरणः जीटीएल डिवीजनः एचएक्स-आरयु सेक्शन में विश्वसनीयता & सुरक्षा हेतु ओएचइ स्ट्रक्चर्स की रि-स्पैनिंग द्वारा ओएचइ का उन्नयन। अनुमानित मूल्य रु.3,60,82,599.40 अग्रधन रु.7,21,700.00

निविदा सं.-जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-14-2026-27, कार्य विवरणः जीटीएल डिवीजनःआरसी-जीटीएल-बीएवाय सेक्शन में विश्वसनीयता & सुरक्षा हेतु ओएचइ स्ट्रक्चर्स या ढांचों की रि-स्पैनिंग द्वारा ओएचइ का उन्नयन। अनुमानित मूल्य रु.3,54,86,417.40 अग्रधन रु.7,09,700.00

निविदा सं.-जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-15-2026-27, कार्य विवरणः जीटीएल डिवीजनः जीटीएल-एचएक्स सेक्शन में विश्वसनीयता & सुरक्षा हेतु ओएचइ स्ट्रक्चर्स या ढांचों की रि-स्पैनिंग द्वारा ओएचइ का उन्नयन। अनुमानित मूल्य रु.3,48,98,316.60 अग्रधन रु.6,98,000.00

निविदा बंद करने की तिथि & समयः 18-05-2026 के 15.00 बजे

टिप्पणीः

निविदाकार, निविदा दस्तावेज को **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in से मुफ्त में डाउनलोड कर सकते हैं।

निविदा की बोली लगाने या बिड्डिंग & अन्य विवरण हेतु https://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर जारी किया जायेगा।

-वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुन्टकल

निविदा सं. जीटीएल-इएम-09-2026-27 दि.27-04-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/रखरखाव/गुन्टकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं.-जीटीएल-इएम-09-2026-27 कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन- गुंटकल में आपरेशनल कन्ट्रोल सेंटर बिल्डिंग हेतु वीआरएफ तकनीकी के माध्यम से उर्जा-कार्यक्षम अतिरिक्त एचवीएसी सिस्टम का प्रावधान। अनुमानित मूल्य रु.8306532.00

बंद करने की तिथि व समयः 15-05-2026 के 15.00 बजे

निविदा की बोली लगाने या बिड्डिंग & अन्य विवरण हेतु https://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर जारी किया जायेगा।

टिप्पणीः इस ई-निविदा में सहभागिता/बोली लगाने हेतु निविदाकार के पास वैध डीएससी (डिजीटील सिग्नीचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र होना चाहिए।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, रखरखाव, गुन्टकल

ई-निविदा सूचना

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, विभागीय बिजली अभियंता (रखरखाव), गुंटूर द्वारा जीइएम **पोर्टलः** https://gem.gov.in के माध्यम से निम्न ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.-01, निविदा शीर्षकः गुंटूर डिवीजनः 2 वर्ष की अवधि हेतु पीजीडीपी-वीएनयुपी-जेएनपीडी सेक्शन को छोडकर गुंटूर डिवीजन पर, इलेक्ट्रिकल सब स्टेशनों की मैन्निंग & आपरेशन की आउटसोर्सिंग तथा उक्त डिपो पर तत्संबंधित कार्य। निविदा संदर्भ सं.-जीइएम/2026/बी/7474166, दि. 24-04-2026 अनुमानित मूल्य रु.1,38,97,979.76 **अग्रधन रु.2,19,500.00 निविदा प्रपत्र मूल्य (गैर-वापसी) रु. शून्य**

क्रम सं.-02, निविदा शीर्षकः गुंटूर डिवीजनः 2 वर्ष की अवधि हेतु गुंटूर डिवीजन पर पीजीडीपी-वीएनयुपी-जेएनपीडी सेक्शन को छोडकर, रखरखाव हेतु मैनपावर की आउटसोर्सिंग, इलेक्ट्रिकल जनरल सर्विस एस्सेट्स की ब्रेकडाउन एटेंशन तथा गुंटूर स्टेशन पर, लिफ्ट्स & एस्केलेटर्स की मैनिंग कार्य। निविदा संदर्भ सं.-जीइएम/2026/बी/7474874, दि. 24-04-2026 अनुमानित मूल्य रु.2,64,55,328.76 **अग्रधन रु.2,82,300.00 निविदा प्रपत्र मूल्य (गैर-वापसी) रु. शून्य**

क्रम सं.1 हेतु ई-बिड्स या ई-बोली की आनलाईन प्रस्तुति की अंतिम तिथि & समय 19-05-2026 के 17.00 बजे तक है।

क्रम सं.2 हेतु ई-बिड्स की आनलाईन प्रस्तुति की अंतिम तिथि & समय 21-05-2026 के 19.00 बजे तक है।

अधिक संचार/शुध्दिपत्र को केवल ई-**पोर्टलः** https://gem.gov.in पर प्रकाशित किया जायेगा।

विभागीय बिजली अभियंता/एम/गुंटूर

गोशामहल पुलिस की कार्रवाई: सायरन के दुरुपयोग और फर्जी पहचान पर मामला दर्ज

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल पुलिस ने निजी वाहन पर अवैध रूप से सायरन लगाने, वीआईपी स्टिकर का दुरुपयोग करने और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से अभद्र व्यवहार करने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान गिरीश कुमार अग्रवाल के रूप में हुई है, जबकि उनके चालक हनुमा रेड्डी को भी मामले में नामजद किया गया है। बीते 28 अप्रैल को सुबह करीब 11:30 बजे, गोशामहल ट्रैफिक थाने के सब-इंस्पेक्टर एम. राघवेंद्र अपनी टीम के साथ ट्रैफिक ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट गोशामहल के पास वाहनों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान एक सफेद फॉर्च्यूनर (टीएस 09 एफपी 5004) को रोका गया, जो सायरन का उपयोग कर रही थी। यह मामला पहले सोशल मीडिया पर भी चर्चा में आ चुका था।

जांच के दौरान गिरीश अग्रवाल ने पुलिसकर्मियों के साथ कथित रूप से अभद्र व्यवहार किया और सायरन व वीआईपी स्टिकर के उपयोग को सही ठहराने के लिए नेशनल ह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइजेशन का पहचान पत्र दिखाया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने एफआईआर संख्या 150/2026 दर्ज की है।

मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं (318, 351, 292, 221, 205, 125) और मोटर वाहन अधिनियम की धाराओं 177 व 184 के तहत दर्ज किया गया है। इन धाराओं में सरकारी व्यवस्था को धोखा देना, फर्जी पहचान बनाना, सार्वजनिक भय उत्पन्न करना और यातायात नियमों का उल्लंघन जैसे आरोप शामिल हैं। संबंधित वाहन को जब्त कर आगे की कार्रवाई के लिए थाने में जमा कर दिया गया है। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 की धारा 35(3) के तहत आरोपी गिरीश कुमार अग्रवाल , हनुमा रेड्डी , कितेश को 29 अप्रैल को सुबह 10 बजे थाने में उपस्थित होने का नोटिस जारी किया है, जबकि एक अन्य आरोपी नागेश फरार बताया गया है। हैदराबाद पुलिस ने आम जनता को चेतावनी दी है कि निजी वाहनों पर सायरन या सरकारी/वीआईपी स्टिकर का अवैध उपयोग गंभीर अपराध है और ऐसे मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

धान खरीद केंद्रों पर किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो : पोन्नम

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के परिवहन एवं बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने अधिकारियों को धान खरीद और गर्मी के मौसम में पेयजल आपूर्ति पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

बुधवार को हनुमकोंडा के भीमदेवरपल्ली मंडल परिषद विकास कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री ने सरकारी विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में धान खरीद प्रक्रिया, पेयजल आपूर्ति, इंदिरम्म आवास योजना की प्रगति, 'बड़ीबाट' कार्यक्रम के तहत सरकारी स्कूलों में नामांकन बढ़ाने, वन महोत्सव के तहत पौधारोपण सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि धान खरीद केंद्रों पर किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। धान को दूरस्थ मिलों के बजाय स्थानीय मिलों तक पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को गांवों में चिकित्सा शिविर आयोजित करने, स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं सुधारने और ड्रॉपआउट रोकने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए।

इसके अलावा, इंदिरम्म आवास निर्माण में तेजी लाने, सड़कों के निर्माण कार्य पूर्ण करने, सिंचाई नालों की मरम्मत, रोजगार गारंटी कार्यों के भुगतान समय पर करने तथा ऑयल पाम खेती को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया। बैठक में अतिरिक्त कलेक्टर एन. रवि सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

स्थायी समिति ने आधारभूत ढांचे व नागरिक विकास कार्यों को दी मंजूरी

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सीएमसी की स्थायी समिति की तीसरी नियमित बैठक बुधवार को विशेष मुख्य सचिव (एमएएंडयूडी) जयेश रंजन की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें प्रमुख आधारभूत ढांचा और नागरिक विकास प्रस्तावों की समीक्षा कर मंजूरी दी गई। बैठक में आयुक्त, अतिरिक्त आयुक्त, जोनल आयुक्त, मुख्य अभियंता समेत वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। समिति के समक्ष कुल 7 एजेंडा रखे गए, जिनमें प्रस्तावना के 6 और एक टेबल एजेंडा शामिल था। सभी 7 प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। समिति ने स्वीकृत कार्यों के समयबद्ध क्रियान्वयन, विभागों के बीच बेहतर समन्वय और तय समयसीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

निजामाबाद में पीएसी बैठक, विकास और संगठन मजबूती पर जोर

निजामाबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में आयोजित पीएसी बैठक में टीपीसीसी अध्यक्ष व एमएलसी महेश कुमार गौड़, प्रभारी मंत्री सीतक्का, डीसीसी अध्यक्ष बोब्बिली रामकृष्ण, नेता नागेश रेड्डी, रूरल विधायक भूपति रेड्डी सहित विभिन्न निगमों के अध्यक्ष शामिल हुए। बैठक में जिला विकास, पार्टी संगठन को मजबूत करने, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जन समस्याओं के समाधान जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। नेताओं ने कहा कि कांग्रेस सरकार जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य कर रही है और गांव स्तर से पार्टी को सशक्त बनाया जा रहा है।

आज केबीआर पार्क में इक्षापूर्ति गणेशजी की पूजा राजेंद्र कुमार अग्रवाल सुरेंद्र कुमार अग्रवाल गोपाल दास बलदेवा डॉ गिरजा शंकर गुप्ता सेसैया पद्म किरण नागार्जुन आज के यजमान वे पीसी जैन विठ्ठलदास अग्रवाल विजय कुमार अग्रवाल सुरेश कुमार अग्रवाल अशोक सरायवाला राहुल सिंघल राहुल देश पांडे सुभाष कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले सुरेश कुमार अग्रवाल नागराज रेड्डी संध्या रानी अग्रवाल विजया रेड्डी विजया लक्ष्मी एवं अन्य

ई-निविदा सूचना सं.- सी/इ.29/इलेक./एम/एससी/04/एलसी-एस&टी/ओटी/2026-27 दि.24-04-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.18-05-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.-01, ई-निविदा सं.-ईटेंडर नं.सी/इ.29/इलेक./एम/एससी/04/एलसी-एस&टी/ओटी/2026-27, ईटेंडर नं.इ-एम-एससी-04-ओटी-2026-27, कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजन- बिजली रखरखाव विभाग- (I) एससी डिवीजन के वीकेबी- पीआरएलआई पर निम्न तीन (3) एलसी गेट्स की इन्टरलाकिंग से संबंधित सिग्नलिंग व्यवस्था जैसे, (पीडीपीएल-एसटीबीडी के बीच एलसी नं.1), एनजेडबी-पीडीपीएल सेक्शन की एलसी नं.40 (एनपीएमएल-एलपीजेएल) तथा वीकेबी - पीआरएलआई सेक्शन की एलसी नं.97 (सीकेएक्स-जेओए)। (II) एससी डिवीजन पर सिग्नल कंट्रोल रूम का नवीकरण या रेनोवेशन। (III) राघवपुरम (आरजीपीएम) तथा पेद्दमपेट (पीपीजेड) स्टेशन पर उर्जा आपूर्ति के मजबूतीकरण हेतु सिग्नलिंग व्यवस्थाएं-बिजली व्यवस्थाएं।

निविदा मूल्य रु.71,18,713.50 अग्रधन रु.1,42,400.00 सीटीएफ रु. शून्य कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने

आईआरइपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है तथा यदि इसमें कोई परिवर्तन हो तो उसे देख सकते है।

यह निविदा सूचना, एसआर. डीईई (रखरखाव) का कार्यालय, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद स्थित नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की गयी है, जिसे सभी कार्यालयीन दिनों मे देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता (एम)/सिकंदराबाद

A159

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in पर जाएं।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

संख्याः सी/ई-नीलामियों की सूची/एससी/2026-27 दि.27-04-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति, गणराज्य भारत की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकन्दराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, वाणिज्यिक आय & एनएफआर संविदाओं हेतु ई-नीलामी आमंत्रित करता है। तदनुसार, एससी डिवीजन ने निम्न श्रेणियों हेतु ई-नीलामी संसाधित की है, जिसे वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in पर अधिसूचित किया गया है।

क्रम सं.	श्रेणी	सूची सं.	नीलामी शुरु तिथि & समय	संबंधित स्टेशन (स्टेशंस)/रेल (रेलें)	नीलामी विवरण
1	एमपीएस	एससी-एमपीएस-04-2026	05 मई-26, 14.00 बजे	सीएचजेड, बीपीए, एमडीआर	चर्लापल्ली, बेल्लमपल्ली & मधिरा स्टेशनों पर
2	विविध-स्थैतिक	एमएसएस-बीपीए-डब्ल्यूजीएनसीएल जी	06 मई-26, 14.00 बजे	बीपीआर	व्यक्तिगत बहुउद्देश्यीय स्टॉल्स के ठेके या संविदाएं। बेल्लमपल्ली स्टेशन पर वैगान कोल की मैनुअल सफाई हेतु संविदाएं।
3	पार्सल्स	एससी-पार्सल्स-1026	07 मई-26, 14.00 बजे	12735, 12806, 20967, 12604, 17041, 12734, 07020	रेल संख्याएं 12735, 12806,20967, 12604, 17041, 12734, 07020 ट्रेनों के एसएलआर कोच (सिंगल कम्पार्टमेन्ट) में पार्सल की जगह ।
4	पार्किन्ग	एससी-पार्किंग-0526	08 मई-26, 14.00 बजे	एससी, जेएमकेटी, वीकेबी, केआरएमआर, एमसीआई, केजेडजे, एसजेवीपी, एनडीएमएच, एमएलवाय	1 जम्मीकुन्टा रेलवे स्टेशन में संघ आफिस के बाजू स्थान पर फोर व्हीलर्स हेतु पार्किंग लॉट या स्थान। 2. प्लाटफार्म 10 सिकंदराबाद स्थान पर टू व्हीलर्स हेतु पार्किंग लॉट। 3. विकाराबाद के ओल्ड बुकिंग आफिस के पास पीएफ नं. 03 स्थान पर टू व्हीलर्स हेतु पार्किंग लॉट। 4. करीमनगर, मंचेरियाल, काजीपेट, संजीवय्या पार्क, नेरेडमेट & मौलाली स्टेशनों पर व्यक्तिगत पार्किन्ग संविदाएं।
5	पार्किन्ग	एससी-पार्किंग-0526	12 मई-26, 14.00 बजे	एसकेपी, टीडीयु	शंकरपल्ली & तांडूर स्टेशनों पर व्यक्तिगत पार्किन्ग संविदाएं।

इच्छुक पार्टीज & ठेकेदारगण इस बात को नोट करें तथा ई-नीलामी सूचना संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु उपरोक्त वेबसाइट पर जाएं।

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकन्दराबाद

A163

डॉ. सुरेश नाइक की आत्महत्या की व्यापक जांच की मांग

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीसीएलसी के प्रदेश अध्यक्ष गड्डम लक्ष्मण और महासचिव एन. नारायण राव ने पोस्टग्रेजुएट मेडिकल छात्र डॉ. कात्रावथ सुरेश नाइक की आत्महत्या मामले में राज्य सरकार से व्यापक जांच कराने की मांग की है। हैदराबाद के हैदराबादगुड़ा में आयोजित प्रेस वार्ता में नेताओं ने मृतक की मां नागमणि और रिश्तेदारों के साथ बताया कि सुरेश नाइक उस्मानिया मेडिकल कालेज में जनरल सर्जरी विभाग के प्रथम वर्ष के छात्र थे। उन्होंने आरोप लगाया कि वरिष्ठ छात्रों द्वारा कथित उत्पीड़न के कारण मानसिक तनाव में आकर उन्होंने आत्महत्या की। टीसीएलसी ने एनएमसी के नियमों में संशोधन की भी मांग की, यह कहते हुए कि मौजूदा प्रावधान छात्रों के लिए पर्याप्त नहीं हैं। साथ ही, शोक संतप्त परिवार को समुचित सहायता देने की अपील भी की गई।

अतिक्रमण हटाने को लेकर हंगामा, दो घंटे तक तनाव

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हयातनगर थाना क्षेत्र के कुंटलूर में बुधवार को उस समय तनाव फैल गया जब हाइड्रा के अधिकारियों ने सड़क अतिक्रमण की शिकायत पर एक गेटेड कम्युनिटी में तोड़फोड़ अभियान चलाने का प्रयास किया। जानकारी के अनुसार, गेटेड कम्युनिटी के निवासियों पर सड़क पर अतिक्रमण करने का आरोप था, जिसके बाद प्रभावित लोगों ने अधिकारियों से शिकायत की। शिकायत के आधार पर हाइड्रा की टीम मशीनरी के साथ मौके पर पहुंची। इस दौरान कॉलोनी के निवासी प्रवेश द्वार पर इकट्ठा हो गए और अधिकारियों को अंदर जाने से रोक दिया।

उन्होंने कार्रवाई का विरोध किया, जिससे गेट पर तीखी नोकझोंक की स्थिति बन गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अतिक्रमण हर हाल में हटाया जाएगा।

इस दौरान करीब दो घंटे तक मौके पर तनावपूर्ण माहौल बना रहा और इलाके में अफरा-तफरी की स्थिति रही। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

मोदी की जनसभा के लिए पोस्टर का अनावरण, 10 मई को हैदराबाद दौरा

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी तेलंगाना दौरे से पहले जन आग्रह सभा के पोस्टर का अनावरण किया। यह विशाल जनसभा 10 मई को सिकंदराबाद परेड ग्राउंड्स में आयोजित की जाएगी।

मीडिया से बातचीत में रामचंद्र राव ने बताया कि प्रधानमंत्री के दौरे की तैयारियों को लेकर पार्टी के सांसदों, विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के साथ विस्तृत बैठक की गई है। उन्होंने कहा कि इस दौरे के दौरान प्रधानमंत्री हैदराबाद में करीब 7,700 करोड़ से 8,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। उन्होंने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री दोपहर 3 बजे जनसभा में शामिल होंगे और जनता को संबोधित करेंगे। रामचंद्र राव ने इस दौरे को विशेष बताते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल के बाद तेलंगाना का पहला दौरा होगा।

साथ ही, राज्य भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद यह उनका भी पहला मौका होगा जब प्रधानमंत्री राज्य का दौरा करेंगे।

भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि तेलंगाना में पार्टी एक मजबूत राजनीतिक विकल्प के रूप में उभर रही है और उसे बुद्धिजीवियों, महिलाओं, युवाओं और जेन-ज़ी वर्ग का समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि देशभर में भाजपा के बढ़ते जनाधार का असर दक्षिणी राज्यों में भी दिखाई दे रहा है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर आरोप लगाया कि उसने जनहित के मुद्दों की अनदेखी कर परिवारवाद की राजनीति को बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि ऐसी राजनीति अब राज्य में सफल नहीं होगी।

कांग्रेस पर भी हमला बोलते हुए रामचंद्र राव ने आरोप लगाया कि पार्टी ने महिला आरक्षण विधेयक का विरोध किया, जिससे महिलाओं, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के प्रतिनिधित्व में वृद्धि हो सकती थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

बंगाल में खिल ...

146 -161 सीटें मिलने का अनुमान व्यक्त किया गया है। पोल में टीएमसी को 125 से 140 सीटों मिलने का अनुमान है। बंगाल में अन्य को 6 से 10 सीटें मिल सकती हैं। बंगाल में बहुमत का आंकड़ा 148 सीटों का है। ऐसे में मैटराइज के एग्जिट पोल में बीजेपी सरकार का अनुमान व्यक्त किया गया है।

कोलकाता के भवानीपुर से टीएमसी कैंडिडेट मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि चारों तरफ से अत्याचार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री खुद दखल दे रहे हैं यह सब क्यों? उनका कोई नहीं है, उनके मतदाता नहीं है, इसलिए सेंट्रल फोर्स लगा रहे हैं, सेंट्रल फोर्स भी उनके एजेंट की तरह काम कर रही है। हम आशावादी हैं कि 200 सीटें तो हम पार करेंगे।

कांग्रेस सांसद के सी वेणुगोपाल ने कहा ने एक्जिट पोल से पहले रिएक्शन दी है। वेणुगोपाल ने कहा कि हम लोगों के पोल पर विश्वास करते हैं, एग्जिट पोल पर नहीं। हम सब 4 मई का इंतजार कर रहे हैं, अच्छे नतीजे आएंगे। केरलम, तमिलनाडु, पुडुचेरी, असम, पश्चिम बंगाल में अच्छे नतीजे आएंगे। प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर उन्होंने कहा कि हम उन्हें 4 तारीख को बताएंगे कि उनकी आकांक्षा क्या है और असल में क्या होने वाला है।

'बंगाल जैसी बंपर ...

594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस-वे मेरठ को प्रयागराज से जोड़ेगा। इससे मेरठ से प्रयागराज की दूरी सिर्फ 6 घंटे में पूरी होगी। अब तक 11-12 घंटे लगते थे। एक्सप्रेस-वे करीब 37,350 करोड़ रुपए की लागत से 5 साल में बनकर तैयार हुआ है। इस हिसाब से 1 किलोमीटर एक्सप्रेस-वे की औसत लागत करीब 62 करोड़ 87 लाख रुपए है। मोदी ने ही 18 दिसंबर, 2021 को शाहजहांपुर में एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास किया था। इससे पहले पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे यूपी का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे था, जिसकी लंबाई 340 किमी है।

पीएम मोदी की बड़ी बातें

मुझे खुशी है कि यूपी सरकार ने इस एक्सप्रेस-वे का नाम मां गंगा के नाम पर रखा है। इसमें विकास का हमारा विजन भी झलकता है। हमारी विरासत के भी दर्शन होते हैं। डबल इंजन सरकार में शिलान्यास भी होता है और उद्घाटन भी होता है। यह सिर्फ हाई-स्पीड सड़क नहीं है, बल्कि नए सपनों का गेटवे है। पिछली सरकारों ने अपनी करतूतों के कारण अपराध और जंगलराज को यूपी की पहचान बना दिया। यूपी के माफियाओं पर फिल्में बनती थीं। आज यूपी की कानून व्यवस्था का देशभर में उदाहरण दिया जाता है। संसाधनों का बंदरबांट करने वाले जिन सपाइयों के हाथ से सत्ता गई, उन्हें यूपी की यह प्रगति पसंद नहीं आ रही है। वे यूपी को पुराने दौर में धकेलना चाहते हैं।

बंगाल में पहले चरण की तरह ही जनता वोट देने के लिए बड़ी संख्या में घरों से निकल रही है। लंबी-लंबी कतारों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। पिछले 6-7 दशक में जो नहीं हुआ, जिसकी कल्पना भी मुश्किल थी, लोग भयमुक्त होकर वोट दे रहे हैं।

स्वतंत्र वार्ता

Email : svaarttha2006@gmail.com svaarttha@rediffmail.com svaarttha2006@yahoo.com

Epaper : epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement : swadds1@gmail.com

पंजाब 200+ रन डिफेंड करते हुए सबसे ज्यादा बार हारा

राजस्थान का आईपीएल में तीसरा सबसे बड़ा रन चेज

फरेरा का 105 मीटर लंबा सिक्स

न्यू चंडीगढ़, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2026 के 40वें मैच में पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हरा दिया। इस हार के साथ पंजाब आईपीएल में 200+ रन डिफेंड करते हुए सबसे ज्यादा बार हारने वाली टीम बन गई। राजस्थान ने अपना तीसरा सबसे बड़ा रनचेज किया। डोनोवन फरेरा ने 105 मीटर लंबा सिक्स लगाया।

पंजाब-राजस्थान मैच के टॉप मोमेंट्स-रिकॉर्ड्स...

चेज करते हुए राजस्थान रॉयल्स की सबसे बड़ी जीत

राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 223 रन का टारगेट चेज किया। यह आईपीएल में चेज करते हुए टीम की तीसरी सबसे बड़ी जीत है। राजस्थान ने 2020 में शारजाह में पंजाब के खिलाफ ही 224 रन का सबसे बड़ा टारगेट चेज किया था। दूसरे नंबर पर 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मिली जीत है।

200+ रन डिफेंड करते हुए पंजाब सबसे ज्यादा हारा

आईपीएल में 200 या उससे ज्यादा रन डिफेंड करते हुए सबसे ज्यादा हार झेलने का रिकॉर्ड पंजाब किंग्स के नाम है, टीम को ऐसे मैचों में 8 बार हार मिली है। दूसरे स्थान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु है, जिसने 7 बार 200+ स्कोर डिफेंड करते हुए मैच गंवाया है।

प्रभसिमरन पंजाब के लिए तीसरे सबसे ज्यादा अर्धशतक वाले बैटर

प्रभसिमरन सिंह पंजाब के लिए सबसे ज्यादा फिफ्टी लगाने के मामले में तीसरे स्थान पर हैं। उनके नाम 12 अर्धशतक हैं। इस सूची में पहले स्थान पर केएल राहुल (25) और दूसरे स्थान पर शॉन मार्श (21) हैं।

आर्चर ने रबाडा की बराबरी की

आईपीएल 2026 में पावरप्ले के दौरान सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में जोफ्रा आर्चर और कगिसो रबाडा संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। दोनों के नाम 9-9 विकेट हैं। दूसरे स्थान पर भुवनेश्वर कुमार (7 विकेट) हैं, जबकि तीसरे स्थान पर मोहम्मद शमी (6 विकेट) मौजूद हैं।

अर्शदीप ने पंजाब के लिए दूसरा सबसे महंगा स्पेल फेंका

अर्शदीप सिंह पंजाब के लिए एक मैच में सबसे ज्यादा रन देने वाले दूसरे बॉल बन गए। उन्होंने 4 ओवर के स्पेल में 68 रन देकर एक विकेट लिया। पहले नंबर पर जेवियर बार्टलेट हैं, जिन्होंने इसी सीजन दिल्ली के खिलाफ 1/69 का स्पेल स्पेल फेंका था।

इस सीजन 9 बार 200+ रनचेज हुए

आईपीएल 2026 में 200+ रन के सफल चेज की संख्या 9 पहुंच चुकी है, जो 2025 के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर है। दूसरे स्थान पर 2023 सीजन (8 बार) और तीसरे स्थान पर 2024 सीजन (6 बार) है।

जायसवाल की 20वीं आईपीएल फिफ्टी

यशस्वी जायसवाल ने अपनी फिफ्टी के साथ राजस्थान रॉयल्स के लिए 50+ स्कोर की लिस्ट में तीसरा स्थान बरकरार रखा है। उनके नाम 20 फिफ्टी हो गई हैं। इस सूची में पहले स्थान पर जोस बटलर और संजू सैमसन हैं। दोनों के नाम 25-25 हाफ सेंचुरी हैं, जबकि दूसरे स्थान पर अजिंक्य रहाणे (19) हैं।

चेज करते हुए राजस्थान रॉयल्स की सबसे बड़ी जीत

राजस्थान ने पंजाब के खिलाफ 223 रन का टारगेट चेज किया। राजस्थान ने 6वीं बार आईपीएल में 200+ रन चेज किया। पहले नंबर पर पंजाब हैं, टीम ने 10 बार यह कारनामा किया है।

विनेश फोगाट की 20 महीने बाद रेसलिंग में वापसी

गोंडा रैंकिंग टूर्नामेंट के लिए रजिस्ट्रेशन कराया

चंडीगढ़, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। विनेश फोगाट 20 महीने बाद किसी रेसलिंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। उन्होंने उत्तर प्रदेश की नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट के लिए रजिस्ट्रेशन कराया।

विनेश ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। हालांकि विनेश ने पहले आरोप लगाया था कि रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया उन्हें टूर्नामेंट में हिस्सा लेने से रोक रहा है।

विनेश ने सोशल मीडिया पर लिखा- 'आज सुबह मेरा रजिस्ट्रेशन पूरा हो गया। कल लिंक बंद होने की वजह से मैं रजिस्ट्रेशन नहीं कर पाई थी। सबके सपोर्ट के लिए शुक्रिया।'

रजिस्ट्रेशन में देरी पर डब्ल्यूएफआई ने सफाई दी

विनेश के रजिस्ट्रेशन में हुई देरी पर डब्ल्यूएफआई ने बताया कि पोर्टल में तकनीकी दिक्कत आई थी।

इसकी वजह से सिर्फ विनेश नहीं, बल्कि कई पहलवानों का रजिस्ट्रेशन अटका हुआ था। बाद में लिंक खुलने पर एंट्री सबमिट हुई है।

फेडरेशन ने कहा कि विनेश का रजिस्ट्रेशन सोमवार रात 10:29 बजे पूरा हो गया था, जबकि विनेश ने अपनी पोस्ट में इसका जिक्र किया है।

पेरिस ओलिंपिक के बाद संन्यास लिया था

पेरिस ओलिंपिक 2024 में विनेश ने 50 किलोग्राम फ्री-स्टाइल कुश्ती में हिस्सा लिया था। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली थी, लेकिन मुकाबले से पहले उनका वजन लगभग 100 ग्राम ज्यादा पाया गया। इसके बाद ओलिंपिक नियमों के तहत उन्हें टूर्नामेंट से डिसक्वालिफाई कर दिया गया। इससे दुखी होकर विनेश ने 8 अगस्त को संन्यास लेने की घोषणा की थी। हालांकि दिसंबर 2024 में उन्होंने अपना रिटायरमेंट वापस ले लिया।

एशियन गेम्स और 2028 ओलंपिक पर निगाहें

विनेश 57 किलो कैटेगरी में 10 से 12 मई तक गोंडा में होने वाले टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। अब उनका लक्ष्य आने वाले एशियन गेम्स और 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक पर है।

ढ़ विनेश हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस के टिकट पर विधायक भी चुनी गई हैं।

राजस्थान के कप्तान रियान पराग ई-सिगरेट पीते दिखे

ड्रेसिंग रूम का वीडियो वायरल; देश में बैन, बीसीसीआई कार्रवाई कर सकता है

न्यू चंडीगढ़, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग विवाद में फंस गए हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान वह ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट पीते कैमरे में कैद हुए।

लाइव ब्रॉडकास्ट की यह क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। वीडियो राजस्थान की बल्लेबाजी के 16वें ओवर का है। इसमें पराग ध्रुव जुरेल और यशस्वी जायसवाल की मौजूदगी में कथित तौर पर ई-सिगरेट पीते दिख रहे हैं।

भारत में 2019 से ई-सिगरेट पूरी तरह बैन है, उल्लंघन पर जेल और जुर्माने का प्रावधान है

रियान पराग का ई-सिगरेट पीना गलत माना जा रहा है। भारत सरकार ने 'ई-सिगरेट निषेध अधिनियम 2019' के तहत वेप्स और ई-सिगरेट के उत्पादन, बिक्री, आयात और विज्ञापन पर प्रतिबंध लगाया है।

उल्लंघन पर जुर्माने और जेल की सजा का प्रावधान है। ऐसे में एलीट एथलीट और टीम कप्तान का सार्वजनिक मंच पर इसका इस्तेमाल कानून और खेल की मर्यादा का उल्लंघन माना जा रहा है।

बीसीसीआई सचिव से जवाब मांगा गया, सख्त कार्रवाई की उम्मीद

इस मामले पर बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया से प्रतिक्रिया मांगी गई है। माना जा रहा है कि बोर्ड इसे गंभीरता से लेगा। एथलीट के लिए वेपिंग (ई-सिगरेट) स्वास्थ्य के लिहाज से खतरनाक है।

यह सुरक्षा मानकों का उल्लंघन है, क्योंकि इसके तत्वों की स्पष्ट जानकारी नहीं होती। देश में यह प्रतिबंधित है। बीसीसीआई कप्तान और फ्रेंचाइजी से जवाब तलब कर सकता है।

राजस्थान रॉयल्स के साथ इस सीजन का दूसरा विवाद

राजस्थान रॉयल्स इस आईपीएल सीजन में दूसरी बार प्रोटोकॉल उल्लंघन को लेकर चर्चा में है। इससे पहले टीम के मैनेजर रोमी भिंडर डगआउट में मोबाइल इस्तेमाल करते पकड़े गए थे, जो प्लेयर मैच ऑपरेशंस एरिया प्रोटोकॉल का उल्लंघन था।

उस मामले में बीसीसीआई ने जांच के बाद मैनेजर पर जुर्माना लगाया था और चेतावनी दी थी। अब कप्तान का वीडियो सामने आने के बाद टीम की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

खिलाड़ियों की फिटनेस और युवाओं पर असर की चिंता

रियान पराग युवा पीढ़ी के रोल मॉडल माने जाते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, वेपिंग स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इससे खिलाड़ियों की फेफड़ों की क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। भारत में वेपिंग गैर-कानूनी है, इसलिए बीसीसीआई और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल इस पर 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपना सकती है। जांच में दोष सिद्ध होने पर पराग पर मैच बैन या जुर्माना लगाया जा सकता है।

बाबर आजम ने करियर में दूसरी बार ऐसे जमाया शतक

7 साल पुरानी याद ताजा, फाइनल में पेशावर जाल्मी

इस्लामाबाद, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। बाबर आजम की कप्तानी वाली पेशावर जाल्मी ने फाइनल में जगह बना ली है. उसने 28 अप्रैल को खेले क्वालिफायर मुकाबले में इस्लामाबाद यूनाइटेड को हरा दिया. क्वालिफायर में दोनों टीमों के बीच सबसे बड़ा फर्क बाबर आजम ने अपने दमदार शतक से पैदा किया. उसी का असर रहा कि पेशावर जाल्मी 70 रन से मैदान मारने और फाइनल में जगह बनाने में कामयाब रही. वैसे क्वालिफायर हारने के बाद भी शादाब खान की कप्तानी वाली इस्लामाबाद यूनाइटेड फाइनल की दौड़ से बाहर नहीं हुई है. उसके पास फाइनल में पहुंचकर पेशावर जाल्मी से सूद समेत हिसाब बराबर करने का एक और मौका अभी और होगा.

पीएसएल 2026 का क्वालिफायर जीतकर पेशावर जाल्मी फाइनल में पहुंच गई. वहीं इस्लामाबाद यूनाइटेड को फाइनल में जाने के लिए अब एलिमिनेटर 2 जीतना होगा, जहां उसका मुकाबला हैदराबाद किंग्समेन और मुल्तान सुल्तांस के बीच होने वाली एलिमिनेटर 1 की विजेता टीम से होगा. पीएसएल 2026 का एलिमिनेटर 1 29 अप्रैल को लाहौर में खेला जाना है. वहीं एलिमिनेटर 2 भी लाहौर में ही 1 मई को खेला जाएगा. एलिमिनेटर 2 की विजेता टीम 3 मई को पीएसएल 2026 का फाइनल खेलेगी, जहां उसका मुकाबला पेशावर जाल्मी से होगा.

पीएसएल 2026 के क्वालिफायर में पेशावर जाल्मी की जीत बाबर आजम की बेजोड़ बल्लेबाजी की निशानी रही. उन्होंने अपने टी20 करियर का 12वां और पीएसएल में रिकॉर्ड चौथा शतक जडा. बाबर आजम ने 57 गेंदों पर छक्के के साथ शतक पूरा किया. बाबर आजम के T20 करियर में ये दूसरी बार रहा, जब उन्होंने छक्के के साथ शतक पूरा किया. इससे पहले 2019 में समरसेट से खेलते हुए हैम्पशर के खिलाफ बाबर आजम ने छक्के से शतक पूरा किया था.

बाबर आजम के 59 गेंदों पर बनाए 103 रन का ही नतीजा रहा कि उनकी टीम पेशावर जाल्मी पीएसएल 2026 में चौथी बार 200 प्लस रन का आंकड़ा पार करने में कामयाब रही.

पेशावर जाल्मी ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 221 रन बनाए.

जवाब में इस्लामाबाद यूनाइटेड ना तो पूरे 20 ओवर खेल सकी और ना ही 222 रन के टारगेट के आसपास पहुंच सकी. इस्लामाबाद यूनाइटेड की इनिंग 18.4 ओवरों में 151 रन पर ही सिमट गई. नतीजा ये हुआ कि पेशावर जाल्मी को फाइनल का टिकट मिल गया.

डब्ल्यूडब्ल्यूई में 5 फुट 10 इंच के रेसलर ने खतरनाक अंदाज में किया डेब्यू, मौजूदा चैंपियन के उड़ाए होश!

खेल डेस्क, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। डब्ल्यूडब्ल्यूई एनएक्सटी : डब्ल्यूडब्ल्यूई रेसलमेनिया 42 के बाद कंपनी में कई चीजों में बदलाव हो गया है. रा और स्मैकडाउन में एनएक्सटी के कुछ स्टार्स ने एंट्री कर ली है. ट्रिपल एच नए रेसलर्स को भी कंपनी में ला रहे हैं. एनएक्सटी का लेटेस्ट एपिसोड भी शानदार रहा. वहां पर एक एनजपीडब्ल्यू के खतरनाक स्टार का डेब्यू देखने को मिला, जिनका नाम एविल है. 5 फुट 10 इंच के इस रेसलर की चर्चा काफी समय से हो रही थी. रिपोर्ट्स में कहा गया था कि डब्ल्यूडब्ल्यूई द्वारा उन्हें जल्द ही साइन किया जाएगा. आखिरकर उन्होंने डेवलपमेंट ब्रांड में कदम रख लिया है.

मौजूदा एनएक्सटी चैंपियन टोनी डी'एंजेलो ने रिंग में प्रोमो दिया. उन्होंने पिछले हफ्ते भेजे गए बॉक्स का जिक्र करते हुए फैंस को संबोधित किया. वो इस बात को जानने के लिए उत्सुक थे कि बॉक्स किसने भेजा था. एंजेलो ज्यादा कुछ नहीं कह पाए. अचानक से एरीना की लाइटें बंद हो गईं. लाइट जब ऑन हुई, तो रिंग की तरफ एक नकाबपोश व्यक्ति ने एंट्री की. हर कोई उन्हें पहचानने की कोशिश कर रहा था वो एंजेलो के पास गया और उन्हें एक स्क्रॉल दिया. उस पर जापानी चिन्ह बना हुआ था. ये ही चीज एंजेलो को मिले बॉक्स पर भी थी. उसने अपना मास्क निकाला. वहां से पता चला कि वो पूर्व एनजपीडब्ल्यू हैवीवेट चैंपियन हैं. हाल ही में उनका एनजपीडब्ल्यू के साथ कॉन्ट्रैक्ट खत्म हुआ था. इसके बाद से उनके डब्ल्यूडब्ल्यूई के साथ जुड़ने खबरें सामने आई थीं. अब जाकर एविल ने अपना डेब्यू कर लिया है. एविल ने एंजेलो का सामना कर बड़े संकेत दे दिए हैं. दोनों के बीच आगे जाकर एनएक्सटी चैंपियनशिप के लिए मैच हो सकता है. हो सकता है कि कंपनी एविल को ही चैंपियन बना दे. रेसलिंग की दुनिया में उनका बहुत बड़ा नाम है. वो डब्ल्यूडब्ल्यूई को तगड़ा बिजनेस दिला सकते हैं. अब देखना होगा कि कंपनी ने उनके लिए आगे क्या प्लान बनाया होगा. फिलहाल ऐसा लग रहा है कि एंजेलो के साथ उनकी टक्कर होगी.

गेंद से इश्क करने वाला गेंदबाज: प्रवीण कुमार के मंत्र ने भुवनेश्वर कुमार को बनाया आईपीएल का 'स्विंग किंग'

मेरठ, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। ''गेंद से प्यार करना पड़ता है।'' प्रवीण कुमार का यह यह सीधा-सादा मंत्र ही प्रवीण कुमार की कामयाबी की असली कहानी है। यह सिर्फ एक सलाह नहीं, बल्कि गेंद को संभालने, उसे समझने और हर बॉल में उसे महसूस करने की कला वाली एक आदत है। करीब दो दशकों के करियर में भुवनेश्वर ने इस 'इश्क' को अपने खेल का आधार बनाया।

नतीजा यह है कि तेज, ताकतवर और ज्यादा स्पीड वाले गेंदबाजों के बीच भी वह आईपीएल के सबसे भरोसेमंद और खतरनाक स्विंग गेंदबाज बनकर उभरे हैं। पावरप्ले में उनका दबदबा, सटीक लाइन-लेंथ और 'हाथ की कला' उन्हें बाकी से अलग बनाती है और यही वजह है कि आज वह IPL के 'स्विंग किंग' कहलाते हैं। स्विंग के जादूगर प्रवीण कुमार द इंडियन एक्सप्रेस से मजाकिया अंदाज में कहते हैं, ''गेंद से प्यार करना पड़ता है।'' प्रवीण कुमार अपने 'छोटे भाई और परिवार' भुवनेश्वर कुमार का उदाहरण देते हैं। प्रवीण कहते हैं, ''वह एक समर्पित प्रेमी की तरह है। वह गेंद का बहुत अच्छे से ख्याल रखता है। हमेशा एक तरफ को चमकाकर रखता है। उस पर लगी धूल हटाता है। उसे किसी खजाने की तरह सहेजता है। गेंद भी उससे उतना ही प्यार करती है।'' जैसाकि सोमवार 27 अप्रैल की रात दिल्ली में देखने को मिला। गेंद ने ठीक वैसा ही बर्ताव किया जैसा वह चाहते थे। गेंद में मूवमेंट (हलचल) भले ही कम थी, लेकिन काफी थी।

बल्लेबाज जो आमतौर पर इस फॉर्मेट को अपनी धुन पर नचाते हैं, इस बार गेंदबाज़ की धुन पर नाचते नजर आए। एक ऐसा गेंदबाज जिसे कभी टी20 फॉर्मेट के लिए बहुत ज्यादा 'पारंपरिक' माना जाता था, अब इस फॉर्मेट के सबसे सम्मानित गेंदबाजों में से एक हैं। वह आईपीएल इतिहास में सबसे सफल तेज गेंदबाज (212 विकेट) हैं। वर्तमान सीमर्स में जसप्रीत बुमराह ही उनसे ज्यादा किफायती (इकॉनमी रेट 7.68) हैं।

जसप्रीत बुमराह का इकॉनमी रेट 7.28 है। भुवनेश्वर आईपीएल के पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट (88 विकेट) लेने वाले गेंदबाज हैं। इस दौरान उनका इकॉनमी रेट सिर्फ 6.58 है। भुवनेश्वर कुमार से ज्यादा तेज, लंबे और मजबूत गेंदबाज तो कब के पीछे छूट चुके हैं।

यह गेंद और गेंदबाज के बीच का एक ऐसा प्रेम-प्रसंग है, जिसकी शुरुआत लगभग 20 साल पहले मेरठ में हुई थी। यह आज भी कायम है और मौसमों की मार, नाकामियों और चोटों के कहर को झेलते हुए बड़े-बड़े मंचों पर नजर आता है। प्रवीण कुमार बताते हैं, ''मैंने जब उसे पहले दिन देखा था तभी से वह गेंदबाजी के प्रति पूरी तरह समर्पित था। वह ऐसा इंसान था जो सिर्फ इसलिए गेंदबाजी करता था, क्योंकि उसे बॉलिंग करना पसंद था।'' भुवनेश्वर कुमार ने बताया कि खुद से सीखने के कई फायदे हैं। भुवनेश्वर कुमार ने कहा, ''जब मैं छोटा था तो मेरी गेंद में स्वाभाविक रूप से इन-स्विंग होती थी। मैं नेट्स में लगातार गेंदबाजी करता रहा और एक दिन, गेंद दूसरी तरफ स्विंग हो गई।'' उन्होंने बताया, ''इस पर मैंने खुद से पूछा कि मैं क्या अलग कर रहा हूं; मैंने रन-अप, ग्रिप और गेंद छोड़ने के तरीके में होने वाले छोटे-छोटे बदलावों पर ध्यान देना शुरू किया। फिर मुझे समझ आया कि मैं क्या अलग कर रहा था और इस तरह आप खुद ही अपने विश्लेषक और आलोचक बन जाते हैं।'' इस तरीके में कुछ कमियां हैं। विशेषज्ञ की सलाह के बिना, अनजाने में ही ऐसी गलतियां हो सकती हैं जिन्हें सुधारा न जा सके, लेकिन प्रवीण कुमार इस बात पर जोर देते हैं कि खुद से सीखने का फायदा यह है कि आपकी आदत बन जाती है।

टी20 विश्व कप 2026 के लिए न्यूजीलैंड ने किया स्क्वॉड का ऐलान

25 साल की खिलाड़ी को मिली कप्तानी

वेलिंगटन, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। इस साल इंग्लैंड में महिला टी20 विश्व कप का आयोजन होना है. इस बार टूर्नामेंट इंग्लैंड में खेला जाएगा. पिछले साल की विजेता टीम न्यूजीलैंड की तरफ से 15 खिलाड़ियों को स्क्वॉड का ऐलान कर दिया गया है. टूर्नामेंट का आयोजन जून-जुलाई के महीने में होगा. इस बार टीम की कप्तानी में 25 साल की खिलाड़ी के हाथ में होगी. डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड की टीम काफी मजबूत नजर आ रही है. चलिए आपको भी बताते हैं कि इस बार स्क्वॉड में किन खिलाड़ियों को मौका मिला है.

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए न्यूजीलैंड की कप्तानी अमेलिया केर के हाथों में होगी. 25 साल की युवा खिलाड़ी ने कप्तान बनने के बाद से शानदार प्रदर्शन किया है. इस टीम में 10 खिलाड़ी वहीं है तो साल 2024 में खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा बनी थी. इस लिस्ट में अमेलिया केर, सूजी बेट्स, सॉफी डिवाइन, लिया तहुहु, इजी गेज, मेडी ग्रीन, ब्रूक हैलिडे, जेस कर, रोजमेरी मेयर और जॉर्जिया प्लिमर का नाम शामिल है. इसी के साथ टीम में 5 खिलाड़ी पहली बार टी20 वर्ल्ड कप का हिस्सा बन रही हैं.

न्यूजीलैंड की टीम टी20 विश्व कप 2026 में ग्रुप 2 का हिस्सा है. इस ग्रुप में इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, श्रीलंका और वेस्टइंडीज की टीमें शामिल हैं. टीम इस बार अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को वेस्टइंडीज के खिलाफ करेगी. टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले टीम बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका के खिलाफ वॉर्म अप मुकाबले के लिए उतरेगी. इससे पहले टीम विश्व कप की तैयारी के तौर पर इंग्लैंड के साथ तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलने के लिए भी उतरेगी.

टी20 विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड का स्क्वॉड

अमीलिया कर (कप्तान), सूज़ी बेट्स, सॉफी डिवाइन, फ्लोरा डेवनशर, इजी गेज (विकेटकीपर), मैडी ग्रीन, ब्रूक हैलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस (विकेटकीपर), जेस कर, रोज़मेरी मेयर, नेंसी पटेल, जॉर्जिया प्लिमर, इज़ी शार्प (विकेटकीपर), ली तहुहु.

आईपीएल के 19वें सीजन में भारतीय बल्लेबाजों का रिकॉर्ड योगदान

भारतीय बैटर्स विदेशियों पर भारी, स्ट्राइक रेट में अव्वल

खेल डेस्क, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में पूरी तरह भारतीय बल्लेबाजों का दबदबा दिख रहा है। सीजन के शुरुआती 38 मैचों में कुल 13 हजार 100 रन बने हैं। इनमें से भारतीय बल्लेबाजों ने 9066 रन ठोके हैं, जो कि कुल रनों का 69.21% है। यह किसी एक सीजन के शुरुआती 38 मैचों के बाद भारतीय बल्लेबाजों के योगदान का सबसे बड़ा आंकड़ा है। पिछले साल इस स्टेज तक 12,858 रन बने थे, जिसमें भारतीय बैटर्स ने 66.25% का योगदान दिया था।

आईपीएल के शुरुआती वर्षों में यह आंकड़ा 50% के आसपास रहता था और 2009 में तो यह 47.51% तक गिर गया था। लेकिन इस साल भारतीय बल्लेबाजों ने रनों का जो अंबार लगाया है, उसने विदेशी बल्लेबाजों की चमक फीकी कर दी है। विदेशी बल्लेबाजों ने इस सीजन 30.79% रन (4034) बनाए हैं, जो भारतीय बैटर्स का आधा भी नहीं है। स्ट्राइक रेट में भी भारतीय बैटर्स ने विदेशियों को पीछे छोड़ दिया है। इस सीजन बने कुल रनों में स्ट्राइक रेट 154.17 रहा है। इनमें भारतीय बैटर्स के 9066 रन 158.86 की स्ट्राइक रेट से आए हैं, जबकि विदेशियों ने अपना योगदान 144.59 के स्ट्राइक रेट से दिया है। रन औसत (29.44) में भी भारतीय बैटर्स विदेशियों (26.54) से बेहतर हैं। सर्वाधिक सिक्स में टॉप-10 भारतीय हैं। वैभव ने सर्वाधिक 32 छक्के लगाए हैं। किसी विदेशी के 16+ सिक्स नहीं हैं। रनों की संख्या से भी ज्यादा चौंकाने वाला आंकड़ा रन बनाने की गति यानी स्ट्राइक रेट का है। इस साल भारतीय बल्लेबाजों का स्ट्राइक रेट (158.86) विदेशी बल्लेबाजों की तुलना में 14.27 अधिक है। आईपीएल के 19 साल में यह बहुत बड़ा बदलाव है। इससे पहले केवल दो बार (2010 और 2011) ऐसा हुआ था, जब भारतीयों ने विदेशियों से तेज रन बनाए थे, लेकिन तब भी यह अंतर बहुत मामूली था। भारतीय बल्लेबाजी की गहराई का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस सीजन में 200 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले 24 खिलाड़ियों में से 19 बल्लेबाज भारतीय हैं। इनमें सबसे बेहतरीन स्ट्राइक रेट वाले टॉप-11 बल्लेबाज सिर्फ भारतीय हैं।

'ग्लोबल बिजनेस सर्विसेज हब' के रूप में उभर रहा है हैदराबाद : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के आईटी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने कहा कि हैदराबाद को 'ग्लोबल बिजनेस सर्विसेज हब' के रूप में विकसित करने के लिए सरकार योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है।

उन्होंने बताया कि ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स को केवल बैक ऑफिस संचालन तक सीमित न रखते हुए उन्हें रणनीतिक नवाचार और उच्च मूल्य उत्पादकता वाले ग्लोबल वैल्यू सेंटर्स में परिवर्तित करने हेतु एक व्यापक रोडमैप तैयार किया जा रहा है। मंत्री श्रीधर बाबू ने नानकरामगुड़ा स्थित फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट में स्थापित 'हाइनकेन बिजनेस सर्विसेज इंडिया' केंद्र का उद्घाटन किया। यह केंद्र लगभग 76 हजार वर्ग फुट क्षेत्र में स्थापित किया गया है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हाइनकेन जैसी वैश्विक कंपनी का हैदराबाद को चुनना यहां के विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे, सहयोगात्मक वातावरण और राज्य सरकार की प्रगतिशील औद्योगिक नीतियों का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद अब केवल आईटी गंतव्य ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर व्यावसायिक समाधान प्रदान करने वाला प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है।

आईटी कंपनियों के साथ-साथ मैन्युफैक्चरिंग और उपभोक्ता वस्तु क्षेत्र की अंतरराष्ट्रीय कंपनियां भी अपने रणनीतिक केंद्र स्थापित करने के लिए हैदराबाद को प्राथमिकता दे रही हैं। मंत्री ने कहा कि 150 वर्षों के इतिहास वाली हाइनकेन कंपनी के आगमन से 'तेलंगाना ब्रांड' को वैश्विक पहचान और मजबूती मिलेगी। राज्य सरकार 'रेडी टू वर्क' कार्यबल तैयार करने और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दे रही है, ताकि अधिक से अधिक अंतरराष्ट्रीय निवेश आकर्षित किया जा सके। उन्होंने बताया कि नया केंद्र वित्त, डिजिटल, प्रौद्योगिकी और एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में वैश्विक सेवाएं प्रदान करेगा। वर्तमान में यहां 300 से अधिक पेशेवर कार्यरत हैं और आने वाले समय में यह संख्या बढ़कर 1600 तक पहुंचने की संभावना है। इस अवसर पर मंत्री ने अन्य अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को भी तेलंगाना के औद्योगिक विकास में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया। कार्यक्रम में राज्य के आबकारी एवं पर्यटन मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव सहित हाइनकेन के वरिष्ठ अधिकारी एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बीआरएस ने सभी एनआरआई समितियां भंग कीं, जल्द होगा पुनर्गठन

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। व्यापक संगठनात्मक फेरबदल के तहत बीआरएस ने तत्काल प्रभाव से अपनी सभी एनआरआई समितियों को भंग कर दिया है।

पार्टी के एनआरआई वैश्विक समन्वयक महेश बिगला के अनुसार, यह निर्णय पार्टी प्रमुख के चंद्रशेखर राव के निर्देश और कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव के साथ चर्चा के बाद लिया गया है। यह कदम राज्य समिति को छोड़कर अन्य सभी समितियों को भंग करने के निर्णय के तहत उठाया गया है। बयान में कहा गया है कि इस फैसले का उद्देश्य पार्टी की संरचना को मजबूत करना और वैश्विक स्तर पर इसके कार्यों को बेहतर बनाना है।

नवनियुक्त डीजीपी ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से शिष्टाचार भेंट की

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सी.वी. आनंद ने बुधवार को आईसीसीसी में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान डीजीपी ने मुख्यमंत्री को अपनी प्राथमिकताओं और कानून-व्यवस्था से संबंधित मुद्दों पर जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने राज्य में शांति और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। यह मुलाकात सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई, जिसमें प्रशासनिक समन्वय और पुलिस व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर चर्चा की गई।

पुलिस विभाग समाज कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : रक्षिता कृष्णमूर्ति

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अंबरपेट पुलिस स्टेशन ने किम्स फाउंडेशन के सहयोग से तुलसी राम नगर, गोलनाका लंका स्थित सरकारी प्राथमिक विद्यालय में एक मेगा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। सुबह 9:30 बजे प्रारंभ हुए इस शिविर में लगभग 200 स्थानीय लोगों ने भाग लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डीसीपी सिकंदराबाद ज़ोन रक्षिता कृष्णमूर्ति ने किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वास्थ्य जागरूकता के महत्व पर बल देते हुए कहा कि पुलिस विभाग समाज कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। किम्स फाउंडेशन के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने जनरल मेडिसिन, आर्थोपेडिक्स, स्त्री रोग, बाल रोग एवं फिजियोथेरेपी से संबंधित परामर्श प्रदान किया। साथ ही, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर और हीमोग्लोबिन जैसी आवश्यक जांचें मौके पर ही की गईं तथा जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। कार्यक्रम में अतिरिक्त डीसीपी जे. नरसैया, एसीपी ओयू डिवीजन जी. जगन तथा अंबरपेट पुलिस स्टेशन के निरीक्षक टी. किरण कुमार सहित अन्य पुलिस कर्मी भी उपस्थित रहे।

तेलंगाना एसएससी परीक्षा में लड़कियों ने मारी बाजी

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को घोषित तेलंगाना एसएससी पब्लिक परीक्षा 2026 के परिणामों में लड़कियों ने एक बार फिर बेहतर प्रदर्शन किया है। 2,56,337 लड़कियों ने 96.26 प्रतिशत उत्तीर्णता हासिल की, जबकि 2,60,478 लड़कों का पास प्रतिशत 94.07 रहा। कुल मिलाकर कक्षा 10 की परीक्षा में शामिल 5,16,815 नियमित छात्रों में से 95.15 प्रतिशत छात्र सफल हुए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 2.37 प्रतिशत अधिक है।

इस वर्ष नियमित और पूर्व में असफल रहे छात्रों सहित कुल 5,28,309 ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 5,26,166 परीक्षा में शामिल हुए और 4,97,312 छात्र उत्तीर्ण हुए। परिणाम सरकार के सलाहकार के. केशवा राव, शिक्षा सचिव डॉ. योगिता राणा, स्कूल शिक्षा निदेशक डॉ. ई. नवीन निकोलस और सरकारी परीक्षा निदेशक पी.वी. श्रीहरि द्वारा जारी किए गए। आंकड़ों के अनुसार, 5,731 स्कूलों ने 100 प्रतिशत परिणाम हासिल किया, जबकि छह निजी स्कूलों का परिणाम शून्य रहा। 100 प्रतिशत परिणाम देने वाले संस्थानों में निजी, सरकारी और विभिन्न आवासीय स्कूल शामिल हैं। विद्यालय शिक्षा विभाग ने उत्तर पुस्तिकाओं की पुनर्गणना और पुनर्सत्यापन के लिए 30 अप्रैल से 14 मई तक आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराई है। पुनर्गणना के लिए 500 रुपये और प्रति विषय पुनर्सत्यापन के लिए 1,000 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है।

सड़क हादसे में जान गंवाने वाले छात्र ने परीक्षा में किए उत्कृष्ट अंक हासिल

मेदक, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। 17 अप्रैल को सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले 10वीं कक्षा के छात्र संद्रु सदानंदम (16) ने बोर्ड परीक्षा में 77 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। परिणाम सामने आने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। सदानंदम स्थानीय सरकारी स्कूल में पढ़ता था और उसने 600 में से 462 अंक प्राप्त किए। वह टेकमल मंडल के येल्लमपल्ली गांव का निवासी था। 17 अप्रैल को वह अपने साथी शेट्टी गोपाल के साथ दोपहिया वाहन पर जा रहा था, तभी सामने से आ रही एक अन्य बाइक से टक्कर हो गई। इस हादसे में सदानंदम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गोपाल गंभीर रूप से घायल हो गया था। परिजनों ने बताया कि सदानंदम बचपन से ही पढ़ाई में बहुत मेधावी था और उसकी सफलता की खबर उसके निधन के बाद मिली, जिससे परिवार गहरे सदमे में है।

कबाड़खाने में भीषण आग, देर रात तक चला बुझाने का काम

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार रात सुराराम थाना क्षेत्र में ज्योति मिल्क सेंटर के सामने स्थित एक कबाड़खाने में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि इस घटना में किसी के घायल या हताहत होने की खबर नहीं है। आग इतनी तेज थी कि दूर से ही धुआं और ऊंची लपटें दिखाई दे रही थीं। इससे आसपास के लोगों और दुकानदारों में डर का माहौल बन गया।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद बुधवार तड़के तक आग पर काबू पाया गया। अधिकारियों के अनुसार, गोदाम में रखे रसायनों से भरे ड्रमों के कारण आग तेजी से फैल गई।

चादरघाट पुलिस ने लोगों का दिल जीता

पांच निराश्रित व्यक्तियों को सुरक्षित आश्रय तक पहुंचाया

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए चादरघाट पुलिस ने असहाय स्थिति में रह रहे पांच निराश्रित व्यक्तियों को रेस्क्यू कर सुरक्षित आश्रय गृह में पहुंचाया। पुलिस ने इस कार्य की सराहना हो रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 29 अप्रैल 2026 को चादरघाट थाना की पेट्रोलिंग टीम को मलककपेट गंज मार्केट के पास फुटपाथ पर कुछ अज्ञात व्यक्तियों के रहने की सूचना मिली। निरीक्षक पुलिस, चादरघाट थाना, हैदराबाद सिटी, के.बी. मुरारी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पांच पुरुषों वेणु गोपाल (46 वर्ष), नरसिम्हा (60 वर्ष),

कृष्णा (70 वर्ष), भरत छेत्री (35 वर्ष) और अनिल (35 वर्ष) की पहचान की।

पुलिस के अनुसार सभी व्यक्ति अत्यंत दयनीय स्थिति में पाए गए, जिनके पास भोजन, आवास और अन्य बुनियादी सुविधाओं का अभाव था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मानवीय आधार पर तत्काल सहायता प्रदान की। इसके बाद सभी पांचों व्यक्तियों को उनकी सुरक्षा और बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने के लिए एक मान्यता प्राप्त आश्रय गृह में स्थानांतरित किया गया। स्थानीय लोगों ने समाज के कमजोर वर्गों के प्रति चादरघाट पुलिस के इस संवेदनशील और सराहनीय कदम की प्रशंसा की है।

पुलिस कांस्टेबल बनकर रील बनाने का आरोप, मामला दर्ज

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सैफाबाद पुलिस स्टेशन में निखिल यादव नामक व्यक्ति के खिलाफ पुलिस कांस्टेबल बनकर सोशल मीडिया पर भ्रामक रील पोस्ट करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि उसने पुलिस वर्दी पहनकर वीडियो बनाए और सरकारी महकमों में अपने कथित प्रभाव का प्रदर्शन किया। साथ ही संदेह जताया जा रहा है कि उसने आगंतुक पास का दुरुपयोग कर तेलंगाना सचिवालय में प्रवेश भी किया, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए

हैं। गडवाल निवासी बताया जा रहा निखिल फिलहाल फरार है और पुलिस उसके खिलाफ तलाश अभियान चला रही है। उसके आंध्र प्रदेश में भी कई मामलों में संलिप्त होने का संदेह है।

पुलिस के अनुसार, एक वायरल वीडियो में आरोपी ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से संबंध होने का दावा किया और उनसे मुलाकात कराने की बात कही थी। उसने बीआरएस और बीजेपी नेताओं से भी संपर्क होने का दावा किया। इसके अलावा, 18 अप्रैल को आईपीएल मैच के दौरान बनाए गए एक वीडियो में उसने टिकट बेचने का भी कथित प्रयास किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपी को पकड़ने के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं।

क्रिप्टोकरेंसी योजना के नाम पर 2.3 करोड़ की ठगी

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एक व्यक्ति ने खुद को रियल एस्टेट कारोबारी बताकर कई लोगों को क्रिप्टोकरेंसी योजना में निवेश करने के लिए उकसाया और उनसे करीब 2.3 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। पुलिस के अनुसार, खम्मम निवासी के. हरिकुमार, जो मेडिकल शॉप चलाते हैं और रियल एस्टेट का काम भी करते हैं, की मुलाकात अक्टूबर 2023 में एस. सतीश राव से हुई थी। आरोपी ने खुद को टरनाका स्थित जनज्योति रियल एस्टेट कंपनी का मालिक बताया था। आरोप है कि सतीश राव ने ब्लॉकचेन योजना में ज्यादा मुनाफा देने का लालच देकर हरिकुमार को निवेश के लिए तैयार किया। उसके झांसे में आकर हरिकुमार ने अलग-अलग योजनाओं में करीब 55 लाख रुपये लगा दिए।

बताया जा रहा है कि आरोपी ने अन्य लोगों से भी करीब 1.78 करोड़ रुपये वसूले, जिससे कुल ठगी की रकम लगभग 2.3 करोड़ रुपये हो गई। जब निवेशकों को मुनाफा नहीं मिला, तो उन्होंने टरनाका स्थित कार्यालय में जाकर आरोपी से जवाब मांगा, जहां उसने कथित तौर पर उन्हें धमकी दी। इसके बाद हरिकुमार ने सभी पीड़ितों की ओर से हैदराबाद सीसीएस पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पेट्रोल-डीजल संकट को लेकर सीपीएम का विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पेट्रोल और डीजल की किल्लत को लेकर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएम) के नेतृत्व में बुधवार को हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के क्षेत्रीय कार्यालय के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया गया। सीपीएम नेताओं ने आरोप लगाया कि पेट्रोल और डीजल की कृत्रिम कमी पैदा कर जनता को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार और तेल कंपनियों की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि यह स्थिति आम लोगों पर अतिरिक्त बोझ डालने के उद्देश्य से उत्पन्न की गई है। धरना को संबोधित करते हुए पार्टी नेताओं ने कहा कि तेल की कीमतों में वृद्धि और आपूर्ति में कमी से आम जनता को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावों के बाद तेल कीमतों में वृद्धि की संभावना जताई जा रही है, जो आम लोगों के हितों के खिलाफ है। नेताओं ने कहा कि तेल कंपनियां मुनाफा कमाने के लिए कृत्रिम संकट पैदा कर रही हैं और केंद्र सरकार की नीतियां भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार से सस्ते तेल की उपलब्धता के बावजूद उसका लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचाया जा रहा है। सीपीएम के शहर नेताओं ने कहा कि हैदराबाद में कई पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें देखी जा रही हैं और कुछ स्थानों पर 'नो स्टॉक' बोर्ड लगाए जा रहे हैं, जिससे स्थिति की गंभीरता स्पष्ट होती है।

धरने के दौरान पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम के क्षेत्रीय प्रबंधक को ज्ञापन सौंपते हुए तत्काल आपूर्ति बहाल करने और कीमतों पर नियंत्रण करने की मांग की।

तेज रफ्तार कार ने खड़ी गाड़ियों को मारी टक्कर, तीन हिरासत में

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार रात हयातनगर के इंजापुर रोड पर एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर खड़ी गाड़ियों से टकरा गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, कथित तौर पर शराब के नशे में चलाई जा रही हुंडई आई20 कार ने तीन खड़ी मोटरसाइकिलों को टक्कर मार दी, जिससे वे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार काफी तेज गति में थी, जिससे आसपास मौजूद वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को बचने के लिए भागना पड़ा। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

स्थानीय लोगों के अनुसार, कार चालक और उसमें सवार दो अन्य लोग नशे में थे और उनकी हालत ठीक नहीं थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों को हिरासत में ले लिया। घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरी दुर्घटना रिकॉर्ड हो गई है, जिसकी जांच की जा रही है। पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने और लोगों की सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पाइपलाइन कार्य के चलते निम्स का मुख्य द्वार तीन दिन बंद

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। निज़ाम इंस्टीट्यट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) के सामने जीएचएमसी द्वारा पाइपलाइन निर्माण कार्य किए जाने के कारण अस्पताल का मुख्य प्रवेश द्वार (पंजागुट्टा की ओर) तीन दिनों के लिए अस्थायी रूप से बंद रहेगा। अस्पताल प्रशासन ने मरीजों, उनके परिजनों, कर्मचारियों और आगंतुकों से बंजारा हिल्स की ओर स्थित पिछले गेट से प्रवेश और निकास करने की अपील की है। एनआईएमएस प्रबंधन ने लोगों से सहयोग करने और इस दौरान होने वाली असुविधा को समझने का अनुरोध किया है।

केटीआर ने मुख्यमंत्री पर साधा निशाना

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के कथित बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए उसे शर्मनाक बताया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की टिप्पणी जनता के मुद्दों के प्रति असंवेदनशीलता दर्शाती है। वह तेलंगाना भवन में एक कार्यक्रम के दौरान सभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि जब राज्य में कई वर्ग समस्याओं का सामना कर रहे हैं, ऐसे समय में मुख्यमंत्री का आलोचना से आनंद लेने वाला बयान उचित नहीं है।

सार्वजनिक सूचना

रिन्यू विक्रम शक्ति प्राइवेट लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालयः 138, अंसल चेम्बर्स- 2, भीकाजी कामा प्लेस, दिल्ली – 110066

आम जनता के लिए सूचनाः

क. रिन्यू विक्रम शक्ति प्राइवेट लिमिटेड का जनरेशन पूलिंग स्टेशन (पीएसएस-1) (ग्रामः बेथापल्ली, मंडलः गूटी, जिलाः अनंतपुर, आंध्र प्रदेश) – अनंतपुर पीएस (आईएसटीएस एस/एस) 400 केवी डीसी लाइन डीसी टावरों पर (लाइन की लंबाई लगभग 32 किमी)

ख. रिन्यू विक्रम शक्ति प्राइवेट लिमिटेड का पूलिंग सबस्टेशन-2 (पीएसएस-2) (ग्रामः पेद्दापोडिला, मंडलः पेपल्ली, जिलाः नंदीयाल, आंध्र प्रदेश) – पूलिंग सबस्टेशन-1 (पीएसएस-1) 400 केवी एस/सी लाइन डीसी टावरों पर (लाइन की लंबाई लगभग 20 किमी)

ग. रिन्यू विक्रम शक्ति प्राइवेट लिमिटेड का पूलिंग सबस्टेशन-3 (पीएसएस-3) (ग्रामः मामादुर, एडुरूर, मंडलः गूटी, जिलाः अनंतपुर, आंध्र प्रदेश) –पूलिंग सबस्टेशन-1 (पीएसएस-1) डीसी टावरों पर 400 केवी एस/सी लाइन (लाइन की लंबाई लगभग 20 किमी)

उपरोक्त ट्रांसमिशन लाइन आंध्र प्रदेश राज्य के नंदीयाल, अनंतपुर और कुरनूल जिलों के निम्नलिखित गांवों, तालुकों और जिलों से होकर गुजरती हैः

क्र.स.	गांव का नाम	तहसील	जिला
1.	पेद्दापोदिल्ला, चिन्नपोदिल्ला, गड्डमनपल्ली, लंकायपल्ली, एस. रंगापुरम, कलचेटला, एर्रागुंटपल्लि	पीपुल्ली	नंदयाल
2.	लंबाड़ी तांडा, ऊतकल्लु, बेतपल्ले, मिद्दे तांडा, लक्ष्मी तांडा, गुंडला तांडा, बसिनेपल्ले तांडा	गुत्ति	अनंतपुर
3.	रोल्लपाडु तांडा, वै. जी. तांडा, येरगुड़ी, जी. येर्रा गुड़ी, कंदमकुंट्ला, बेंटा तांडा, गुंडेमरल्ला, उप्परलापल्ली, सबासुपुरम	तुग्गालि	करनूल
4.	मैनपुरम, दोंगलागुट्टा तांडा, संकरबांडा, पाताकोत्ताचेरुवु, अमीनपल्ले, नरसापुरम, बोम्मनपल्ली तांडा, चेरुवु तांडा, ओबुलापुरम, कोंगनपल्ली, मुलकलपेंटा, गुंडला, एन. कोट्टाला, दोसलुडिकी, तिम्मापुरम, दोनिमुक्कला	गुंतकल	अनंतपुर

उपर्युक्त ट्रांसमिशन लाइनें **1 मई, 2026** को या उसके बाद किसी भी दिन 400 किलोवाट पर विद्युतीकृत/चार्ज की जाएंगी।

अतः, सभी को सूचित किया जाता है कि टावरों पर न चढ़ें और न ही टावरों, टावर के हिस्सों और कंडक्टरों आदि के संपर्क में आएं। ट्रांसमिशन लाइन के टावरों और कंडक्टरों के संपर्क में आने से घातक दुर्घटना हो सकती है। जनता को सूचित किया जाता है कि वे उपरोक्त किसी भी कार्य में शामिल न हों और दूसरों को भी ऐसे कार्य करने से रोकें, ताकि किसी भी दुर्घटना को रोका जा सके।

ट्रांसमिशन लाइन को 1 मई, 2026 को या उसके बाद किसी भी दिन विद्युतीकृत/चार्ज माना जाना चाहिए। सभी को सूचित किया जाता है कि मेसर्स रिन्यू विक्रम शक्ति प्राइवेट लिमिटेड किसी भी व्यक्ति द्वारा सुरक्षा मानदंडों के उल्लंघन के कारण होने वाली किसी भी दुर्घटना/क्षति/जीवन, पशुधन और सामग्री/संपत्ति की हानि के लिए जिम्मेदार नहीं होगी।

प्रबंधक (संचरण)

कार्यालय का पताः 8/848-सी, रेवेन्यू वार्ड 8, बी सी कॉलोनी गुत्ति, आंध्र प्रदेश – 515401

ईमेल पताः aziz.kazi@renew.com, **फोनः** +91 8910874155

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.